सूर्योदय 5:34 सूर्यास्त 7:19

आज का तापमान

शिमला	18.0 न्यू	23.4 अधि
धर्मशाला	21.4 न्यू	28.5 अधि

बाजार

सेंसेक्स	80716.55
निफ्टी	24613.00

सोना 75,000 चांदी 95,978

अनंत ज्ञान

www.anantgyaan.in

करे हर सीमा पार

वॉर-2 में खुफिया एजेंसी एजेंट के किरदार में कियारा आडवाणी!

पृष्ठ 4 पर

आरएनआई नं. HPHIN01099 | कांगड़ा | वीरवार, 18 जुलाई, 2024 | 3 श्रावण, विक्रमी संवत 2081 | वर्ष 1, अंक 211, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: 8894521702

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- स्टेट कैडर में डालने को लेकर पटवारी-कानूनगो का विरोध जारी -पेज 2
- इस साल प्रदेश में बढ़ा मछली उत्पादन -पेज 4
- नाहन में खूनी संघर्ष में बदला ताजिया का जुलूस -पेज 12
- बांग्लादेश में प्रदर्शन; 6 लोगों की मौत स्कूल और कॉलेज किए बंद -पेज 13
- पेरिस ओलंपिक में 117 भारतीयों पर देश की उम्मीदें -पेज 14

न्यूज शॉर्ट्स

बिश्नोई और बराड़ गैंग के तीन गुर्गे गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ गैंग के तीन गुर्गों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से दो पिस्टल और छह कारतूस भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने 'एक्स' पर यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि 27 जून को अवैध हथियारों समेत पकड़े गए तीन आरोपियों के साथी हैं।

महाराष्ट्र में 'लाडला भाई' योजना शुरू

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने लाडली बहना योजना के बाद अब लड़कों के लिए लाडला भाई योजना की घोषणा की है। इस योजना के जरिए बेरोजगारी को कम किया जा सकेगा। इस योजना के तहत युवाओं को स्कॉलरशिप दी जाएगी और इसके साथ ही साथ नौकरी के अवसर भी दिए जाएंगे। इस योजना के तहत 12वीं पास करने वाले युवाओं को 6 हजार, डिप्लोमा करने वाले युवाओं को 8, ग्रेजुएट युवाओं को 10 हजार रुपए हर महीने दिए जाएंगे। युवाओं को एक साल तक किसी भी फैक्टरी में अप्रेंटिसशिप करने का मौका भी मिलेगा।

हरियाणा में अग्निवीरों को नौकरी में 10% आरक्षण

हरियाणा। हरियाणा सरकार ने अग्निवीरों को लेकर बड़ा ऐलान किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अग्निवीरों को पुलिस भर्ती और माइनिंग गार्ड की भर्ती में 10 फीसदी का आरक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा ग्रुप सी और डी में 3 साल की आयु सीमा में छूट दी जाएगी। वहीं, ग्रुप सी पदों पर भर्ती में अग्निवीर के लिए 5 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। अग्निवीर चार साल बाद खुद काम शुरू करना चाहेगा तो उसे सरकार 5 लाख तक का बिना ब्याज लोन देगी।

बंगाल में मिला सिक्किम के पूर्व मंत्री का शव

गंगटोक। सिक्किम के पूर्व मंत्री आर सी पौड्याल का शव पश्चिम बंगाल में सिलीगुड़ी के निकट एक नहर से बरामद हुआ है। वह नौ दिन से लापता थे। पुलिस ने बताया कि पौड्याल (80) का शव फुलबाड़ी में तीस्ता नहर में पाया गया। प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि शव तीस्ता नदी से बहकर आया है। शव की पहचान घड़ी और कपड़ों से की गई।

नीट पेपर लीक मामला : 23 लाख बच्चों के भविष्य पर फैसला आज

40 से अधिक याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट वीरवार को विवादों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। यह परीक्षा पांच मई को आयोजित की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर 18 जुलाई की अपलोड की गई वाद सूची के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। इनमें राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की याचिका भी शामिल है। शीर्ष अदालत ने 11 जुलाई को परीक्षा रद्द करने, दोबारा परीक्षा कराने और नीट-यूजी 2024 के आयोजन में कथित गड़बड़ी की जांच की मांग वाली याचिकाओं सहित अन्य याचिकाओं पर सुनवाई 18 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी थी, क्योंकि कुछ पक्षों को केंद्र और एनटीए के जवाब अभी तक नहीं मिले हैं। पीठ ने कहा था कि उसे परीक्षा के संचालन में कथित अनियमितताओं की जांच में हुई प्रगति पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से स्टेटस रिपोर्ट प्राप्त हुई है।

23.33 लाख से अधिक छात्रों ने दी थी परीक्षा

पांच मई को 571 शहरों में 4,750 केंद्रों पर 23.33 लाख से अधिक छात्रों ने परीक्षा दी थी, जिसमें 14 विदेशी शहर भी शामिल थे। केंद्र और एनटीए ने शीर्ष अदालत में दायर अपने पहले के हलफनामों में कहा था कि परीक्षा को रद्द करना सही नहीं होगा और बड़े पैमाने पर गोपनीयता के उल्लंघन के किसी भी सबूत के अभाव में लाखों ईमानदार उम्मीदवारों को 'गंभीर रूप से खतरे में डाल देगा'।

नई दिल्ली में मुख्यमंत्री ने दूसरे दिन प्रदेश के हितों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री से की मुलाकात

सुक्खू ने शाह से आपदा के लंबित 9,042 करोड़ मांगे

रविंद्र जस्टा, शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। सुक्खू ने राज्य की प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्रीय मंत्री से मंत्रालय के पास लंबित धनराशि को शीघ्र जारी करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि बरसात के मद्देनजर यह राशि जरूरी है। सुक्खू ने राज्य आपदा-2023 के दौरान केंद्रीय टीम की ओर से किए गए आकलन के तहत 9,042 करोड़ की वित्तीय सहायता की मांग की। उन्होंने बताया कि यह मामला अभी भी मंत्रालय के पास लंबित है और इस वर्ष बरसात के मौसम के दृष्टिगत राज्य को इस धनराशि की तत्काल आवश्यकता है। सीएम ने 14वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया निधि (एसडीआरएफ) के तहत 61.07 करोड़ की राशि जारी करने का अनुरोध किया, जो लंबित है। उन्होंने राज्य में एनडीआरएफ परिसरों की स्थापना की आवश्यकता पर भी बल दिया और मंडी, रामपुर, और नालागढ़ में परिसरों का निर्माण कार्य आरंभ करने का अनुरोध किया। उन्होंने लाहौल-स्पीति में अंतरराज्यीय सीमा पर सरचू और शिंकुला में सरकारी भूमि पर अनधिकृत कब्जों पर उचित कार्रवाई की मांग की। (अनंत ज्ञान)

एसडीआरएफ के तहत पेंडिंग 61.07 करोड़ की राशि भी मांगी

नई दिल्ली में बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलते मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू।

एनडीआरएफ परिसरों की स्थापना का मुद्दा भी उठाया

सीएम सुक्खू ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार पहाड़ी राज्यों में भू-स्खलन और भूकंप के प्रभावी प्रबंधन के लिए वित्तीय वर्ष 2021-2026 के लिए 200 करोड़ की राशि मिलनी है। उन्होंने लंबित 60.10 करोड़ रुपए जल्द जारी करने व राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण निधि के तहत मंत्रालय को प्रस्तुत 125.84 करोड़ की विस्तृत परियोजना को शीघ्र स्वीकृति देने का अनुरोध किया।

किन्नौर जिले के निगुलसरी में पहाड़ी दरकने से व्यक्ति जख्मी

सिरमौर व ऊना जिले में भी बारिश होने से उमस भरी गर्मी से मिली राहत

रविंद्र जस्टा, शिमला

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर और ऊना जिले में बुधवार को बारिश होने से लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में लोग अभी भी उमस भरी गर्मी की मार झेल रहे हैं। शिमला में सुबह से धुंध छाई रही। ऊना में 15 दिन बाद दोपहर को बारिश हुई है।

वहीं, मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने प्रदेश के कई भागों में 18 से 21 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। राज्य के कई भागों में 23 जुलाई तक बारिश होने की संभावना है। वहीं, किन्नौर जिले में बारिश होने से निगुलसरी में सुबह पहाड़ी दरक गई। पहाड़ी से पत्थर गिरने से एक व्यक्ति घायल हुआ है। पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। भू-स्खलन से जेसीबी मशीन को भी नुकसान पहुंचा है। एनएच पांच निगुलसरी के पास बंद रहा, लेकिन दोपहर बाद बहाल कर दिया है। वहीं, शिमला में न्यूनतम तापमान 18.0, सुंदरनगर 24.4, भुंतर 23.5, कल्पा 14.0, धर्मशाला 21.4, ऊना 24.4, नाहन 23.2, केलांग 13.7, पालमपुर 20.0, सोलन 22.0, मनाली 20.9, कांगड़ा 20.6, मंडी 26.6, बिलासपुर 25.1, हमीरपुर 26.3, चंबा 25.7, डलहौजी 16.0, कुफरी 16.5, नारकंडा 15.0, भरमौर 19.5, रिकांगपिओ 17.8, धौलाकुआं 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया है। (अनंत ज्ञान)

पर्यटकों को पहाड़ी क्षेत्रों में न जाने की सलाह

हिमाचल ट्रैफिक टूरिस्ट रेलवे पुलिस शिमला ने पर्यटकों को पहाड़ी क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी है। बरसात के चलते कुल्लू, मनाली, रोहतांग जाने वाली सड़कों में जगह-जगह भू-स्खलन से दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

आनी-राणाबाग मार्ग पर कार खाई में गिरी, चालक की मौत

कमलेश वर्मा, कुल्लू

आनी-राणाबाग सड़क मार्ग पर मंगलवार देर रात एक कार (एचपी 27 ए-0537) खाई में गिर गई। इस हादसे में कार चालक की मौत हो गई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा दिया है। जब कार रानाबाग से करीब 100 मीटर पीछे पहुंची तो चालक ने संतुलन खो दिया और 50 फुट नीचे खाई में गिर गई। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक चालक की मौत हो चुकी थी। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कार्तिकेयन ने बताया कि सड़क हादसे में चालक अनिल कुमार (24) निवासी सैरणी, जिला मंडी की मौत हुई है। (अनंत ज्ञान)

दिल्ली के मुख्यमंत्री की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

अभी जेल में ही रहेंगे केजरीवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को फिलहाल जेल में ही रहना होगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है, जबकि जमानत याचिका पर 29 जुलाई को सुनवाई होगी।

केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी और सीबीआई की तरफ से डीपी सिंह ने दलीलें रखीं। जस्टिस कृष्णा ने कहा कि गिरफ्तारी पर फैसले के लिए 7-10 दिन की जरूरत है। जमानत पर 29 जुलाई को बहस होगी। सिंघवी ने गिरफ्तारी की टाइमिंग पर सवाल उठाया व खराब स्वास्थ्य का भी हवाला दिया। सीबीआई ने गिरफ्तारी को जायज बताते हुए कहा कि जमानत याचिका पर सुनवाई पहले ट्रायल कोर्ट में होनी चाहिए, सीधे हाईकोर्ट में याचिका दायर करना ठीक नहीं है।

जमानत याचिका पर 29 जुलाई को होगी सुनवाई

केजरीवाल बोले- रिहाई रोकने के लिए सीबीआई ने किया मुझे गिरफ्तार

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने हाईकोर्ट में कहा कि आबकारी 'घोटाला' मामले में उनकी रिहाई को रोकने के लिए सीबीआई ने उन्हें गिरफ्तार किया है। वकील सिंघवी ने सीबीआई की ओर से की गई गिरफ्तारी की आलोचना की, बल्कि उन्हें मामले में जमानत पर रिहा करने का भी अनुरोध किया। सिंघवी ने दलील दी कि यह दुर्भाग्य से गिरफ्तारी रिहाई रोकने के लिए की गई है।

डोडा में हमला करने वाले पाक के पूर्व सैनिक!

पहाड़ों में छिपने और घात लगाकर हमला करने की ली है ट्रेनिंग

एजेंसी, जम्मू

जम्मू-कश्मीर के डोडा में सेना के जवानों पर घात लगाकर हमला करने वाले पाकिस्तान के पूर्व सैनिक हैं। सूत्रों के हवाले से खबर सामने आई है कि वे पहाड़ों में छिपने और घात लगाकर हमला करने में माहिर हैं। सूत्रों के अनुसार, पूर्व पाकिस्तानी सैनिक स्पेशल ट्रेनिंग ले चुके हैं। सोमवार को डोडा में हुई मुठभेड़ में एक अफसर समेत 4 जवान शहीद हुए थे।

16 दिनों में सेना के 10 जवान शहीद हुए हैं। वहीं, पहले की तुलना में अब राष्ट्रीय राइफल्स की तैनाती भी कम हो गई है। हमलावर विदेशी मूल के आतंकवादी हो सकते हैं। हमलावार आधुनिकतम बुलेट प्रूफ जैकेट और हेलमेट से लैस थे, लेकिन उनके चेहरे खुले थे। हमले में आतंकवादियों ने जवानों के बिना ढके चेहरों को ही निशाना बनाया। इन आतंकवादियों को जंगल ट्रेनिंग व सैनिकों के चेहरों को निशाना बनाने की ट्रेनिंग दी गई है।

डोडा में मंगलवार रात को दो बार गोलीबारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में डोडा जिले के मंगलवार रात को चार घंटे में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच दो बार गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने बताया कि कलान भाटा और फिर आधीरात बाद दो बजे पंचन भाटा के पास देसा वन क्षेत्र में चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान गोलीबारी हुई। गोलीबारी में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। अंधेरे, दुर्गम इलाके और घने जंगल का फायदा उठाकर आतंकवादी भागने में सफल रहे।

डोडा आतंकी हमले पर आखिरकार सरकार कर क्या रही है: अब्दुल्ला

डोडा में हुए आतंकी हमले पर पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाया है। उमर ने कहा कि आखिरकार केंद्र सरकार क्या कर रही है। हमें तो यहां आतंकवाद का खात्मा नजर नहीं आ रहा है। डीजीपी के बयान पर कहा कि वह राजनीतिक बयान दे रहे हैं। राजनीति सियासतदानों को करने दें।

पंजाब में दो तस्कर काबू सात किलो हेरोइन और पांच पिस्तौल बरामद

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से सात किलोग्राम हेरोइन और पांच पिस्तौल बरामद किए हैं।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि तस्करों के पास से सात किलोग्राम हेरोइन, पांच पिस्तौल, पांच कारतूस और पांच मैगजीन बरामद की। उन्होंने कहा कि जांच में पाकिस्तान से संबंध का पता चला है और पूछताछ जारी है।

ओमान तट पर तेल टैंकर डूबा 13 भारतीयों समेत 16 लापता

एजेंसी, दुबई

अफ्रीकी देश कोमोरोस के झंडे वाला एक तेल टैंकर ओमान के तट पर डूब गया। टैंकर में सवार चालक दल के 16 सदस्य लापता हो गए, जिनमें 13 भारतीय भी शामिल हैं।

ओमान के समुद्री सुरक्षा केंद्र ने 'एक्स' पर बताया कि टैंकर दुक्म शहर में रस मदराकाह से 25 समुद्री मील दक्षिण-पूर्व में डूबा और संबंधित प्राधिकारियों के साथ मिलकर खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया गया है। समुद्री सुरक्षा केंद्र ने कहा कि 'प्रेस्टीज फाल्कन' जहाज के चालक दल में 13 भारतीय और तीन श्रीलंकाई नागरिक शामिल हैं। इसमें कहा गया कि जहाज के चालक दल के सदस्य अब भी लापता हैं। उनका पता लगाने के लिए तलाश अभियान जारी है। जहाजरानी वेबसाइट 'मरीन ट्रैफिक डॉट कॉम' के अनुसार, यह जहाज दुबई के हमरिया बंदरगाहर से रवाना हुआ था और यमन के बंदरगाह शहर अदन की ओर जा रहा था। दुक्म बंदरगाह ओमान की प्रमुख तेल और गैस खनन परियोजनाओं का मुख्य हब है।

ABHILASHI UNIVERSITY

(Accredited by NAAC with 'B+' Grade)

Approved By: HP Govt., UGC, PCI, NCISM, NCTE, HPSPVC, HPPERC & Member AIU

ADMISSION OPEN 2024-25

FACULTY OF AYURVEDA
B.A.M.S.
M.D. Kayachikitsa
M.D. Kumar Bhritya Evum Bal Rog
D. Pharmacy (Ayurveda)
Diploma in Yoga

SCHOOL OF HEALTH SCIENCES
Bachelor of Physiotherapy (B.P.T.)
M.P.T. (Neurology & Orthopedics)
B.Sc. (MLT) / M.Sc (MLT)
Diploma Multipurpose Health Worker

FACULTY OF ENGG. & MANAGEMENT
M.Tech in CE
MBA, BCA, BBA
Ph.D. in CE & Management

FACULTY OF EDUCATION, HUMANITIES & BASIC SCIENCE
Diploma in Art & Crafts (Drawing Master)
4 Years Integrated B.A. - B.Ed.
4 Years Integrated B.Sc.- B.Ed.
SAVE ONE YEAR
Bachelor of Arts (B.A.)
B.Sc. Medical/ Non-Medical
M.Sc. Mathematics, Physics & Zoology
M.A. Education
Ph.D. Zoology, Physics & Education

FACULTY OF AGRICULTURE
B.Sc. (Hons.) Agriculture
M.Sc. Agriculture
- Entomology
- Plant Pathology
- Agronomy
- Genetics & Plant Breeding
- Agriculture Extension
- Horticulture (Veg. Sciences)

Bachelor of Veterinary Science & Animal Husbandry (B.V.Sc & AH)*
Two Years Veterinary Pharmacist Training Course

FACULTY OF PHARMACY
Diploma in Pharmacy (Allopathy)
B. Pharmacy (Allopathy)
B. Pharmacy (Allopathy) (Lateral Entry)
Master of Pharmacy (M.Pharma)
- Pharmaceutical Chemistry/ Pharmaceutics

Pharm. D (6 Years-Doctor in Pharmacy)
Pharm. D-PB (Doctor in Pharmacy - Post Baccalaureate)
Ph.D. in Pharmaceutical Science

SCHOLARSHIP ASSISTANCE FOR SC/ST STUDENTS T&C* apply

H.O. NER CHOWK, TEHSIL BALH, DISTT. MANDI, HIMACHAL PRADESH
9816005139, 9816400520, 9816700520
9816242139, 9816102238
Website: www.abhilashiuniversity.ac.in Email: info@abhilashiuniversity.ac.in, regabhilashi@gmail.com

न्यूज ब्रीफ

सीमा महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

दशमी रावत, रोहडू। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीमा में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में एमए, एमकॉम और पीजीडीसीए कक्षाओं के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए विद्यार्थियों को 31 जुलाई शाम 5 बजे तक कॉलेज वेबसाइट में जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सभी विषयों के लिए 3 अगस्त को काउन्सलिंग होगी, जिसमें विद्यार्थियों को अपने अभिभावकों के साथ आना अनिवार्य है। चयनित विद्यार्थियों को 3 से 5 अगस्त तक अपनी फीस जमा करवानी होगी। प्राचार्य डॉ. ललिता रावत ने बताया कि इच्छुक विद्यार्थी अंग्रेजी, हिंदी, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीतिक शास्त्र, एमकॉम व पीजीडीसीए विषयों में दाखिला ले सकते हैं। महाविद्यालय डीन ऑफ स्ट्डीज डॉ. अनिल चौहान ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 में बीए, बीएससी, बीकॉम, बी-वॉक, बीसीए, बीबीए में प्रवेश की मैरिट सूची 16 जुलाई को निकाल दी गई है। अभ्यार्थी 19 जुलाई तक फीस जमा करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि दूसरी मैरिट सूची 20 जुलाई को निकाली जाएगी। विद्यार्थियों की नियमित कक्षाएं 23 जुलाई से शुरू हो जाएगी। इच्छुक अभ्यार्थी कॉलेज की वेबसाइट पर जा कर फीस जमा कर सकते हैं। (अनंत ज्ञान)

हाई वोल्टेज से जले गीजर और मीटर

अनंत ज्ञान, नेरवा/चौपाल। उपमंडल चौपाल के अंतर्गत ग्राम पंचायत चान्जू-चौपाल के ग्राम बोधना में बीती रात अचानक भारी विद्युत आपूर्ति आने से गांव के लोगों के घरों में लगे गीजर व अन्य विद्युत उपकरण, बिजली के मीटर जल कर बुरी तरह से नष्ट हो गए हैं। इस बारे में हेमचंद चंदेल, रमेश नेगी, सुरेश नेगी इत्यादि ने बताया कि घरों में लगे बिजली के मीटर, गीजर व अन्य बिजली के उपकरण बुरी तरह से जलकर राख हो गए हैं। इसके अतिरिक्त कई घरो मे करंट आने की सुचना है। समाजसेवी रविंद्र चंदेल ने कहा कि यह घटना विद्युत विभाग की तकनीकी खराबी एवं लापरवाही के स्पष्ट प्रमाण दर्शाती है। उन्होंने कहा कि किन कारणों से बिजली की आपूर्ति

अचानक बढ़ गई जिससे लोगों को भारी नुकसान पहुंचा है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार शाम के समय गांव में लगे ट्रांसफार्मर मे आग की लपटें निकल रहीं थीं और ट्रांसफार्मर में जोर-जोर के धमाके हो रहे थे। उन्होंने विद्युत विभाग से आग्रह किया है कि इस घटना के कारण जिन लोगों के बिजली उपकरण एवं अन्य सामान जला है उन्हें विभाग उचित मुआवजा प्रदान करे। उधर, बिजली बोर्ड के सहायक अभियंता चौपाल उपमंडल हिमांशु नैनवाल ने कहा कि विद्युत आपूर्ति सुचारु रूप से चल रही है और उन्हें भारी बिजली आपूर्ति से कोई उपकरण जलने की कोई सुचना नहीं है।

बेल वाली सब्जियों की करें कीट से सुरक्षा

गोपाल कपिल, झंडूता। झंडूता क्षेत्र में बरसात के दौरान बेल व फलदार पेड़ों में आम, अनार और अन्य सब्जियों की खेती व्यापक स्तर पर की जाती है। इनमें मुख्य रूप से लौकी, तोरई, खीरा, ककड़ी, करेला प्रमुख हैं। साथ ही भिंडी की फसल बहुत से लोग उगाते हैं, लेकिन इनमें लगने वाली बीमारियां व कीड़े इन्हें भारी नुकसान पहुंचाते हैं। इससे इनकी गुणवत्ता और उत्पादकता पर गहरा असर पड़ता है। सब्जियों की काश्त के दौरान पौधों की सुरक्षा पर पर्याप्त ध्यान देना जरूरी है। कीट की सुंडियां क्रीम रंग की तथा प्रौढ़ पीले व चमकीले होते हैं। कीट पत्तियों में गोल सुराख करती हैं तथा सुंडियां जमीन में रहकर जड़ों को काट कर नुकसान पहुंचाती है। आजकल फसलों पर पीले रंग की मक्खियां बेलों व भिंडी को खराब कर रही हैं। कृषि वैज्ञानिक केंद्र बरठीं की विशेषज्ञ मनप्रीत कौर ने बताया कि ये कीड़े गूच्छों में अंडे देते हैं और फल को तेजी से खाते हैं, जो बाद में खाने योग्य नहीं रहते। कीड़े बड़े होने पर फल को छोड़ते हैं और भूमिगत हो जाते हैं। कीट का प्रकोप होने पर 'पालम ट्रैप' (दो प्रति बीघा) खेत में लगाएं। जब मक्खी फसल पर नजर आए तभी उन्हें आकर्षित करने के लिए 50 ग्राम गुड़ या चीनी और 10 मिलीलीटर डाईक्लोरोबास 76 ईसी को 5 लीटर पानी मे घोलकर छिड़कें। उन्होंने बताया कि दवाई छिड़कने के बाद 15 दिन तक फल न तोड़ें गले सड़े फलों को एकत्र करके गड्ढे में दबा दें कीड़ों को मारने के लिए इस गड्ढे में 5 लीटर पानी 10 मिलीलीटर मैलाथियान मिलाकर छिड़कें। (अनंत ज्ञान)

मुहर्रम पर इमाम हुसैन की शहादत को किया याद

कृष्णानगर से लेकर बालूगंज तक निकाला जुलूस

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

राजधानी शिमला में बुधवार को मुस्लिम समुदाय ने मुहर्रम धूमधाम से मनाया। इस दौरान इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए जुलूस निकाला। कंधों पर ताजिया उठा हाथों में अलम थामे कृष्णानगर के इमामबाड़े से जुलूस सर्कुलर रोड गुरुद्वारा और पुराने बस अड्डे होते हुए बालूगंज बैरियर तक निकला। सिरों पर पट्टियां बांधे शिया समुदाय के लोगों ने ए हुसैना मेरे दिल में रहना गाने गाए और पूरा शहर इन गीतों से गूंज उठा।

शिया समुदाय ने मोहम्मद हुसैन की कर्बला के मैदान में उनकी शहादत का मातम मनाया इस्लामिक कैलेंडर में यह दिन बेहद अहम माना गया है, क्योंकि इसी दिन हजरत इमाम हुसैन की शहादत हुई थी। इस्लाम धर्म के संस्थापक हजरत मोहम्मद साहब के छोटे नवासे हजरत इमाम हुसैन ने कर्बला में अपने 72 साथियों के साथ शहादत दी थी और उनकी शहादत को शिया समुदाय याद करता है। मौलाना काजमी रजा नकवी ने कहा कि आज से 1400 वर्ष पूर्व कर्बला के मैदान में मोहम्मद हुसैन ने इंसानियत की खातिर शहादत दी थी। उनकी शहादत को याद करते हुए आज के दिन शिया समुदाय द्वारा जुलूस निकाला जाता है। उन्होंने एक समुदाय नहीं अपितु पूरी इंसानियत के लिए अपना सर कलम करवा दिया था।

इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए जुलूस निकालते मुस्लिम समुदाय के लोग।

उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी जुल्म और अत्याचार के आगे कभी सिर नहीं झुकाया और यही संदेश सभी लोगों को दिया। उन्होंने कहा कि आज के दिन उनकी याद में मातम मनाया जाता है और दुआ की जाती है कि देश मे अमन और चेन कायम रहे। (अनंत ज्ञान)

सेब को अल्टरनेरिया रोग से बचाने के लिए टीमें गठित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

अदाणी एग्री फ्रेश लिमिटेड (एएएफएल) हिमाचल प्रदेश के सेब उत्पादकों को समर्थन देने के लिए आगे आई है। जैसे ही अल्टरनेरिया के मामले संज्ञान में आए है। इसकी जांच और आवश्यक समाधान प्रदान करने के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। जिसमें हमारे बागवानी विशेषज्ञ, मौसम विशेषज्ञ और ग्राम सहायता समूहों के सदस्य शामिल हैं।

इन टीमों ने राज्य भर में कई सेब बागानों का दौरा करना शुरू कर दिया है, साथ ही यह किसानों को इस फंगल इन्फेक्शन को नियंत्रित करने के लिए औषधीय स्प्रे, उर्वरक तथा अन्य उपायों से सहायता कर रही हैं। इसके अलावा एक खास टीम इस बीमारी के कारणों की पहचान करने के लिए काम कर रही है ताकि इसे अन्य क्षेत्रों में फैलने से रोका जा सके। किसानों व बागवानों को यह सलाह दी गई है कि जैसे ही बगीचों में अल्टरनेरिया के लक्षण देखें, तो विशेषज्ञों से संपर्क करें। बागवानों का हर तरह से सहयोग करते रहेंगे।

कांग्रेस करती रही आलोचना, जनता ने मोदी के नेतृत्व पर मुहर लगाई : : बिहारी लाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

- **कांग्रेस का हारना कांग्रेस के नेतृत्व पर एक बड़ा सवालिया चिन्ह**
- **कांग्रेस पार्टी लोकसभा में दूरबीन लगा कर भी नहीं मिल रही और विधानसभा में 43 से 40 पर पहुंची**

भाजपा प्रदेश महामंत्री बिहारी लाल शर्मा ने कहा कि भाजपा ने लोकसभा चुनावों में प्रदेश में बड़ी जीत दर्ज की और जहां भाजपा की लोकसभा में प्रदेश से तीन सीटें थी, वे बढ़कर 4 हो गई। भाजपा ने मंडी संसदीय सीट में कांग्रेस को हरा कर चारों की चारों लोकसभा सीटों पर अपना कब्जा कायम रखा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस केंद्र सरकार की आलोचना करती रही और जनता ने पीएम मोदी के नेतृत्व पर मोहर लगाई। अगर गौर से देखा जाए तो हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से प्रदेश सरकार के तमाम दिग्गज नेता आते हैं जिसमें मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री शामिल हैं। हमीरपुर में कांग्रेस ने अपने पसंदीदा उमीदवार को लोकसभा का टिकट दिया, सभी कांग्रेस के नेताओं ने क्षेत्र में ताबड़तोड़ प्रचार किया, अपितु इन सभी नाकाम कोशिशों के बाद भी कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। हमीरपुर में कांग्रेस का हारना कांग्रेस के नेतृत्व पर एक बड़ा सवालिया चिन्ह है, यहां तक कि मुख्यमंत्री अपनी विधानसभा सीट पर भी कांग्रेस को बढ़त नहीं दिला पाए। तो इसका मतलब तो यह हुआ कि हमीरपुर में भाजपा की सुनामी आई जिसके आगे कांग्रेस का नेतृत्व टिक नहीं पाया।

उन्होंने कहा कि उपचुनावों में भी हमीरपुर जिले में 3 उपचुनाव हुए और कांग्रेस को 2 उपचुनावों में हार का सामना करना पड़ा। हमीपुर में आशीष को जनता का आशीष प्राप्त हुआ और बड़सर से इंद्रदत्त लखनपाल जीते, सरकार से झूठा प्रचार तो बहुत किया पर फिर भी जीत हासिल नहीं कर पाए।

किसान कांग्रेस की कार्यकारिणी भंग

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश किसान कांग्रेस के महासचिव संगठन पूर्ण चंद ने बताया कि हिमाचल प्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष सोहन वर्मा ने अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के अध्यक्ष सुखपाल सिंह खेड़ा और कांग्रेस पार्टी अध्यक्षा प्रतिभा सिंह के अनुमोदन से प्रदेश कार्यकारिणी को तुरंत प्रभाव से भंग कर दिया है। पूर्ण चंद ने बताया कि शीघ्र ही स्थायी सदस्यों को आमंत्रित करके प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। तत्पश्चात जिला व ब्लॉक स्तर पर भी कार्यकारिणीयों का पुनर्गठन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश किसान कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों व विधानसभा के उपचुनावों में दिन रात जमीनी स्तर पर कार्य करके कांग्रेस पार्टी को जिताने में सहयोग किया है और नई कार्यकारणी में संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व और कांग्रेस पार्टी अध्यक्षा श्रीमती प्रतिभा सिंह, प्रदेश मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री और वरिष्ठ कांग्रेस पार्टी नेताओं के साथ विचार-विमर्श करने पर कार्यकारणी का गठन किया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

हार के बाद बौखलाहट में भाजपा नेता कांग्रेस का आंकड़ा पहुंचा 40 पर

रविंद्र जस्टा, शिमला

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने भाजपा नेताओं पर निशाना साधा है। उन्होंने शिमला में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि बीते दो महीनों में हिमाचल के नौ विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव में छह पर कांग्रेस ने जीत हासिल की है। फरवरी महीने के अंत में मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व वाली जो सरकार खतरे में नजर आ रही थी, वह अब दोबारा स्थिर हो गई है। साल 2022 के विधानसभा चुनाव की तरह ही साल 2024 के उपचुनाव के बाद कांग्रेस का आंकड़ा 40 पर आ पहुंचा है। कांग्रेस की सरकार स्थिर होने के बाद अब कांग्रेस नेता लगातार भारतीय जनता पार्टी पर हमलावर नजर आ रहे हैं।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते नरेश चौहान, साथ हैं अन्य।

- **खतरे में नजर आ रही थी सुक्खू सरकार, अब दोबारा हुई स्थिर**

नरेश चौहान ने कहा कि भाजपा ने सरकार गिराने की भरसक कोशिश की। भाजपा चाहती थी कि मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार गिर जाए। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता लोकतंत्र का सम्मान करना नहीं जानते। जनता ने कांग्रेस को सत्ता चलाने का आदेश दिया। इसके बाद कांग्रेस की सरकार लोगों के काम में जुट गई, लेकिन भाजपा नेताओं को यह रास नहीं आया। भाजपा के नेताओं ने हिमाचल प्रदेश में चुनी हुई सरकार को गिराने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता का आभार व्यक्त करना चाहती है, क्योंकि उन्होंने भाजपा की इस अलोकतांत्रिक कोशिश को पूरी तरह नाकाम कर दिया। उपचुनाव में जनता का कांग्रेस को भरपूर समर्थन मिला और कांग्रेस एक बार फिर 40 के आंकड़े पर आ पहुंची है। नरेश चौहान ने कहा कि जनता ने मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार के काम पर अपने वोट के जरिए मोहर लगाई है। भाजपा के नेता हार के बाद बौखलाहट में हैं। इसी बौखलाहट में भी सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार करने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा की सरकार बनाने की नाकाम मंशाओं की वजह से ही राज्य के कई हिस्सों में आदर्श आचार संहिता लगी। इसकी वजह से राज्य का विकास भी प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि अब आदर्श आचार संहिता खत्म होने के बाद राज्य सरकार दोबारा जनहित के कामों में जुट गई है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर उदार वित्तीय सहायता मांगी है। (अनंत ज्ञान)

बिलासपुर में मनाई वरिष्ठ पत्रकार शब्बीर कुरैशी की 18वीं पुण्यतिथि

शब्बीर कुरैशी की 18वीं पुण्यतिथि पर उपस्थित गणमान्य।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

उनके डसने की फितरत से वाकिफ था वो, मगर, उम्र भर नागों को दूध पिलाता रहा मेरा यार, जब यह पंक्तियां एसआर आजाद ने मंच पर सुनाई तो सारा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मौका था बिलासपुर में पत्रकारिता को नई पहचान देने तथा पत्रकारों की नई पौध को पैदा करने वाले स्वर्गीय शब्बीर कुरैशी की 18वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह और कवि गोष्ठी का।

इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर सेवानिवृत्त प्रिंसीपल एसआर आजाद ने उनके साथ बिताए पलों को अपने अंदाज में सांझा किया। उन्होंने कहा कि समाज के शब्बीर कुरैशी के इस योगदान को सहजता से भुलाया नहीं जा सकता है। यह उनकी की नेक कमाई है कि आज उन्हें याद करने के लिए बिलासपुर का बुद्धिजीवी वर्ग एकत्रित हुआ है। ऐसे व्यक्तिव भले ही दुनिया से रुखस्त हो गए हों लेकिन नेक और अच्छे कार्यों के लिए उन्हें सदैव याद किया जाता रहेगा। उन्होंने कहा कि इंग्लिश और हिंदी दैनिक समाचार पत्रों में काम करना तथा उनकी गरिमा को बनाए रखने में उनका योगदान अतुलनीय था, यही नहीं सामाजिक सरोकारों को निभाते हुए सांप्रदायिक सौहार्द को कायम रखने में कुरैशी को सदैव याद किया जाता रहेगा।

वहीं स्वर्गीय शब्बीर कुरैशी की पत्नी आशा कुरैशी व पुत्र अजहर ने मुख्यातिथि को टोपी पहनाकर सम्मानित किया। सुशील पुंडीर ने कुशल मंच संचालन किया, जबकि शब्बीर कुरैशी के जीवन पर वरिष्ठ साहित्यकार रविंद्र नाथ भट्टा ने पत्रवाचन कर उनकी जीवनी को जीवंत किया। वहीं कवियों और साहित्यकारों ने अपनी-अपनी रचनाओं से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। वहीं आशा कुरैशी ने अपने शब्दों में गुरु शब्बीर की स्मृतियों को बखूबी प्रस्तुत किया।

वहीं कार्यक्रम के अंत में उनके पुत्र अजहर शब्बीर ने अपने बड़े भाई असद शब्बीर द्वारा आस्ट्रेलिया से भेजी श्रद्धांजलि पढ़ सबको गमगीन किया। कार्यक्रम के अंत में कहलूरी धाम का आयोजन भी किया गया। (अनंत ज्ञान)

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को दी योजनाओं की जानकारी

नीरज शर्मा, घुमारवीं

महिला एवं बाल विकास हिमाचल प्रदेश के सौजन्य से भारत सरकार के अंतर्गत चलाई जा रही मिशन शक्ति योजना के तहत 100 दिन विशेष जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत जिला कार्यक्रम अधिकारी बिलासपुर हरीश मिश्रा के मार्गदर्शन में घुमारवीं परियोजना के ग्राम पंचायत मरहाणा में मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत एकदिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में शिल्पा शर्मा जेंडर स्पेशलिस्ट ने मिशन शक्ति योजना के उद्देश्य तथा इसके अंतर्गत चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति योजना को दो भागों में आवंटित किया गया है। पहले संबल जो कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाया गया है, जिसमें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन, नारी अदालत चाइल्ड हेल्पलाइन शामिल हैं। इसी के साथ सामर्थ्या जो कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही है, जिसमें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, शक्ति सदन, पालना, कामकाजी महिला छात्रावास आदि सम्मिलित हैं। इसी के साथ उन्होंने महिलाओं तथा बच्चों के लिए चलाई जा रही विभागीय योजनाओं बारे में विस्तृत जानकारी दी।

जागरूकता शिविर में महिलाओं को योजनाओं की जानकारी देते अधिकारी।

केंद्र प्रशासक वंदना शर्मा तथा पैरा लीगल स्टॉफ शिवाली शर्मा ने वन स्टॉप सेंटर के बारे में बताया कि वह किस प्रकार से घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं की एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की सहायता करके उनकी समस्याओं का समाधान करती हैं। चाइल्ड हेल्पलाइन बिलासपुर ने लोगों व बच्चों को बाल विवाह, बाल मजदूरी, नशा निवारण, सेफ टच और अनसेफ टच पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में शिल्पा शर्मा जेंडर स्पेशलिस्ट, प्रशांत, अभिषेक, सुनील आदि ने भाग लिया। (अनंत ज्ञान)

कृषि सेवा सहकारी सभा बड़ोआ की नई कार्यकारिणी गठित

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

कृषि सेवा सहकारी सभा समिति बड़ोआ की कार्यकारिणी के चुनाव औहर में आयोजित किए गए। दूसरी बार वीरेंद्र शर्मा को सर्वसम्मति से समिति का प्रधान चुना गया। कार्यकारिणी का चुनाव इंस्पेक्टर राजेंद्र कौर की अध्यक्षता में हुआ।

विजय सिंह चंदेल को उपप्रधान और धनीराम को मुख्य सलाहकार बनाया गया। राकेश कुमार, रूपलाल, ओंकार सिंह और दीपचंद को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। प्रधान वीरेंद्र सिंह ने सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि समिति के चहुंमुखी विकास के लिए दिन-रात काम करेंगे और लोगों की उम्मीदों पर भी अच्छा उतरने का प्रयास किया जाएगा।

वहीं, खंड निरीक्षक विजय कुमार ने सभा के कारोबार की जानकारी दी। उन्होंने सभी सदस्यों से सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने की अपील की। इस मौके पर सुनील कुमार और राजकुमार मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र बरमाना के बोरवेल का कार्य शुरू

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

आंगनबाड़ी केंद्र बरमाना में लगने वाले बोरवेल का कार्य विधिवत पूजा-अर्चना करके शुरू किया गया। अब इस बोरवेल के लगने से यहां पेयजल की किल्लत दूर होगी।

पंचायत प्रधान पूजा धीमान ने इस स्कीम के लिए बरमाणा ग्राम पंचायत की और से मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री और पूर्व विधायक बंबर ठाकुर का आभार प्रकट किया है।

पूर्व विधायक बंबर ठाकुर के सहयोग से बरमाणा पंचायत में तीन बोरवेल लगने जा रहे हैं। एक बोरवेल आंगनबाड़ी केंद्र बरमाना के पास दूसरा बोरवेल प्राइमरी स्कूल

बोरवेल करने से पहले पूजा-अर्चना करती प्रधान पूजा धीमान व अन्य।

के साथ और तीसरा बोरवेल कैंचीमोड़ में लगेगा। मंगलवार को आंगनबाड़ी केंद्र बरमाना में पहले बोरवेल लगाने के लिए मशीन लग गई है, जिसका कार्य बोरवेल मशीन की पूजा-अर्चना करके शुरू हुआ। इस दौरान पंचायत प्रधान पूजा धीमान, पूर्व प्रधान शिव देई, पूर्व उपप्रधान नतीश ठाकुर, वार्ड सदस्य सुरेंद्र शर्मा, वार्ड सदस्य सुनीता देवी, पूर्व प्रधानाचार्य भाग सिंह व अन्य ग्रामीणों ने भाग लिया।

स्टेट कैडर में डालने को लेकर पटवारी-कानूनगो का विरोध जारी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

राजस्व विभाग ने कार्यरत पटवारियों और कानूनगो को स्टेट कैडर का दर्जा दिए जाने के फैसले से ग्रामीण राजस्व विभाग के अधिकारी सुक्खू सरकार के खिलाफ भड़के हुए है। जिसके बाद से हिमाचल प्रदेश संयुक्त ग्रामीण राजस्व अधिकारी एवं कानूनगो महासंघ ने 15 जुलाई से प्रदेश भर में लोगों को ऑनलाइन सेवाएं देने की सुविधा बंद कर दी हैं।

प्रदेश भर में पिछले तीन दिनों से नगर निगमों, नगर परिषद, नगर पंचायतों और पंचायतों के तहत लोगों के ऑनलाइन हिमाचली प्रमाण, आय प्रमाण पत्र, कृषक प्रमाण पत्र और ईडब्लूएस आदि प्रमाण बनाने के लिए भटक रहे हैं।

लोगों के अब ऑनलाइन अपडेट होने वाले इंतकाल और लोन से संबंधित कार्य भी नहीं हो रहे हैं। वहीं, तहसीलदार और एसडीएम की ओर से लोगों की सुविधा के लिए बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप से भी पटवारी और कानूनगो एग्जिट हो गए हैं। वहीं ऑनलाइन प्रमाण पत्र नहीं बनने की वजह से आम लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। पिछली बार सुक्खू सरकार को एक दिन में ही बदलना पड़ा था। हिमाचल में राजस्व विभाग में कार्यरत पटवारी एवं कानूनगो को स्टेट कैडर में डालने का निर्णय लिया था, लेकिन हिमाचल प्रदेश संयुक्त पटवारी एवं कानूनगो महासंघ के विरोध के बाद सरकार ने फैसला वापस ले लिया था। लेकिन अब सरकार ने फिर से पटवारी और कानूनगो को स्टेट कैडर का दर्जा दे दिया हैं। वहीं 1500 रुपए पेंशन के लिए महिलाएं फार्म नहीं भर पा रही हैं। पटवारियों-कानूनगो की नाराजगी को लेकर सरकार भी सोई है।

कांग्रेस ने एक मिलनसार व वरिष्ठ कार्यकर्ता को खोया : जगत सिंह नेगी

जीता सिंह नेगी, रिकांगपिओ

कैबिनेट मंत्री जगत सिंह नेगी ने बुधवार को सक्रिय राजनीति में लाने वाले राजनीतिक गुरु स्वर्गीय दौलत राम नेगी को श्रद्धांजलि दी। नेगी ने बुधवार को उनके अंतिम यात्रा में भी शामिल हुए।

नेगी ने कहा कि निचार के दौलत राम नेगी जिला कांग्रेस कमेटी व राज्य के कांग्रेस कमेटी के कई अहम पदों पर रहे तथा उन्होंने जनता के लिए सदैव दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काम किया और उनका विशेष रुचि बागवानी के प्रति रहा। नेगी ने कहा कि बागवानी के क्षेत्र में उन्होंने कई ईनाम प्राप्त किए हैं। दौलत राम नेगी

दौलत राम नेगी की अंतिम यात्रा में शामिल हुए कैबिनेट मंत्री जगत सिंह नेगी।

एक मिलनसार व्यक्ति थे व सहकारिता में भी उनकी विशेष सूची रही है। निचार एनएमसीएच सोसायटी में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा तथा अलग-अलग सोसायटियों के अध्यक्ष में पद में भी रहे। बुधवार को निचार के ग्रामीणों सहित कांग्रेस कमेटी ने उन्हें नाम आंखों से विदाई दी। नेगी ने कहा कि उनके निधन से कांग्रेस ने एक मिलनसार व्यक्ति और कांग्रेस पार्टी के एक वरिष्ठ नेता को खोया। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

दौरा एंबुलेंस की कमी के कारण पेश आ रही समस्या से विधायक को करवाया अवगत

विधायक कटवाल ने किया झंडूता अस्पताल का निरीक्षण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

झंडूता अस्पताल में एंबुलेंस की कमी जल्द दूर होगी। बुधवार को झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल ने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। अस्पताल में उपचाराधीन मरीजों का कुशलक्षेम जानने के साथ ही उन्होंने उनसे और उनके साथ मौजूद तिमारदारों से समस्याओं की जानकारी भी हासिल की।

इस दौरान उन्हें एंबुलेंस की कमी के कारण पेश आ रही समस्या से अवगत करवाया गया। उन्होंने कहा कि झंडूता विधानसभा क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

झंडूता अस्पताल में मरीजों का हालचाल पूछते विधायक जीतराम कटवाल।

उपलब्ध करवाना उनकी प्राथमिकता है। जल्द ही विधायक क्षेत्रीय विकास निधि योजना से अस्पताल में एंबुलेंस की व्यवस्था कर दी जाएगी। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को मरीजों की अन्य समस्याओं का समाधान भी प्राथमिकता के आधार पर करने के निर्देश दिए।

इससे पहले जीतराम कटवाल ने जांगला, थुराण, गेहड़वीं और मलांगण पंचायतों का दौरा भी किया। मलांगण पंचायत की सपेरा बस्ती में उन्होंने हाल ही में टैंक में डूबने से मौत का शिकार हुई 2 वर्षीय मासूम बच्ची के परिजनों से भी मुलाकात की। उन्होंने बच्ची के निधन पर गहरा दुख प्रकट करते हुए परिजनों को ढांढस बंधाने के साथ ही आश्वस्त किया कि उनकी हरसंभव सहायता की जाएगी। वहीं, इन पंचायतों के दौरे के दौरान उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं तथा स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित किया। उन्होंने कहा कि वह झंडूता विधानसभा क्षेत्र की जनता के सेवक हैं। इस विधानसभा क्षेत्र का चहुंमुखी विकास करवाना और लोगों को सभी तरह की जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाना शुरू से ही उनकी प्राथमिकता रही है। इसके लिए वह दिन-रात काम करते रहेंगे। हालांकि, सुक्खू सरकार इस विधानसभा क्षेत्र के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। भाजपा सरकार के समय शुरू किए गए विकास कार्यों में भी जानबूझ कर रोड़ा अटकाया जा रहा है। क्षेत्र की जनता को इसकी चिंता करने की जरूरत नहीं है। इस मौके पर झंडूता भाजपा मंडल अध्यक्ष रसम सिंह चंदेल व कार्यालय सचिव हरबंस लाल भभौरिया आदि भी उनके साथ थे।

बेटियों के लिए चलाई शगुन स्कीम बंद करना शर्मनाक : जयराम ठाकुर

राजनीतिक प्रतिशोध के चलते रोकी जा रही है पूर्व सरकार की लोकप्रिय योजनाएं

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि सुक्खू सरकार ने बेटियों की शादी के लिए दी जाने वाली शगुन योजना का पैसा भी रोक दिया है। बजट होने के बाद भी सरकार द्वारा पैसा बेटियों की शादी पर पैसा नहीं दिया गया। जिससे बजट लैप्स हो गया, जबकि हर जिले में सैकड़ों की संख्या में आवेदन लंबित पड़े हैं। लोग भटक रहे हैं, जो धनराशि शादी के समय मिलनी चाहिए थी, वह साल भर से अटकी पड़ी है। यह बातें अखबारों में छप रही हैं और सरकार के संज्ञान में हैं।

शगुन जैसी योजना होने के बाद भी बेटियों की शादी में सरकार की तरफ से कोई सहयोग नहीं मिल रहा है। लंबित पड़े हजारों आवेदनों में इस वित्तीय वर्ष के साथ पिछले वित्तीय वर्ष आवेदन भी शामिल हैं। प्रदेश के बेटियों के विवाह के समय दी जाने वाली धनराशि को क्यों रोका जा रहा है, सरकार को इसका जवाब देना चाहिए। एक तरफ

मुख्यमंत्री बताएं बजट के बाद किसने रुकवाई योजना

कांग्रेस ने चुनाव के दौरान महिलाओं को सुख सम्मान निधि देने के नाम पर ठगा दूसरी शगुन जैसी महत्वाकांक्षी योजना को बंद करने का काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में शगुन योजना का पैसा रोक दिया गया है। हर जिले में सैकड़ों की संख्या में आवेदन लंबित पड़े हैं। इस वित्तीय वर्ष में सरकार ने शगुन योजना के लिए बजट ही नहीं जारी किया है, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में बजट होने के बाद भी पैसा नहीं जारी किया गया। प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार अब मीडिया के लोगों पर मुकदमा करने की धमकी दे रही है और छवि खराब करने के नाम पर जेल भेजने का डर दिखा रही है, क्योंकि सरकार की नाकामी का एक-एक काल चिट्ठा मीडिया प्रदेश के लोगों के सामने लाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा सुक्खू सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर आवाज उठाती रहेगी और उनकी तानाशाही का डटकर सामना करेगी। जयराम ने कहा कि पूर्व की भाजपा सरकार में एक अप्रैल 2021 में शगुन योजना की शुरुआत हुई थी। जिसके तहत सरकार ने बीपीएल परिवार की बेटियों की शादी में 31 हजार रुपए देने की योजना शुरू की थी। सामान्य परिवार में बेटी के विवाह में इतनी धनराशि मायने रखती है। इससे बहुत सारे काम आसानी से हो जाते हैं। हमारी सरकार में हमने हजारों बेटियों को इस योजना का लाभ दिया। योजना सुचारु रूप से चलती रही, लेकिन मुख्यमंत्री सुक्खू ने जब से सत्ता संभाली तब से प्रतिशोध की राजनीति के तहत पूर्व सरकार द्वारा गरीबों और जरूरतमंदों के लिए चलाई गई योजनाओं को अघोषित रूप से बंद करने में लगे हैं।

नई सरकारें पुरानी सरकार के काम को आगे बढ़ाने के लिए जानी जाती हैं, लेकिन यह सरकार शगुन और सहारा जैसी योजनाओं को बंद करने में लगी है। जिस तरह से सरकार जनहितकारी योजनाओं को टार्गेट कर रही है वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण हैं। कहा कि सरकार जल्दी से जल्दी शगुन योजना का बजट जारी करे और सभी लंबित आवेदनों का निस्तारण करे।

कश्मीर में आतंकवाद खत्म करने के लिए बड़ी लड़ाई लड़नी चाहिए : शांता कुमार

अनंत ज्ञान, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने कहा कि कश्मीर की आतंकवाद की आग अब जम्मू में भी सुलगने लगी है। यह दुर्भाग्य का विषय है कि

पाकिस्तान लंबे समय से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के नाम से एक छिपा युद्ध लड़ रहा है। अब पाकिस्तान के इस आतंकवाद को समाप्त करने के लिए भारत को बड़ी लड़ाई लड़नी चाहिए। साथ ही सबसे पहले स्थानीय मददगार गद्दारों की पहचान कर उन्हें फांसी या उम्र कैद देनी चाहिए। शांता ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा कि पाकिस्तान दिवालिया हो गया। आटे तक के लिए तरस रहा है, परंतु दुर्भाग्य यह है कि आतंकवाद के लिए दुनिया के कुछ मुस्लिम देश पाकिस्तान को खुला पैसा दे रहे है। धन के लालच में जम्मू-कश्मीर के कुछ स्थानीय निवासी आतंकवाद की मदद करते है। पिछले दिनों की घटनाओं से यह सिद्ध होता है कि स्थानीय मददगार गद्दारों के बिना ऐसी घटनाएं नहीं हो सकती थीं।

किन्नर कैलाश यात्रा एक अगस्त से

इस वर्ष यात्रा तांगलिंग मार्ग के अलावा पूर्वनी मार्ग से भी की जाएगी शुरू

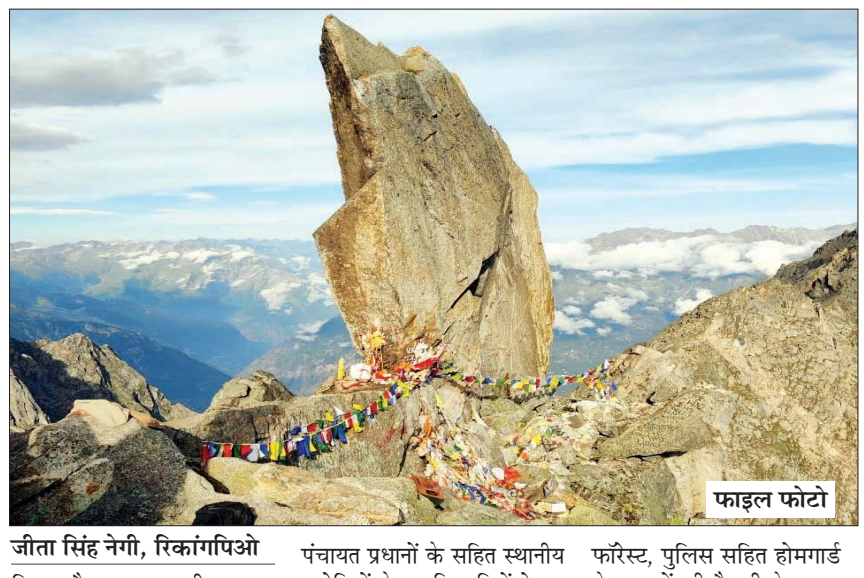

फाइल फोटो

जीता सिंह नेगी, रिकांगपिओ

किन्नर कैलाश यात्रा की औपचारिक घोषणा कर दी गई है। इस वर्ष किन्नर कैलाश यात्रा एक अगस्त से 26 अगस्त तक होगी। बता दें कि प्रदेश सरकार के केबिनेट मंत्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में जिला मुख्यालय रिकांगपिओ में किन्नर कैलाश यात्रा को लेकर बैठक बुलाई गई। बैठक में जिला पर्यटन अधिकारी के अलावा पूर्वनी, तांगलिंग पवारी के पंचायत प्रधानों के सहित स्थानीय कमेटियों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। लंबी चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष से किन्नर कैलाश की यात्रा तांगलिंग मार्ग के अलावा पूर्वनी मार्ग से भी शुरू की जाएगी, ताकि शिव भक्तों को कैलाश दर्शन के दौरान आने जाने में सुगमता रहे। जिला पर्यटन अधिकारी एवं एसडीएम कल्पा डॉ. शशांक गुप्ता ने बताया कि किन्नर कैलाश यात्रा के दौरान फॉरेस्ट, पुलिस सहित होमगार्ड के जवानों की तैनाती के अलावा मेडिकल की भी सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। इसी तरह यात्रा के दौरान खुलने वाले ढाबों में भी खाने आदि की दर निर्धारित की जाएगी, ताकि कोई मनमाने तरीके के खाद्य वस्तुओं के दाम न वसूल सके। इसी तरह यात्रा वाले दोनों रूटों पर सफाई व्यस्था का कार्य भी बीडीओ कल्पा की देखरेख में चलेगा। (अनंत ज्ञान)

हजारों वर्षों के इतिहास में पहली बार चालदा महासू देवता टौंस नदी पार कर आएंगे हिमाचल

अनंत ज्ञान, नाहन

करोड़ों लोगों की आस्था के प्रतीक माने जाने वाले छत्रधारी चालदा महासू देवता पहली बार टौंस नदी को पार करके उत्तराखंड से हिमाचल प्रदेश आएंगे। यह घटना एक नया इतिहास लिखेगी।

सदियों पुरानी परंपरा को तोड़कर अगले वर्ष के बैसाख महीने में छत्रधारी चालदा महासू देवता टोंस नदी को पार कर सिरमौर आएंगे। सिरमौर जनपद में शिलाई के छोटे से गांव पश्मी में देवता का स्वागत करने के लिए एक भव्य उत्सव की तैयारी की जा रही है, जिनके आगमन से क्षेत्र में ढेर सारी समृद्धि और आशीर्वाद आने की उम्मीद है। यह अभूतपूर्व व ऐतिहासिक निर्णय उत्तराखंड के जौनसार के कोटी बावर में 11 खतों की महापंचायत के दौरान लिया गया। हर 12 साल में चालदा महासू देवता उत्तराखंड के जौनसार क्षेत्र के शांठीबिल से पांशीबिल के लिए वार्षिक बरवांश विशेष पूजा के लिए जाते हैं।

दिनेश गजटा उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित

अनंत ज्ञान, नेरवा/चौपाल

खंड स्तर की छात्रा वर्ग चौदह वर्ष से कम आयु खेलकूद प्रतियोगिता में वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रुसलाह में सेवारत शारीरिक शिक्षक दिनेश गजटा को मंच संचालन व समाज सेवा के लिए सम्मानित किया गया।

गौरतलब है की वर्ष 2003 से 2017 तक उन्होंने इसी पाठशाला में डीपीई पद पर सेवाएं दी और असंख्य छात्र राज्य व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार किए। नेरवा खंड में निजी स्कूलों के छात्रों की खेलकूद प्रतियोगिता शुरू करने का श्रेय दिनेश गजटा को जाता है। उस समय निजी स्कूलों को सरकारी स्कूलों के साथ भाग लेने की

अनुमति नहीं थी। इसलिए राज्य स्तर तक निजी स्कूलों की प्रतियोगिताएं आरंभ करने के लिए निजी स्कूल संघ का गठन कर अहम भूमिका निभाई।

निजी स्कूल की सेवा के साथ विभिन्न खेल व स्वयंसेवी संस्था के साथ कार्य किया। युवा सेवा खेल विभाग ने सामाजिक सेवा के लिए यूथ अवार्ड से सम्मानित किया, शैक्षणिक काल में अवैतनिक साक्षरता अभियान में बतौर कलाकार कार्य किया। वर्ष 2005 से 2010 तक पंचायत सीमित सदस्य बन कर असंख्य समस्याएं सुलझाईं। उपरोक्त अनुभव को ही शिक्षक बनकर बच्चो में बांटने का प्रयास करते हैं। दसवी कक्षा में पहली कविता लिखने के बाद अब तक आंकड़ा 200 से ज्यादा है। एक दिव्यांग छात्र को नित्य व्यायाम के माध्यम से सशक्त चलने योग्य बनाकर कामयाब बनाया। शिक्षा के साथ सामाजिक सेवा में जुटे दिनेश गजटा को खंड स्तर में सम्मानित कर नवाजा गया।

आम लोगों की पूर्व सरकारों में जारी सुविधाएं तुरंत हों बहाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

संत श्री रविदास धर्म सभा के प्रदेशाध्यक्ष एवं समाजिक कार्यकर्ता कर्म चंद भाटिया ने प्रदेश मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू एवं कांग्रेस सरकार से आग्रह किया कि आम लोगों की पूर्व सरकारों में जारी सुविधाएं तुरंत बहाल की जाएं, अन्यथा बिरोध स्वरूप पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पास एक दिन का समाजिक कार्यकर्ता के रूप में अनशन होगा।

प्रदेश की जनता समस्त वर्गों में भारी आक्रोश, सरकार नें जब से सत्ता संभाली है तब से आए दिन एक के बाद एक जनविरोधी उत्पीड़नकारी निर्णय लिए जा रहे हैं, जबकि सरकार अपनी फौज फिजूली खर्चे बढ़ा रही है, उसमें कोई कमीं नहीं ला रही है, लेकिन जनता की सुविधाएं खत्म की जा रही हैं, जिसकी आम जनता हकदार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आते व मुख्यमंत्री की शपथ लेते ही सुक्खू सरकार ने पहले काम पूर्व सरकारों के समय से विभिन्न सरकारी विभागों सरकार के उपक्रमों में आउटसोर्स पर सेवाएं दे अपना व परिवार का पेट पाल रहे युवाओं के जॉब अनुबंध एक साल से रिन्यू नवीनीकरण नहीं करके घर बेरोजगार बिठा दिए। सरकार द्वारा खोले कई सरकारी दफ्तर डिवीजन प्रदेश में बंद कर दिए।

महिलाओं को हिमाचल पथ परिवहन निगम में बस किराए में मिल रही आधा किराया माफ सुविधा भी बंद के कागार पर, सरकारी स्कूलों में बच्चों को वर्दी फ्री सुबिधा भी बंद इसके अलावा सरकार ने 300 यूनिट बिजली फ्री देने की गारंटी दी थी, लेकिन पूर्व सरकार द्वारा 125 यूनिट फ्री बिजली आदि कई योजनाएं बंद कर दीं।

हुड़दंगबाजी करने पर पुलिस ने पर्यटकों को थमाया 4500 रुपए का चालान

अनंत ज्ञान, मैक्लोडगंज

पर्यटन नगरी मैक्लोडगंज में बाहरी राज्यों के सैलानियों को हुड़दंगबाजी करना महंगा साबित हुआ है। तेज रफ्तार वाहन के बाहर लटकर सफर करने पर पुलिस ने 4,500 रुपये का चालान थमाया है। दरअसल, बुधवार को हरियाणा नंबर का एक लग्जरी वाहन धर्मशाला से मैक्लोडगंज की तरफ जा रहा था। इस वाहन के सनरूफ पर दो युवक खड़े थे, जबकि तीन लोग वाहन के दाहिनी और बाईं तरफ लटके हुए थे। इस वाहन की रफ्तार भी अधिक थी।

धर्मशाला से मैक्लोडगंज सड़क मार्ग पर कई तीखे मोड़ हैं और सड़क के किनारे झाड़ियां भी हैं। वहीं सैन्य क्षेत्र में कंटीली तारें भी हैं। ऐसे में यहां कोई हादसा हो सकता था।

धर्मशाला के अधिवक्ता अजय ठाकुर ने वाहन के बाहर लटके इन पर्यटकों की हुड़दंगबाजी का वीडियो बना लिया। उन्होंने यह वीडियो अमर उजाला कार्यालय धर्मशाला में भेजा। इसके बाद अमर उजाला ने यह वीडियो पुलिस को व्हाटसऐप से प्रेषित किया।

वीडियो मिलते ही पुलिस हरकत में आई। कांगड़ा पुलिस ने दूरभाष के माध्यम से मैक्लोडगंज पुलिस को सूचना दी। मैक्लोडगंज पहुंचते ही पुलिस ने इस वाहन को अपने कब्जे में लिया और वाहन का 4500 रुपए का चालान काटा। साथ ही भविष्य में इस तरह की हुड़दंगबाजी न करने बारे चेतावनी दी।

क्या कहते हैं एएसपी

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, कांगड़ा हितेश लखनपाल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश शांतिप्रिय राज्य है। यहां पर हुड़दंगबाजी बर्दाश्त नहीं होगी। पर्यटक जिस तेज रफ्तार वाहन से लटकर कर सफर कर रहे थे, उसका 4500 रुपएका चालान काटा गया है। साथ ही भविष्य में इस तरह की गलत न करने की चेतावनी भी दी गई है।

जनविरोधी निर्णय सरकार की उपलब्धियां : डॉ. बिंदल

अनंत ज्ञान, ऊना

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने ऊना में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा यदि कांग्रेस सरकार ताकतवर हुई है तो जनता की सेवा करके दिखाए ना कि जनता के हक छीन कर। कांग्रेस पार्टी ने स्थापना से 18 महीने में प्रदेश को 10 वर्ष पीछे ले जाने का कर्म किया है, हिमाचल में विकास का एक भी कार्य कांग्रेस नहीं कर पाई है। हम बार बार इनके नेताओं से पूछते है पर कांग्रेस के नेता विकास के मुद्दे पर मौन रहते है, कांग्रेस ने केवल मात्र सत्ता सुख भोगने का काम किया है। बिंदल में सरकार पर सवाल उठाया कि क्या यह सरकार मित्रों को लाभ पहुंचने वाली सरकार है? क्या यह कांग्रेस की सरकार मित्रों की और मित्रों की द्वारा है? बिंदल ने कहा कि इस सरकार में केवल बंद बंद बंद का कार्य हुआ है। 1500 से ज्यादा संस्थान बंद, 350 स्कूल बंद, 800 स्कूलों का विलय, 125 यूनिट बिजली बंद, सहारा योजना, हिम केयर बंद। अगर हम स्कीमें गिनना शुरू करे तो बंद होने वाली योजनाओं को बड़ी सूची जनता के समक्ष आ जाएगी।

उन्होंने कहा कि बड़ी बात यह है कि इन सभी जन विरोधी निर्णयों को सरकार अपनी उपलब्धियों में गिना रही है। बिंदल ने सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि इस सरकार ने डीजल पेट्रोल महंगा कर जनता पर बोझ बढ़ाने का काम किया है साल का 25000 करोड़ का बोझ तो केवल पेट्रोल और डीजल के माध्यम से जनता पर बड़ा है। इस कांग्रेस सरकार ने केवल जनता के हितों पर डाका डालने का काम किया है, प्रदेश में लंबे समय से 300 यूनिट फ्री बिजली प्रदान करने का सरकार ने शोर तो बहुत मचाया था पर उसके बाद सरकार ने जयराम ठाकुर द्वारा दिए गए 125 यूनिट भी जनता से छीन लिए।

भाजपा की ऊना में होगी बड़ी बैठक

ऊना। भाजपा का ऊना जिला कार्यालय इन दिनों एक महत्वपूर्ण और बड़े आयोजन की तैयारी में व्यस्त है। 18-19 जुलाई को यहां भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति बैठक आयोजित होने जा रही है। यह बैठक पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिसमें प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए पदाधिकारी और नेता भाग लेंगे।

आधुनिक और डिजिटल युग में सायरन बजाना नहीं है तर्कसंगत : सुमन

शिमला में ऑफिस टाइमिंग पर बजने वाले सायरन के खिलाफ पुलिस में शिकायत

अनंत ज्ञान, शिमला

राजधानी शिमला में रोजाना ऑफिस टाइमिंग के दौरान सुबह व शाम बजने वाले सायरन के खिलाफ पुलिस में शिकायत की गई है। शिकायतकर्ता ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट महिला है। शिकायतकर्ता सुमन कदम ने शहर के दो पुलिस थानों सदर व छोटा शिमला में सायरन बजने से ध्वनि प्रदूषण होने का हवाला देते शिकायत दर्ज करवाई है। इस अजीबोगरीब शिकायत पर छोटा शिमला पुलिस हैरत में पड़ गई है। पुलिस ने सायरन बजाने के अधिकृत सरकारी विभागों से पत्राचार कर इस सम्बंध में जवाब मांगा है।

इस तरह की अनोखी शिकायत पहली मर्तबा आने से शिमला पुलिस सायरन को लेकर कानूनी पहलुओं पर भी विचार कर रही है, क्योंकि यह मामला सीधे तौर पर प्रशासन व सरकार से जुड़ा है। पुलिस को दी शिकायत में ह्यूमन राईट्स एक्टिविस्ट सुमन कदम ने सायरन बजाए जाने की परम्परा पर न केवल सवाल खड़े किए हैं, बल्कि यह भी कहा है कि इसकी तीखी आवाज से शहरवासी परेशान हो रहे हैं और खासकर बुजुर्गों व बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए यह घातक हो सकती है। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने सायरन बजाए जाने को गैर कानूनी ठहराते हुए इसके लिए जिम्मेवार अधिकारियों के खिलाफ़ एफआईआर दर्ज करने की भी मांग कर डाली है।

शिकायतकर्ता ने तर्क दिया है कि आज के तकनीकी युग में ऑफिस टाइमिंग के लिये सायरन बजाना तर्गसंगत नहीं है, क्योंकि सभी के पास मोबाइल व घड़ियां हैं और किसी को भी ऑफिस टाइमिंग की सूचना देने की जरूरत नहीं है। शिकायतकर्ता ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट सुमन कदम ने कहा है कि किसी भी प्रकार की ध्वनि या फिर डीजे आदि बजाने के लिए एक निर्धारित मापदंड सुनिश्चित किए गए है, जिसके तहत सिर्फ संबंधित भवन के भीतर ही निर्धारित की गई ध्वनि की मात्रा में यह बजाय जा सकते है, जबकि इसके बाहर बजाने से सर्वोच्च न्यायालय ने इसे गलत करार दिया है।

तय मानकों से ज्यादा है सायरन की आवाज

सर्वोच्च न्यायालय व हिमाचल सरकार द्वारा किसी भी प्रकार की ध्वनि बजाने के लिए इसकी मात्रा 55 डैसीबल निर्धारित की है, जबकि शिमला शहर के सीटीओ कार्यालय और छोटा शिमला में राज्य सचिवालय के समीप पुलिस थाना के पीछे दीवार पर लगे सायरन की ध्वनि इससे कहीं अधिक है। छोटा शिमला में लगे सायरन की ध्वनि को मापा गया तो यह 89.3 डैसीबल पाई गई, जबकि सीटीओ में लगे भौंपू की ध्वनि की मात्रा 88.30 डैसीबल पाई गई। इस संबंध में ह्यूमन राईट्स एक्टिविस्ट सुमन कदम ने पुलिस थाना छोटा शिमला व सदर पुलिस थाना शिमला में इनकी शिकायत देते हुए हिमाचल प्रदेश इंस्टूमैंटलज (कंट्रोल ऑफ नाईसिज) एक्ट-1969 की धारा-3 के तहत एफआईआर दर्ज करने को लेकर शिकायत पत्र भेजा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस संबंध में जब जिला प्रशासन से इसकी अनुमति के बारे में पूछा गया तो एडीएम कानून व्यवस्था ने साफ कहा है कि इस प्रकार की कोई अनुमति जिला प्रशासन की ओर से नहीं दी गई है। यानी जो सायरन लंबे समय से शिमला में बज रहे है, वह पूरी तरह से गैर कानूनी है।

सक्सेस स्टोरी | प्रदेश पर छाया परागपुर के 23 साल के युवा डांसर का खुमार

सोनू ने महिला डांसर बनकर पाई कामयाबी

शालिनी शर्मा, रक्कड़

कहते हैं कि गरीबी के हालात हर किसी को नचा देते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं, जो मुश्किलों को नचाकर कामयाबी का नया मुकाम हासिल कर लेते हैं। कुछ ऐसा ही कारनामा कर दिखाया है परागपुर के सोनू भारद्वाज ने।

महिला डांसर के गैटअप में जागरण व धाजे में डांस करके सोनू ने लोगों के मन में अलग जगह बना दी ली है। उनका नागिन डांस हर किसी को भा रहा है। फैंस ने उन्हें प्यार से सोनिया नाम दिया है। सोनू ने बताया कि वह परागपुर के शांतला टिक्कर के रहने वाले हैं। पिता ज्ञान चंद के घर जन्मे 23

वर्षीय सोनू भारद्वाज इन दिनों डांस व अपनी मधुर गायकी के दम पर देश भर में अपनी कलाकारी की धमाल मचा रहे हैं। सोनू की खासियत यह है कि वह डांस के अलावा गायकी में भी हाथ आजमा रहा है।

धाजा जागरण व अन्य कई कार्यक्रमों में सोनिया डांसर के नाम से फेमस हो चुके सोनू भारद्वाज की जबरदस्त कलाकारी को देखकर हर कोई सलाम करता नजर आ रहा है सोनू भारद्वाज एक डांसर ही नहीं, बल्कि इसकी गायकी भी बहुत कमाल है। सोनू भारद्वाज मंच पर अपनी सुरीली आवाज में पंजाबी, हिंदी पहाड़ी व अन्य गाने सुनाकर खूब बाहबाही लूट रहे हैं। सोनू भारद्वाज महिला डांसर बन कर जब मंच पर अपनी डांस की प्रस्तुति देता है तो वहां माजूद दर्शक नोटों की बरसात करने से पीछे नहीं हटते। सोनू भारद्वाज की इस दमदार कलाकारी को देखते हुए अब देशभर के लोग अपने कार्यक्रमों में इन्हें बुलाने लगे हैं। सोनू भारद्वाज ने बताया कि आज उन्हें हिमाचल भर में परागपुर की सोनिया डांसर के नाम से जानते हैं। उन्हें अपने करियर को सफल बनाने में माता-पिता का पूरा सहयोग मिला। (अनंत ज्ञान)

न्यूज ब्रीफ

जय बाबा महाकाल क्लब ने किया पौधरोपण

जितेंद्र कौशल, बैजनाथ। जय बाबा महाकाल क्लब द्वारा ठारा के जंगल में औषधीय पौधों का रोपण किया गया। स्वाभिमान पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष रणवीर सिंह वर्मा ने बताया कि पौधरोपण का कार्यक्रम बाबा महाकाल क्लब के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह राणा की अध्यक्षता में तथा वन विभाग के सौजन्य से हुआ। स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय कार्याकारी अध्यक्ष बलदेव राज सूद ने कहा कि जंगलों में औषधीय पौधों का रोपण अच्छी पहल है। इस कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमलों में शहीद हुए सैनिकों की आत्मा की शांति के लिए 2 मिंट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में स्वाभिमान पार्टी पालमपुर उपमंडल अध्यक्ष राजा जगजीत कटोच, बाबा महाकाल क्लब उपाध्यक्ष सचिन सूद, महामंत्री मान चंद कटोच, दिनेश वख्शी, कृष्ण राणा, रविंद्र सिंह, कैप्टन देश राज, लेख राज, प्रताप सिंह, घनश्याम राणा, मुकेश शर्मा, मनीश कुमार, राजेंद्र सिंह राणा, प्रक्षित सपैहिया आदि ने भाग लिया। (अनंत ज्ञान)

धरा को हराभरा बनाने का लें संकल्प : कुलदीप

शिवम शर्मा, देहरा। नाग मंदिर प्रबंधक कुलदीप सिंह गुलेरिया ने एक बुटा बेटी के नाम कार्यक्रम के तहत अपने परिवार सहित 31 औषधीय पौधों का रोपण किया और साथ ही उपरोक्त पौधों की सुरक्षा व संरक्षण की जिम्मेदारी का प्रण लिया। कुलदीप सिंह गुलेरिया ने कहा कि पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधे जरूरी हैं। ये हमें जीवन के लिए ऑक्सीजन, खाने के लिए फल और गर्मी में छांव देते हैं। धरा को हराभरा करने एवं जीवन को बचाने के लिए सबको पौधरोपण का संकल्प लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पौधरोपण सबकी जिम्मेदारी है। सबको अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। (अनंत ज्ञान)

घेड़ में की शनिदेव महाराज की मूर्ति की स्थापना

अजय पाल, पंचरुखी। ब्लॉक पंचरुखी की भुआना पंचायत के गांव घेड़ में शनिदेव की मूर्ति की स्थापना की व भंडारे का अयोजन किया गया। इस मूर्ति की स्थापना संजय कुमार व उनकी पत्नी बच्चनी देवी ने अपनी स्वर्गीय बेटी वेवी की याद में करवाई। एक वर्ष पहले संजय कुमार की 9 वर्षीय बेटी की पानी की बावड़ी में डूब जाने से मृत्यु हो गई थी। बेटी की मृत्यु का एक वर्ष पूर्ण हो जाने पर इन्होंने घर के नजदीक शनिदेव का मंदिर बनाकर पूरे परिवार व रिश्तेदारों के साथ बैजनाथ के महाकाल में शनिदेव की मूर्ति की प्रतिष्ठा करवाकर अपने घर घेड़ में हवन यज्ञ करवाकर मूर्ति स्थापना करवाई। इस मौके पर सैकड़ों लोगों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। (अनंत ज्ञान)

इस साल प्रदेश में बढ़ा मछली उत्पादन

5 जलाशयों में 566.03 टन उत्पादन हुआ, विभाग ने 186.50 लाख रुपए का राजस्व जुटाया

पुनीत शर्मा, धर्मशाला

प्रदेश में मछली उत्पादन में साल 2023-24 में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि साल 2021-22 में मछली उत्पादन सबसे बेहतर पैमाने पर रहा। हिमाचल के पांच जलाशयों के मछली उत्पादन के आंकडों के अनुसार साल 2022-23 में 549.35 टन के मुकाबले 2023-24 में 566.03 टन उत्पादन हुआ है, जो कि सकारात्मक संकेत है। अगर राजस्व की बात करें तो साल 2019-20 में राजस्व के रूप में 141.95 लाख, 2020-21 में 155.9 लाख, 2021-22 में 186.31 लाख, साल 2022-23 में 161.75 लाख तथा 2023-24 में 186.50 लाख रुपए का राजस्व विभाग ने जुटाया।

अगर बात मछली उत्पादन की करें तो साल 2019-20 में प्रदेश के इन 5 बड़े जलाशयों में 580.43, 2020-21 में 605.43 टन, 2021-22 में 601.04 टन, साल 2022-23 में 549.35 टन तथा 2023-24 में 566.03 टन उत्पादन हुआ है। बताते चलें कि साल 2020-21 मछली उत्पादन तथा राजस्व जुटाने में पिछले 5 सालों में अव्वल रहा है तो इसके बाद आई कमी अब इस साल से बढ़ोतरी में बदलने लगी है, जो कि सकारात्मक संकेत है। (अनंत ज्ञान)

गोबिंद सागर और पौंग झील में सबसे ज्यादा उत्पादन

पांच जलाशयों में से मछली का सबसे ज्यादा उत्पादन गोबिंद सागर झील तथा पौंग बांध में होता है। आंकड़ों पर गौर करें तो साल 2019-20 में गोबिंद सागर झील में 237.76, 2020-21 में 314.58 टन, 2021-22 में 269.32 टन, साल 2022-23 में 182.84 टन तथा 2023-24 में 191.22 टन उत्पादन हुआ है। साल 2019-20 में पौंग बांध में 240.27, 2020-21 में 210.92 टन, 2021-22 में 254.60 टन, साल 2022-23 में 313.65 टन तथा 2023-24 में 329.59 टन उत्पादन हुआ है। कोल डैम में साल 2019-20 में 9.22, 2020-21 में 8.24 टन, 2021-22 में 7.88 टन, साल 2022-23 में 6.64 टन तथा 2023-24 में 6.73 टन उत्पादन हुआ है। साल 2019.20 में चमेरा बांध में 2.95, 2020-21 में 3.12 टन, 2021-22 में 2.81 टन, साल 2022-23 में 2.89 टन तथा 2023-24 में 3.02 टन उत्पादन हुआ है। रणजीत सागर झील में साल 2019-20 में 90.23, 2020-21 में 68.57 टन, 2021-22 में 66.42 टन, साल 2022-23 में 43.33 टन तथा 2023-24 में 35.47 टन उत्पादन हुआ है।

क्या कहते हैं मत्स्य विभाग के निदेशक

आंकड़ों की पुष्टि करते हुए मत्स्य विभाग के निदेशक विवेक चंदेल ने बताया कि साल 2020-21 मछली उत्पादन में 5 सालों में अव्वल रहा था। इसके अगले सालों में मछली उत्पादन में आई कमी अब बढ़ोतरी में बदल रही है। उन्होंने बताया कि यह विभाग के प्रयासों का परिणाम है तथा इन प्रयासों को जारी रखते हुए आने वाले सालों में मछली उत्पादन में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

कायाकल्प पुरस्कार के लिए जताया आभार

प्रवीण मिश्रा, लंबागांव। भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कायाकल्प कार्यक्रम के तहत बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं व स्वच्छता के लिए प्राइमरी हेल्थ सेंटर सरिमोलग ने जिले में पीएचसी श्रेणी में पहला स्थान हासिल किया है । कायाकल्प कार्यक्रम के तहत स्वच्छता व बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के तहत अस्पतालों का आकलन किया जाता है जिसके तहत चार श्रेणियां आती हैं। तीसरी श्रेणी में पीएचसी का आकलन किया जाता है। इसी के तहत तीसरी श्रेणी में पीएचसी सरिमोलग ने जिला में पहला स्थान हासिल किया है। जिला हेडक्वार्टर से दूरवर्ती क्षेत्र होने के कारण इस स्वास्थ्य केंद्र को इनाम स्वरूप 2 लाख की राशि मिली है। चिकित्सा अधिकारी उज्जवल ठाकुर ने आयुष खेल एवं कानून मंत्री यादवेंद्र गोमा, सीएमओ कांगड़ा, बीएमओ नगरोटा, प्रधान ग्राम पंचायत मोलग से मार्गदर्शन साथ सहायता करने हेतु आभार व्यक्त किया है। (अनंत ज्ञान)

श्री साई कॉलेज ऑफ एजुकेशन बधानी का बीएड का परिणाम रहा शानदार

अशोक ठाकुर, पठानकोट

श्री साई कॉलेज ऑफ एजुकेशन बधानी (पठानकोट) का बीएड फर्स्ट समेस्टर का परिणाम बहुत शानदार रहा। प्रिंसिपल डॉ. नवदीप सांवल बताया कि दीक्षा रानी ने प्रथम, दीक्षा खजुरिया ने दूसरा, प्रीति बारना और मेघना ने तीसरा स्थान हासिल किया है। श्री साई कॉलेज ऑफ एजुकेशन बधानी पठानकोट कैंपस बीएड के सभी स्टूडेंट्स ने बेहतरीन अंक लेकर कॉलेज के साथ अपने माता-पिता का नाम रोशन किया। इस अबसर पर ग्रुप के चेयरमैन एसके पुंज, एमडी तृप्ता पुंज और सीमडी कंवर तुषार पुंज ने स्टूडेंट्स और प्रिंसिपल तथा स्टाफ को बधाई दी और स्टूडेंट्स के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एमडी तृप्ता पुंज और रिया पुंज ने स्टूडेंट्स के माता -पिता की बधाई दी। इस अवसर पर डॉ. नवदीप सांवल, डॉ. केवल कृष्ण और हेड ऑफ डिपार्टमेंट जसवंत कौर एवं स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। (अनंत ज्ञान)

दीक्षा रानी फर्स्ट और दीक्षा खजुरिया रही सेकंड

चढ़ियार में आज बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

अजय पाल, पंचरुखी। बिजली विभाग के सहायक अभियंता ओम प्रकाश ने बताया कि चढ़ियार के अंतर्गत आने वाले सभी अनुभागों चढ़ियार, सन्साई, सरी, दगोह व भुआणा के अंतर्गत पड़ने वाले गांव मझोटी, दानपत्थर, बाबल, सरी, मोलग, मैला, तरेफर, बजोट, राणानगर, ननबाड़, जानसि, दगोह, टमबर, कपाडा, भुलाना, झमुह, द्रुमका, टमबरू, बरालू, वरोटा, रोपड़ी, धामपानी, भिरडी, बड़कूट, राजनगर, कुडंग, पटेल नगर, सन्साई, मतियाल, छेक, चौरडू, ढंगौर, मुंगल सलेहरा, आशापुरी, लुगट, तिनबड़, मझेडा, डोडनवली, कोसब, अंबोटू, द्रुग व मकोल में 18 जुलाई को सुबह 9 बजे से शाम कार्य समाप्ति तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। (अनंत ज्ञान)

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडेन को राजनीतिक लाभ दिलाएगा तिब्बत कार्ड : मिग्मार

अमेरिका में करीब 10000 तिब्बती वोटर्स, धर्मगुरु भी यूएसए में मौजूद

पुनीत शर्मा, धर्मशाला

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन के तिब्बत को लेकर रुख से विश्व भर के तिब्बती समुदाय में खुशी की लहर है। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों से ऐन पहले जो बाइडेन का तिब्बत कार्ड उनकी जीत में भी सहायक साबित हो सकता है। यहां बताते चलें कि अमेरिका में अनुमानित 10000 तिब्बती लोग रह रहे हैं जिन्हें अमेरिकी नागरिकता मिली हुई है।

ऐसे में जाहिर है कि जो बाइडेन का तिब्बत कार्ड उनको राजनीतिक लाभ दिलवाएगा। इस बारे में मैकलोडगंज स्थित निर्वासित तिब्बत सरकार के सेटलमेंट ऑफिसर कुनचोक मिग्मार ने कहा कि पूरा तिब्बत तथा विश्व भर में रह रहे तिब्बत के लोग अमेरिका द्वारा कानून के रूप में हस्ताक्षरित रिजॉल्व तिब्बत एक्ट से बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका में 10 हजार के लगभग तिब्बती वोटर हैं। वे कहते हैं कि यह नहीं कहा जा सकता कि जो बाइडेन का ये कदम राजनीतिक लाभ के लिए है लेकिन यह कहा जा सकता है कि डेमोक्रेटिक पार्टी के इस कदम के कारण तिब्बती समर्थन उनके साथ रह सकता है। बताते चलें कि अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव से कुछ माह पहले ही वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा रिजॉल्व तिब्बत एक्ट पर हस्ताक्षर करके इस विधेयक को कानून बनाने का बड़ा कदम उठाया गया है।

वहीं, तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा भी इन दिनों अमेरिका में ही हैं। ऐसे में जो बाइडेन का यहे कदम चुनावों में उनको तिब्बती वोट बैंक को अपने पक्ष में करने में पूरी तरह मददगार साबित होगा। जो बाइडेन ने जिस तरह चीनी विरोध को दरकिनार करते हुए इस विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं तथा चीन को तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के साथ बातचीत करके तिब्बत मसले को सुलझाने की बात कही है, उससे विश्व भर के करीब 30 देशों में रहने वाले तिब्बती लोगों में खुशी है। (अनंत ज्ञान)

सिने जगत

वॉर-2 में खुफिया एजेंसी एजेंट के किरदार में कियारा आडवाणी!

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी फिल्म *वॉर-2* में खुफिया एजेंसी के एजेंट का किरदार निभाती नजर आ सकती हैं। 2019 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म वॉर में ऋतिक रौशन और टाइगर श्राफ ने मुख्य भूमिका निभाई थी और साथ ही फैंस इस फिल्म के सेकेंड पार्ट का भी बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं। इसके अलावा *वॉर-2* में ऋतिक रोशन के साथ साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर भी नजर आ सकते हैं। इस फिल्म में कियारा आडवाणी भी नजर आएंगी। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर ने *वॉर-2* के फर्स्ट शेड्यूल की शूटिंग मुंबई में मार्च के महीने से शुरू की थी। दोनों ने मई के महीने में वॉर 2 के फर्स्ट शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली थी। *वॉर 2* के सेकेंड शेड्यूल की शूटिंग हैदराबाद में रामोजी फिल्म सिटी में होगी, जहां एक्शन सीन्स की शूटिंग होगी। इस शूटिंग में ऋतिक और जूनियर एनटीआर के साथ कियारा भी होंगी। कहा जा रहा है कि कियारा आडवाणी *वॉर-2* खुफिया एजेंसी से जुड़े किसी एजेंट की भूमिका निभा सकती हैं। यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी।

अमिताभ बच्चन से नाराज हुए फैंस

सोशल मीडिया पर यह बड़ी गलती बनी बिग बी के गले की फांस

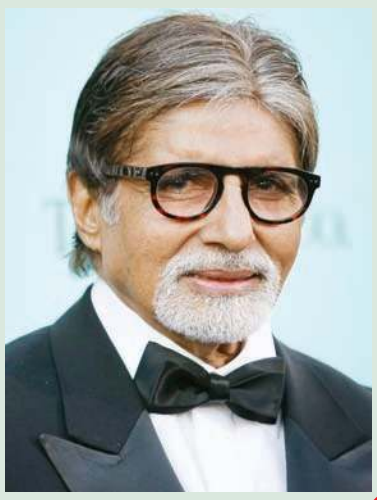

इंटरनेट मीडिया पर हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन से प्रशंसक काफी नाराज हो गए हैं। दरअसल, उन्होंने एक्टर और निर्माता कमाल आर खान (केआरके) के नए गाने को अपने एक्स अकाउंट पर प्रमोट कर दिया। केआरके अक्सर फिल्मी सितारों पर विवादास्पद टिप्पणी करते रहते हैं। ऐसे में बॉलीवुड सितारों से अक्सर उनकी अनबन रहती हैं। अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले स्टार्स में शामिल हैं। फिल्म प्रमोशन से लेकर वायरल न्यूज तक, अभिनेता एक्स और ब्लॉग के जरिए फैंस तक अपनी राय पहुंचाते रहते हैं, लेकिन उनका कमाल राशिद खान का गाना प्रमोट करने की बात फैंस के लिए पचाना मुश्किल हो गया। अमिताभ बच्चन ने अपने एक्स अकाउंट पर केआरके के गाने का पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, टी- सीरीज का गाना मेरे साथिया लांच हुआ, जिसे अंकित तिवारी ने गाया है और डीजे शेजवुड ने संगीतबद्ध किया है। कलाकार केआरके, रक्षिका शर्मा और कीया शर्मा। देखें और आनंद लें। बस फिर क्या था, दूसरों पर तंज कसने वाले केआरके के गाने को यूं प्रमोट करता देख अमिताभ बच्चन के प्रशंसक उनसे नाराज हो गए।

फिल्म किंग में शाहरुख खान से भिड़ते दिखेंगे अभिषेक बच्चन

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन को आखिरी बार घूमर में देखा गया था। मगर अब वह शाहरुख खान के सामने दिखाई देंगे। वह सुहाना खान स्टारर मूवी किंग में नजर आएंगे। खुद एक्टर अमिताभ बच्चन ने कंफर्म किया है। मीडिया रिपोर्ट्स में भी दावा किया गया है। सुजॉय घोष की डायरेक्टेड और सिद्धार्थ आनंद-गौरी खान की प्रोड्यूस्ड फिल्म किंग लंबे समय से चर्चा में है। इसमें शाहरुख खान और उनकी बेटी सुहाना खान साथ में नजर आएंगे। एक्टर जबरदस्त एक्शन सीन्स करते दिखेंगे, जो वास्तविक होंगे। इसके लिए विदेशी स्टंट एक्सपर्ट्स की मदद ली गई है। उनसे ट्रेनिंग भी ली जा रही है। इस मूवी में दो कलाकारों के नाम तो पहले से कंफर्म थे। मगर अब एक और नाम जुड़ गया है। अमिताभ बच्चन ने इस बात की पुष्टि की है कि अब शाहरुख खान और सुहाना खान स्टारर फिल्म किंग में उनके पुत्र और एक्टर अभिषेक बच्चन भी होंगे।

अहान की फिल्म सनकी पर मंडराए संकट के बादल

एक्टर के खर्चे की वजह से निर्माता परेशान

सुनील शेट्टी के बेटे अहान ने साल 2021 में फिल्म तड़प से सिनेमा की दुनिया में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर डब्बा गुल हो गई थी। इस फिल्म के बाद अब वह साजिद नाडियाडवाला के साथ ही दूसरी फिल्म सनकी में काम करने वाले थे लेकिन इस फिल्म पर भी एक्टर की टीम के खर्चों की वजह से मुसीबत आ गई है। फिल्म एक्टर्स पर कई बार निर्माता ये तंज कस चुके हैं कि फिल्मों से ज्यादा खर्चे उनके होते हैं। अनुराग कश्यप से लेकर फराह खान तक, कई लोगों ने पिछले कुछ समय में इस बात के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। अब ऐसा ही कुछ हुआ है सुनील शेट्टी के बेटे अहान की दूसरी फिल्म के साथ, जहां निर्माता घाटे का सौदा देखते हुए उनकी मूवी सनकीको ठंडे बस्ते में डालने की सोच रहे हैं।

तब्बू नहीं निभाना चाहतीं युवा महिला का किरदार

बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू अपनी आगामी फिल्म 'औरों में कहां दम था' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। इस फिल्म में वह अभिनेता अजय देवगन के साथ नजर आएंगी। दोनों को एक बार फिर स्क्रीन पर देखने के लिए दर्शक काफी उत्सुक हैं। उन्होंने हाल ही में उम्र के हिसाब से किरदारों पर बात की है। उन्होंने कहा कि हाल ही में बड़ी उम्र के कलाकारों ने स्क्रीन पर युवा किरदार निभाना शुरू कर दिया। तब्बू ने कहा कि पहले जब उम्र कम होने का कॉन्सेप्ट नहीं था, तब अलग-अलग अभिनेता हीरो का युवा किरदार निभाते थे।

तब्बू ने हाल ही में एक बातचीत में कहा कि वह अभिनेताओं के विपरीत अब स्क्रीन पर एक युवा महिला की भूमिका नहीं निभाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें इस तरह के किरदार ऑफर हुए, तो वो नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि वह अब 30 साल की लड़की भूमिका निभाने के लिए तैयार होंगी। अभिनेत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि उनके पास अपनी उम्र को स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

'औरों में कहां दम था' में ऐसे ही प्रेमियों की कहानी दिखाई गई है, जो 23 साल बाद फिर से मिलते हैं। फिल्म में तब्बू और अजय देवगन के यंग वर्जन को दूसरे स्टार्स ने निभाया है। फिल्म में यंग किरदार में इन दोनों सितारों की जगह शांतनु माहेश्वरी और सई एम मांजरेकर नजर आएंगे। तब्बू को जब फिल्म में इस कास्टिंग चॉइस के बारे में पता चला, तो उन्हें राहत मिली। तब्बू का मानना है कि कई बार कम उम्र की भूमिका निभाना दिखावटी लग सकता है, खासकर तब जब दर्शकों को उनकी वास्तविक उम्र का पता हो। तब्बू ने आगे कहा कि दर्शकों ने देखा है कि वे कलाकार अब कैसे दिखते हैं। हालांकि, युवा भूमिकाएं निभाने वाले बड़े अभिनेताओं के किरदार फिल्म और उसके कॉन्सेप्ट पर निर्भर करती है। कई बार ये काफी अच्छा काम कर सकता है। मगर 'औरों में कहां दम था' के लिए उन्हें इसकी आवश्यकता नहीं थी। नीरज पांडे के निर्देशन में बनी ये फिल्म 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

न्यूज ब्रीफ

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण का लिया संकल्प

जवाली, अनिल छांगू। जय मां जालपा प्रेस क्लब जवाली की बैठक विश्रामगृह जवाली में क्लब के अध्यक्ष मनजीत कौंडल की अध्यक्षता में हुई, जिसमें पत्रकारों को पेश आ रही समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया। मनजीत कौंडल ने कहा कि सभी पत्रकारों को एकजुट होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज को दबाने का प्रयास कर रहे हैं, जिसके खिलाफ हमें एकजुट होना है। समस्त पत्रकारों ने एकजुट होकर पर्यावरण संरक्षण के लिए 101 पौधरोपण करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को वर्ष में एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रेस क्लब भवन निर्माण हेतु भी विचार किया गया। इस मौके पर प्रेस क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील दत्त, कानूनी सलाहकार ललित शर्मा, प्रेस सचिव डॉ एनके शर्मा, कोषाध्यक्ष राम प्रकाश वत्स, सदस्य संजू, राजेश कौंडल, राजेश कतनोरिया, अनिल छांगू इत्यादि मौजूद रहे। (अनंत ज्ञान)

दो व्यक्तियों से 104 ग्राम अफीम बरामद

अजय पाल, पंचरुखी। दौरान दो व्यक्तियों से 104 ग्राम अफीम बरामद की है। पुलिस ने दी जानकारी के अनुसार पंचरुखी पुलिस टीम ने पेट्रोलिंग के दौरान दियोग्रां के पास नाका लगाया था। नाके में दो व्यक्तियों की तलाशी ली तो सूरज निवासी रजोल तहसील शाहपुर जिला कांगड़ा व अजय निवासी नन्दियाकलां डाकघर बावड़ी तहसील ओसिया जिला जोधपुर राजस्थान जो रजोल तहसील शाहपुर जिला कांगड़ा में रहता है दोनों से 104 ग्राम अफीम बरामद की गई। दोनों व्यक्तियों के खिलाफ धारा 18 व 29 स्वापक औषधी एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत मामला पंजीकृत कर लिया है। (अनंत ज्ञान)

सड़क हादसे में मोटरसाइकिल चालक घायल

जितेंद्र कौशल, बैजनाथ। पुलिस थाना बैजनाथ के अंतर्गत सेहल चौक के पास मोटरसाइकिल चालक रिषभ निवासी लापरवाही व तेज रफ्तारी से जाते हुए सड़क से नीचे जा गिरा। हादसे में वह घायल हो गया। इस संदर्भ में पुलिस थाना बैजनाथ में भारतीय न्याय संहिता धारा 281,125 में दर्ज किया गया है। (अनंत ज्ञान)

संजय भारद्वाज के पास छह एयरपोर्ट का कार्यभार

आशीष दमीर, कांगड़ा। गगल (कांगड़ा) एयरपोर्ट में सहायक महाप्रबंधक (अभियांत्रिकी-विद्युत) के पर तैनान संजय भारद्वाज की तैनाती पदोन्नति के बाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अमृतसर में हुई है। संजय भारद्वाज ने 11 जुलाई को हवाई अड्डा अमृतसर में बतौर उपमहाप्रबंधक (अभियांत्रिकी-विद्युत) का पदभार ग्रहण कर लिया है। संजय कुमार भारद्वाज अमृतसर हवाई अड्डे के साथ-साथ पांच और हवाई अड्डों का भी कार्यभार देखेंगे, जिनमें पठानकोट, आदमपुर (जालंधर), लुधियाना, बठिंडा और कांगड़ा हवाई अड्डा शामिल हैं। (अनंत ज्ञान)

धर्मशाला के पिंगल नाला के पास घर पर गिरा पेड़

पुनीत शर्मा, धर्मशाला। धर्मशाला के पिंगल नाला के पास एक पेड़ घर पर जा गिरा। गनीमत यह रही कि सड़क के समीप इस पेड़ के गिरने से कोई सड़क से गुजरते वाहन या राहगीर इसकी चपेट में नहीं आया। हालांकि इससे घर को आंशिक नुकसान हुआ है। (अनंत ज्ञान)

जनता का सेवक बनकर कार्य करूंगा : डॉ. राजीव भारद्वाज

सांसद ने जवाली में अभिनंदन समारोह में वोट देने के लिए जनता का जताया आभार

जवाली, अनिल छांगू

'मुझे कांगड़ा-चंबा लोकसभा क्षेत्र की जनता में अपना वोटरूपी आशीर्वाद देकर सांसद बनाया है तो मैं भी जनता का सेवक बनकर कार्य करूंगा।' यह बात कांगड़ा-चंबा के सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने जवाली में आयोजित अभिनंदन समारोह में कही।

डॉ. राजीव भारद्वाज ने कहा कि यह जीत मेरी या भाजपा की नहीं, अपितु कार्यकर्ताओं व मतदाताओं की जीत है। जनता ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरने के लिए वचनबद्ध रहूंगा। उन्होंने कहा कि हर वोटर के घर जाकर धन्यवाद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोई भी कार्यकर्ता या व्यक्ति मुझसे जब मर्जी मिल सकता है। हर किसी के लिए मेरे घर के दरवाजे 24 घंटे खुले रहेंगे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष रमेश राणा, मंडलाध्यक्ष धीरज अत्री, महामंत्री डॉ.राजिंदर सिंह, सचिव सुलक्षण शर्मा कौल, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र गुलेरिया, भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला महामंत्री दिनेश निखिल, एडवोकेट तिलक रपोतरा, नीतू कुमारी, तरसेम चौधरी, सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। (अनंत ज्ञान)

सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज का स्वागत करते कार्यकर्ता।

सांसद ने ये बताईं अपनी प्राथमिकताएं

नवनिर्वाचित सांसद ने कहा कि पठानकोट-जोगिंद्रनगर रेलमार्ग पर रेलगाड़ियों की बहाली करवाना, पौंग झील को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करवाना प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि पठानकोट-जोगिंद्रनगर रेलमार्ग को ब्रॉडगेज करवाने के लिए भी योजना बनाई जाएगी। इससे पहले जवाली पहुंचने पर भाजपा मंडल जवाली के कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेता संजय गुलेरिया के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया। संजय गुलेरिया ने हार पहनाकर उनका स्वागत किया।

पौने एक करोड़ की ठगी मामले में अब तक 30 लाख की रिकवरी

पुनीत शर्मा, धर्मशाला

पौने एक करोड़ की ठगी के मामले के आरोपी से पुलिस अब तक करीब 30 लाख की रिकवरी कर चुकी है। इसमें पुणे में गिरफ्तारी के दौरान 25 लाख नकद तथा लाखों के मोबाइल शामिल हैं। अब कोर्ट ने तीनों आरोपियों को 14 दिन के ज्यूडिशियल रिमांड पर भेज दिया है। मुख्य आरोपी ने कई युवकों को दुबई ट्रीप के नाम पर चूना लगाया था। उसने फ्लाइट बुकिंग, स्काई डाइविंग तथा होटल बुकिंग

कॉल डिटेल के सहारे पुलिस ने किए काबू

के नाम पर कुल 20 युवकों के इच्छुक ग्रुप से 45 लाख रुपए एंठे। युवक मैक्लोडगंज, दिल्ली तथा धर्मशाला से थे। वहीं, एक व्यक्ति को दुबई में वहां की करंसी में 60000 दिरहम में एक साल के लिए फ्लैट दिलवाने के नाम पर तथा वहां पार्टिशन कर हर माह करीब डेढ़ लाख रुपए किराया आने का झांसा दिया तथा पांच लाख रुपए एंठ लिए।

जांच को दिशा तब मिली जब पुलिस के हाथ दिल्ली के एक जियो सिम रिटेलर का यह नंबर लगा। उसने बताया कि हाल ही में दो सिम बिकी हैं तथा एक सिम को खरीदने वाले का नाम शिवांकुर है। इसके बाद जियो टावर की लोकेशन महाराष्ट्र के अंबोली तथा पुणे की आई। गोवा तथा पुणे के बॉर्डर अंबोली में तलाश करने के बावजूद भी आरोपी पुलिस के हत्थे नहीं लगा। इसके बाद अगले दिन मुख्य आरोपी की लॉकेशन फिर से पुणे के पास की आई तथा इसके बाद मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिस इलाके के होटल में शिवांकुर रुका था, उस एरिया में करीब आधा दर्जन होटल थे। आरोपी के दूसरी जगह फरार होने की आशंका के चलते पुलिस टीम ने सुबह 8 बजे से ही इन होटलों में स्थानीय पुलिस के साथ दबिश देना शुरू कर दिया। इस दौरान आरोपी तथा उसका पिता पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

पुलिस टीम में मैक्लोडगंज थाना के एसएचओ यादेश ठाकुर के अलावा कई बड़े मामले सुलझा चुके धर्मशाला थाना के एएसआई विजय ठाकुर मुख्य रूप से शामिल थ। उधर, इस बारे में धर्मशाला स्थित एएसपी कांगड़ा वीर बहादुर ने ज्यूडिशियल रिमांड की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच जारी है। (अनंत ज्ञान)

अनंत ज्ञान फॉलोअप

इसकी टोपी उसके सिर

शिवांकुर इतना शातिर था कि उसने 20 लोगों के ग्रुप से करीब 45 लाख रुपए लेने के बाद फ्लैट मामले में ठगे व्यक्ति को डेढ़ लाख रुपए भी एक माह का किराया होने की बात कहकर थमा दिए, ताकि और लोगों को भी अपने जाल में फंसा सके।

ऐसे पकड़ में आए आरोपी

आरोपियों को पकड़ना पुलिस के लिए आसान नहीं था। आरोपी ने दिल्ली, पणजी तथा पुणे में लाखों के 3 मोबाइल भी खरीदे। आरोपी इतना शातिर था कि उसने अपने मोबाइल नंबर भी स्विच ऑफ कर रखे थे। आरंभिक जांच के दौरान जब आरोपी के जीजा के होल्या स्थित घर में पुलिस ने दबिश दी तो पता चला कि वह गोवा में है तथा जब शिवांकुर के जीजा के परिजनों ने फोन करके घर में पुलिस आने की बात बताई तो उसके बाद से उसने अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया। इसी जानकारी के आधार पर पुलिस टीम गोवा जा पहुंची। इसके बाद उसी नंबर की लॉकेशन अगली सुबह पालमपुर की आई, जिससे पुलिस को पता चला कि मुख्य आरोपी का जीजा पालमपुर लौट आया है। गहन जांच के दौरान कॉल डिटेल में पुलिस को एक नया नंबर मिला।

बुजुर्ग महिला के साथ दुर्व्यवहार करने पर चार आरोपी गिरफ्तार

बुजुर्ग महिला के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में पुलिस की ओर से पकड़े गए आरोपी

अशोक ठाकुर, पठानकोट

पठानकोट जिले की थाना धार कलां पुलिस ने एक बुजुर्ग महिला से दुर्व्यवहार और धक्का मुक्की करते हुए उसे धमकाने के आरोप में 4 लोगों पर मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पीड़िता को धमकी भी दी थी। जिसके बाद पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले के संबंध में जानकारी देते हुए थाना प्रभारी इंस्पेक्टर गुलशन कुमार शर्मा ने बताया कि पुलिस को दिए अपने लिखित बयानों में शोभा देवी पत्नी कमलजीत सिंह निवासी हरदोसरन (धार कलां) ने बताया है कि गांव का मौजूदा पंच सोनू दीन पुत्र नेक मोहम्मद, सावर दीन उर्फ बल्लू दीन पुत्र गनी दीन, मुस्ताक मस्तक मोहम्मद पुत्र शाह दीन, लभु दीन पुत्र शाह दीन ने उनके साथ दुर्व्यवहार और, धक्का मुक्की करते हुए उन्हें धमकियां भी दीं। पुलिस ने उक्त शिकायतकर्ता महिला की शिकायत पर उक्त चारों आरोपियों को गिरफ्तार करके उनके विरुद्ध भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 126/170 के तहत केस दर्ज कर लिया है तथा आगामी कार्रवाई को अमल में लाया जा रहा है। (अनंत ज्ञान)

बाइक स्किड होने से 42 वर्षीय व्यक्ति की मौत

पूजन भंडारी, नगरोटा बगवां। नगरोटा बगवां में राष्ट्रीय उच्च मार्ग-154 पर बुधवार सुबह संजीव कुमार 42 साल पुत्र मिलाप चांद निवासी मोरला पालमपुर की मोटरसाइकिल स्किड होने से मौत हो गई। नगरोटा बगवां पुलिस थाना के एएसआई नरेश कुमार ने बताया कि मृतक का टांडा में पोस्टमार्टम करवाने के बाद उसका शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। (अनंत ज्ञान)

सलागड़ी पटवार घर के पास जुआ खेलते 5 काबू

अनंत ज्ञान, गगल। पुलिस थाना गगल के अंतर्गत जुआ खेलने का मामला सामने आया है। सलागड़ी पटवार घर के पास ओम प्रकाश, मुल्ख राज, केवल कृष्ण, प्रितम चंद सभी निवासी इच्छी तथा मदन लाल निवासी कंदरेहड़ ड़ाकघर चैतड़ू के पास से जुआ खेलते समय 2700 रुपये व 52 ताश के पत्ते बरामद किए। इस संदर्भ में जुआ अधिनियम के अन्तर्गत पुलिस थाना में पंजीकृत किया गया है। एसएचओ गगल नारायण सिंह ने मामले की पुष्टि की है।

दो दिन से लापता व्यक्ति का शव नाले में मिला

पुनीत शर्मा, धर्मशाला। पुलिस थाना धर्मशाला की योल चौकी के तहत एक प्रवासी व्यक्ति की मौत का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार मृतक पिछले दो दिनों से गायब था तथा परिजनों ने अपने स्तर पर तलाश के बाद उसकी पत्नी ने मंगलवार को उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस थाना धर्मशाला में दर्ज करवाई थी! वहीं बुधवार सुबह चतेड़ नाले से उसका शव बरामद हुआ।

मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के 26 वर्षीय मान सिंह के रूप में हुई है। आशंका जताई जा रही है कि मृतक ने पेड़ से फंदा लगाया था तथा बाद में रस्सा टूट जाने के कारण शव नीचे जा गिरा। पुलिस टीम ने शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है कि मौत की असल वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगी। उधर, धर्मशाला स्थित एएसपी कांगड़ा वीर बहादुर ने मामले की पुष्टि की है। (अनंत ज्ञान)

जयसिंहपुर कॉलेज में डिजिटल साक्षरता शिविर का आयोजन

मोबाइल फोन से बैंक से संबंधित जानकारी शेयर न करें: एसडीएम

प्रवीण मिश्रा, लंबागांव

राजकीय कंवर दुर्गा चंद मेमोरियल महाविद्यालय जयसिंहपुर में बुधवार को प्रशासन द्वारा एक दिवसीय उपमंडल स्तरीय डिजिटल साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपमंडल अधिकारी संजीव ठाकुर ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की, जबकि तहसीलदार अभिषेक भास्कर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शिविर में ब्लॉक लंबागांव के पंचायत प्रधान, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर, कॉलेज स्टाफ व कॉलेज के विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर एसडीएम ने कहा कि आज हम डिजिटल युग में जी रहे हैं। हम अपने दैनिक जीवन में छोटे से लेकर बड़ा काम डिजिटल तकनीक से कर रहे हैं। इस के लिए अधिकतर लोग अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसलिए लोगों को इसके प्रति सजग होने की भी जरूरत है। डिजिटल टेक्नोलॉजी ने जहां हमारा हर काम आसान कर दिया है तो वहीं इसके खतरे से भी हम अछूते नहीं हैं। प्रतिदिन लोग जागरूकता के अभाव में साइबर ठगी का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोबाइल फोन पर बिना किसी प्रमाण के अपनी कोई भी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए खासकर बैंक से संबंधित।

वहीं, तहसीलदार अभिषेक भास्कर ने लोगों को राजस्व विभाग से सम्बन्धित कार्यों की डिजिटल प्रणाली से अवगत करवाया कि किस प्रकार आप डिजिटल तकनीक से घर बैठे अपने सभी प्रकार के दस्तावेज, भूमि के पर्चे, ततिमा प्राप्त कर सकते हैं। आईटी प्रवक्ता अमन टांक ने दैनिक जीवन में हम किस प्रकार सायबर ठगी का शिकार होते हैं और इस से किस प्रकार बचना चाहिए के ऊपर विस्तृत जानकारी मौजूदा लोगों को मुहैया करवाई। उन्होंने फिशिंग धोखाधड़ी, ऑनलाइन खरीददारी धोखाधड़ी, झूठी टेक सपोर्ट धोखाधड़ी, रोमांस धोखाधड़ी निवेश धोखाधड़ी, लॉटरी धोखाधड़ी, नौकरी धोखाधड़ी, पहचान चोरी, चैरिटी धोखाधड़ी के बारे में विस्तृत रूप से बताया। इस अवसर पर प्रोफेसर विकास क्लोत्रा ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर कॉलेज के प्रधानाचार्य उपेंद्र शर्मा, प्रोफेसर रविंद्र जग्गी सहित कॉलेज के स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहे। (अनंत ज्ञान)

नशे में टल्ली दिखे तो समझो बीपीएल सूची से नाम कटा

सालबिया शर्मा, गरली

ग्राम पंचायत दयाल नैहरनपुखर में अगर आप बीपीएल सूची में है तो यह खबर खास आपके लिए है। जी हां आपके परिवार का कोई भी सदस्य शराब या अन्य नशे में टल्ली होकर कहीं सड़क पर घूमता हुआ पकड़ा गया तो समझो आपको बीपीएल सूची से बाहर निकाल दिया जाएगा। ग्राम पंचायत दयाल नैहरनपुखर में नशे के खिलाफ छेड़े अभियान पर महिला प्रधान ममता देवी ने इस बारे सख्त फरमान जारी किए हैं। पंचायत के इस निर्णय पर स्थानीय लोगों से अपनी सहमति जताते हुए शपथ ली है। यह निर्णय उन लोगों को सबक सिखाने के लिए लिया गया है, जो रोजाना शराब के नशे में धुत्त रहते हैं और बीपीएल की सूची में शामिल होने के लिए गरीब बने हुए हैं। प्रधान ममता देवी और उपप्रधान अजय कुमार ने बताया कि जो लोग रोजाना 200-300 रुपए की शराब पी जाते हैं, वे गरीब नहीं हैं, बल्कि गरीबी का ढोंग करके बीपीएल के फायदे उठा रहे हैं। पंचायत प्रधान ममता देवी ने चेतावनी दी है कि आज के अगर कोई बीपीएल परिवार का संदस्य नशे की हालत में पाया जाता है तो उसका नाम तुरंत बीपीएल सूची से काट दिया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

दयाल नैहरनपुखर की प्रधान ममता देवी ने जारी किया सख्त फरमान

नगर पंचायत बैजनाथ-पपरोला एक बार फिर सुर्खियों में

बैजनाथ-पपरोला नगर पंचायत के अध्यक्ष उपाध्यक्ष के चुनाव को हाईकोर्ट में चुनौती

जितेंद्र कौशल, बैजनाथ

नगर पंचायत बैजनाथ पपरोला में एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। अब घमासान के आसार नजर आने लगे हैं। सूचना मिली है कि नगर पंचायत की पूर्व अध्यक्ष कांता देवी ने उच्च न्यायालय में हाल ही में हुए अध्यक्ष उपाध्यक्ष के विरुद्ध याचिका दायर कर दी है। गौर हो कि नगर पंचायत के कुल 11 पार्षदों में से 6 पार्षदों ने उस समय की अध्यक्ष कांता देवी उपाध्यक्ष वेदना कुमारी के विरुद्ध जिलाधीश कांगडा के पास अविश्वास प्रस्ताव दाखिल किया था। उनके आदेशों के चलते 10 जुलाई को नगर पंचायत के अध्यक्ष उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुए। जिसमें बैजनाथ के विधायक किशोरी लाल ने भी अपने मत का प्रयोग किया था। बाद में अध्यक्ष पद की उम्मीदवार कांता देवी ब आशा देवी उपाध्यक्ष पद की उम्मीदवार बेदना कुमारी ब राजन कुमार को 6-6 मत मिले और मुकाबला टाई हो गया। बाद में पर्ची के माध्यम से आशा देवी अध्यक्ष और राजन कुमार उपाध्यक्ष चुने गए।

अभी चुने गए नए अध्यक्ष-उपाध्यक्ष शपथ ग्रहण भी नहीं कि पूर्व अध्यक्ष कांता देवी उच्च न्यायालय के दर पहुंच गई। कांता देवी के उच्च न्यायालय का दरवाजा खटकाने के बाद उच्च न्यायालय इस चुनाव को लेकर कुछ कदम उठाता है तो एक बार दोबारा नगर पंचायत बैजनाथ पपरोला में बिकास कार्यों पर विराम लग जाएगा। गौर हो की अब नगर पंचायत का कार्यकाल मात्र डेढ़ साल ही बचा है।

उधर पूर्व अध्यक्ष कांता देवी का कहना है कि उन्होंने नगर पंचायत अध्यक्ष उपाध्यक्ष के हुए चुनाव के विरुद्ध याचिका दाखिल की है। मामला माननीय उच्च न्यायालय के विचाराधीन है। वहीं, इस बारे एसडीएम देवी सिंह ठाकुर का कहना है कि उन्हें भी जानकारी मिली हैं की हाल ही में हुए नगर पंचायत अध्यक्ष उपाध्यक्ष के विरुद्ध पूर्व अध्यक्ष द्वारा मामला उच्च न्यायालय में पहुंच चुका है जो की विचाराधीन है। (अनंत ज्ञान)

नाग मंदिर करियाड़ा में 60 दिवसीय सावन भादों मेले शुरू

सालबिया शर्मा, गरली। गांव करियाड़ा का सुप्रसिद्ध प्राचीन ऐतिहासिक नाग मंदिर में सावन महीना शुरू होते ही 60 दिवसीय सावन भादों मेले का आगाज हो गया है। सावन महीने के दूसरे दिन 17 जुलाई को यहां हिमाचल और पड़ोसी राज्यों से पहुंचे श्रद्धालुओं की काफी रौनक देखी गई। इस दौरान सुबह करीब पांच बजे से ही प्राकृतिक शिवलिंग के दर्शन करके दुध-लस्सी का जलाभिषेक किया और भक्तों के बम बम भोले के जयकारों से समूचा क्षेत्र गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने नाग मंदिर में दर्शन किए और मन्नतें मांगीं। बता दें कि सच्ची श्रद्ा से मन्नत मांगने वाला कोई भी श्रद्धालु यहां से कभी खाली हाथ नहीं लौटा है। निसंतान दंपती के लिए यह मंदिर किसी वरदान से कम नहीं है। (अनंत ज्ञान)

कर्मचारियों पर दर्ज मामले हों निरस्त

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। भारतीय मजदूर संघ ने प्रदेशाध्यक्ष मदन राणा की अगुवाई में मंगलवार को रामलीला मैदान से लेकर एसडीएम कार्यालय फतेहपुर तक रैली निकालकर एसडीएम फतेहपुर विश्रुत भारती के माध्यम से सरकार को अपनी विभिन्न मांगों को पूरी करने के लिए ज्ञापन सौंपा गया। उन्होंने मुख्यमंत्री से पूर्व सरकार में कर्मचारियों पर दर्ज किए मामलों को निरस्त करने और सभी कर्मचारियों को सुरक्षा प्रदान कर रिटायरमेंट के बाद पेंशन की व्यवस्था का प्रबंध करने की मांग की है।

रेनबो स्कूल में एनसीसी के वार्षिक शिविर का आगाज

रेनबो इंटरनेशनल स्कूल में दस दिवसीय में भाग लेते एनसीसी कैडेट्स।

पूजन भंडारी, नगरोटा बगवां

रेनबो इंटरनेशनल स्कूल नगरोटा बगवां में 15 जुलाई से 24 जुलाई तक चलने वाले दस दिवसीय एनसीसी के प्रथम सीएटीसी 195 कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इसमें लगभग 450 कैडेट्स भाग ले रहे हैं। इस कैंप की अध्यक्षता 5 सीओवाई एनसीसी धर्मशाला के कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल मुनीश मोदी द्वारा की जाएगी। इस कैंप के दौरान 5 सीओवाई एनसीसी धर्मशाला की पूरी टीम सीनियर जेसीओ किरण तथा जेसीओ सुरेश सहित इस कैंप को सफल बनाने में सक्रिय रहेगी। इसमें कैडेट्स को विभिन्न गतिविधियों से अवगत करवाया जाएगा जैसे कि ड्रिल ट्रेनिंग, वेपन ट्रेनिंग, फायरिंग तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि। इसके ससाथ कैडेट्स के लिए थ्यूरी कक्षाएं भी चलाई जाएंगी, जिनका कार्यभार विशेष रूप से एनसीसी ऑफिसर्स लेफ्टिनेंट सुमित पठानिया, एसओ मनोज कुमार डोगरा, एसओ परमजीत सिंह तथा जीसीए अदिति पटियाल पर रहेगा। इस कैंप में कैडेट्स को उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए समय-समय पर बहुत सारे गेस्ट लेक्चरर भी करवाए जाएंगे। इस कैंप को रेनबो स्कूल में चलाने के लिए कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल मुनीश मोदी ने स्कूल के प्रधानाचार्य डॉक्टर छवि कश्यप का धन्यवाद किया है। (अनंत ज्ञान)

कांगड़ा शहर और आसपास बेसहारा पशुओं से लोग परेशान

आशीष दमीर, कांगड़ा

कांगड़ा शहर में बेसहारा पशुओं की बढ़ती संख्या से लोग हुए परेशान। इन आवारा पशुओं को राष्ट्रीय राजमार्ग मटौर, गगल, कांगड़ा, कछियारी, खोली, 53 मील, आदी स्थानों पर भी भरी संख्या में देखा जा सकता है, जिस कारण आए दिन कई हादसों के होने के समाचार मिलते रहते हैं। इतना ही नहीं इन हादसों में कई लोग अपनी जिंदगी गवां चुके हैं।

इस बारे में जब लोगों से बात की गई तो उनका कहना है कि आए दिन इन बेसहारा पशुओं की बढ़ती संख्या को देख ऐसा लगता है की इनको कहीं बाहरी राज्यों से गाड़ियों में लादकर इन क्षेत्रों में छोड़ा जा रहा है, जिस कारण इन इलाकों में कई दुर्घटनाएं घट चुकी हैं। सुभाष, रत्न चंद, विद्या देवी, कर्ण, अजीत कुमार, डिंपी देवी, सूरज, पप्पू इत्यादि का कहना है कि प्रशासन को चाहिए कि इनको पकड़कर जल्द क्षेत्र से कन्हीं दूर बाहर छोड़ दिया जाए। उनका कहना है कि इनमें से अधिकतर बेसहारा पशु लोगों को मारने के लिए दौड़ते हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या का जल्द हल किया जाए अन्यथा इसके परिणाम और भी गंभीर हो सकते हैं। (अनंत ज्ञान)

कांगड़ा शहर में घूमता हुआ बेसहारा पशुओं का एक झुंड।

स्वच्छता बीड़ होटल एसोसिएशन के स्वयंसेवियों ने चलाया सफाई अभियान

पैराग्लाइडिंग लैंडिंग साइट बीड़ से हटाया कचरा

जितेंद्र कौशल, बैजनाथ

बीड़ होटल एसोसिएशन यानी भाषा के वॉलंटियर ग्रुप और भाषा की टीम द्वारा बुधवार को लैंडिंग साइट पर पैराग्लाइडिंग सीजन क्लोज होने के बाद क्लीन अप किया गया। इसमें दो क्विंटल के करीब कचरा उठाया गया। इस बारे में जानकारी देते हुए संस्था के अध्यक्ष सतीश अबरोल ने बताया कि वैसे तो हमारा काम लगातार साल भर चलता है, जिसमें हर मंगलवार को छुट्टी होती है, लेकिन इसके अलावा बीच-बीच में हम लोग क्लीनअप करते रहते हैं। कुछ समय के लिए हमारे स्वच्छता मित्र प्रतिदिन भी क्लीनअप का कार्य करते थे लेकिन गीले कचरे की मशीन शुरू होने के कारण हमारी टीम वहां व्यस्त हो गई और प्रतिदिन क्लीनअप का कार्य पैसों की कमी के चलते हमें बंद करना पड़ा।

बीड़ बिलिंग क्षेत्र में सभी होटल रेस्टोरेंट व्यवसायियों के सहयोग से चल रहा स्वच्छता का कार्यक्रम काफी हद तक सफल रहा है और अभी तक हम लगभग 2000 टन गीला कचरा और 2000 टन से अधिक सूखे कचरे का निष्पादन कर चुके हैं। हमें खुशी है कि हम यहां अधिक से अधिक चीजों को रीसाइकलिंग के लिए भेज पाते हैं जबकि गीले कचरे से खाद बनाई जा रही है, जिसकी गुणवत्ता बहुत ही बढ़िया है। बीड़ होटल एसोसिएशन के वॉलंटियर ग्रुप द्वारा किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा गीले कचरे की मशीनों के लिए शेड बनाना और उसका बिजली का बिल प्रशासन द्वारा वहन किया जा रहा है। बावजूद इसके धन की काफी कमी रहती है। भाषा की टीम ने यहां आने वालों से आह्वान किया है कि वह कचरे को डस्टबिन में डालें या एक किनारे पर रखें लैंडिंग साइट के बीच में न फैलाएं साथ ही प्रशासन से मांग की है कि यहां पर शाम को शराब पीने वालों पर भी पाबंदी लगाई जाए। संस्था के सचिव बलवंत ठाकुर सुपरवाइजर देशराज हमारे वॉलंटियर भुवनेश कटवाल, रोहित, अमित के अलावा भाषा की पूरी टीम ने इस क्लीनअप में सहयोग किया। (अनंत ज्ञान)

कूड़े-कचरे को बोरियों में भरकर रखते बीड़ होटल एसोसिएशन के वॉलंटियर।

न्यूज ब्रीफ

भूंपल में आज बिजली बाधित रहेगी

अनंत ज्ञान, नादौन। एनएचएआई द्वारा बिजली की फीडर लाइन की शिफ्टिंग 17 जुलाई को की जा रही है। जिसके चलते विद्युत उपमंडल नादौन के सब स्टेशन गगाल के अंर्तगत आने वाली 11 केबी फीडर लाइन भूंपल बंद रहेगी। यह जानकारी देते हुए बिजली विभाग के एसडीओ अक्षय कुमार ने यहां जारी प्रैस ब्यान में बताया कि फीडर लाइन की शिफिटिंग के चलते 17 जुलाई को प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे तक गगाल, भूंपल, लाहड़ कोटलू, पंचवटी, जलाड़ी, भड्डा, मण, तरेटी, साई पुखर, बटरान, बदेड़ा, फतेहपुर और इसके आस पास के क्षेत्रों की बिजली बाधित रहेगी। उन्होंने बिजली उपभोक्ताओं से सहयोग दिए जाने का आग्रह किया है।

दरकोटी के पास ट्रक खराब, नेशनल हाईवे बंद

संजीव चौहान टौणीदेवी। टौणी देवी हमीरपुर नेशनल हाइवे-3 ठाणा दरोगण (नजदीक दरकोटी मोड़) चढ़ाई पर एक ट्रक के खराब होने से बंद है, जिससे दोनों तरफ वाहनों की कतारें लग गई हैं, मगर इसे अभी तक हटाया नहीं गया गई, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि चढ़ाई पर ट्रक का डीजल खत्म हो गया जिससे बीच सड़क पर वह बंद हो गया। (अनंत ज्ञान)

धर्म शांति पर मनू के परिजनों को बंधाया ढांढस

एसके ठाकुर, बिझड़ी। विधायक इंद्रदत्त लखनपाल के निजी सचिव मनू डोगरा उर्फ मनोज कुमार की आकस्मात मृत्यु हो गई थी। बुधवार को उनके पैतृक गांव भुटलाड़ में धर्म शांति का आयोजन किया गया, जहां हजारों लोग पहुंचे। बता दें कि पिछले 12 साल से मनू विधायक इंद्रदत्त लखनपाल के निजी सचिव के रूप में कार्यरत थे। विधायक लखनपाल भी भुटलाड़ गांव पहुंचे और मनू के पिता गुलजारी लाल व परिवार का हौसला बढ़ाया व हरसंभव मदद करने का भी आश्वासन दिया। मनू के जाने के बाद परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूटा है। (अनंत ज्ञान)

केएस चंद्रानी दूसरी बार बने सीडब्ल्यूए के अध्यक्ष

एसके ठाकुर, बिझड़ी। मुख्य जीवन बीमा वेलफेयर एसोसिएशन शिमला मंडल का चुनाव जीवन बीमा वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश झावर और उत्तरी क्षेत्र के सचिव भजराम बिश्नोई की अध्यक्षता में पीएम आर रेसीडेंसी देवभूमि ऊना में संपन्न हुआ, जिसमें सर्वसम्मति से केएस चंद्रानी को लगातार दूसरी बार सीडब्ल्यूए शिमला मंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके साथ ही लक्ष्मण और देश राज को उपाध्यक्ष, मीना ठाकुर को सेक्रेटरी, सुशील कुमार बंसल को ज्वाइंट सेक्रेटरी, कुलदीप सिंह ठाकुर को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। (अनंत ज्ञान)

सदर थाना हमीरपुर में ललित ने संभाला कार्यभार

अनिल कुमार, हमीरपुर। सदर थाना हमीरपुर में नए एसएचओ ललित महंत ने बुधवार को पदभार संभाल लिया है। एसएचओ हरीश गुलेरिया का ट्रांसफर पुलिस लाइन में हो गया। बता दें कि इससे पहले ललित महंत ने थाना सुजानपुर, जिला कुल्लू, धर्मशाला के अलावा साइबर क्राइम डिपार्टमेंट शिमला में कार्यरत थे। अभी हाल ही में सुजानपुर में बतौर एसएचओ सेवाएं देने के बाद स्पेशल स्क्वाड यूनिट में तैनात थे। ललित अब हमीरपुर सदर थाना में बतौर एसएचओ सेवाएं देंगे। उन्होंने बताया कि पुलिस और पब्लिक के बीच बेहतर तालमेल बनाकर समस्याओं को दूर करने के लिए काम किया जाएगा। हमीरपुर में बढ़ रहा नशा और साइबर क्राइम पल लगाम लगाना प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए लोगों का सहयोग भी लिया जाएगा। अन्य अपराधिक गतिविधियों पर भी गंभीरता से नजर रखी जाएगी। शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए भी पुलिस काम करेगी। (अनंत ज्ञान)

हंस फाउंडेशन की टीम ने जांचा लोगों का स्वास्थ्य

राज कुमार, रंगस। हंस फाउंडेशन की ओर से ग्रामीणों को घर-द्वार पर ही स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। इसी कड़ी के तहत नादौन विस क्षेत्र की जोलसप्पड़ पंचायत में फांउडेशन की ओर से निशुल्क स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें करीब दो दर्जन लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। जरूरतमंदों को निशुल्क ईलाज के साथ दवाइयां भी वितरित की गईं। एसपीओ भावना ने बताया कि एमएमयू में चिकित्सकों सहित पांच कर्मियों का स्टाफ मौजूद रहता है, जिसमें डॉ. आदर्श (मेडिसन), फार्मासिस्ट अंकिता, एसपीओ भावना, एलटी तरुण और पायल विशाल शामिल हैं। इस समय संस्था की करीब 64 गाड़ियां लोगों को घर-द्वार स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाने में लगी हुई हैं। (अनंत ज्ञान)

मेडिकल कॉलेज में कार्डियोलॉजी विभाग को मिली मंजूरी

शशि सोनल, नादौन। प्रदेश सरकार द्वारा हमीरपुर मेडिकल कालेज में कार्डियोलॉजी विभाग की स्थापना को मंजूरी देने के निर्णय का प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य एवं नगर पंचायत नादौन के अध्यक्ष शम्मी सोनी ने स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट इस मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में अब एक और नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। इससे हृदय रोगियों को हमीरपुर में ही अत्याधुनिक सुविधाएं मिल जाएंगी। सोनी ने बताया कि इस महत्वपूर्ण विभाग के संचालन के लिए प्रदेश सरकार ने प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और सीनियर रेजिडेंट चिकित्सकों के तीन पद सृजित करने का भी निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि हमीरपुर में कार्डियोलॉजी विभाग की स्थापना से हृदय रोगियों को अब पीजीआई चंडीगढ़, एम्स, आईजीएमसी शिमला या प्राइवेट अस्पतालों में नहीं जाना पड़ेगा। वहीं, दूसरी ओर मेडिकल के विद्यार्थियों को भी यहां कार्डियोलॉजी में स्पेशलाइजेशन और सुपर स्पेशलाइजेशन करने का अवसर मिलेगा। सोनी ने कहा कि अपने ड्रीम प्रोजेक्ट हमीरपुर मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक सुविधाओं के प्रावधान के लिए मुख्यमंत्री सुक्खू कई महत्वपूर्ण निर्णय ले रहे हैं। उनके दिशा-निर्देशों के अनुसार जोल सप्पड़ में इस महाविद्यालय के नए परिसर के पहले चरण का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार इस नए परिसर के दूसरे चरण में नर्सिंग कालेज, कैंसर केयर यूनिट, मातृ-शिशु अस्पताल और कई अन्य ब्लॉकों के निर्माण के लिए भी सभी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। अब इसी कालेज में कार्डियोलॉजी विभाग के लिए भी विशेष व्यवस्था की जाएगी, जिससे जिला हमीरपुर और इसके साथ सटे जिला ऊना, कांगड़ा, मंडी और बिलासपुर के विभिन्न इलाकों के हृदय रोगियों को घर के पास ही अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगीं। (अनंत ज्ञान)

फल-सब्जियों के दाम बढ़ने से हमीरपुर के उपभोक्ता परेशान

सब्जी मंडी और शहर में इनके दामों में बड़ा अंतर, कोई पूछने वाला नहीं

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर

हमीरपुर जिला मुख्यालय पर फल और सब्जियों के दामों में थोक और परचून के रेट्स में बड़ा अंतर होने की वजह से यहां उपभोक्ताओं को महंगे दामों पर इन्हें खरीदने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

असल समस्या यह है कि इन पर लगाम लगाने के लिए कोई भी कम नहीं उठाए जा रहे हैं जिस भी फल सब्जी विक्रेता के मन में जो रेट आया, वही उपभोक्ता से वसूला जा रहा है। सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि सब्जी मंडी में जिन थोक रेट्स पर इन्हें संबंधित दुकानदार खरीद रहे हैं, बाजार में आकर उन्हें बड़े मार्जिन पर भेज रहे हैं। यही असली समस्या है।

इधर, दि हमीरपुर उपभोक्ता संरक्षण संगठन जिला हमीरपुर की आपात बैठक बुधवार को जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम कालिया की

संगठन के महासचिव मनोहर लाल कानूनगो और अन्य सदस्य।

अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सभी प्रकार की खाद्य वस्तुओं, सब्जियों एवं फलों में अत्यधिक दामों में वृद्धि के लिए चिंता प्रकट की तथा जिला नियंत्रक खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले हमीरपुर से इस बारे में औचक निरीक्षण करके संज्ञान लेने का अनुरोध किया वर्तमान में अत्यधिक वृद्धि से आम जनमानस व उपभोक्ता बुरी तरह से प्रभावित है।

बैठक के बाद संगठन के महासचिव मनोहर लाल कानूनगो ने बताया कि संगठन ने प्रशासनिक अधिकारियों से भी अनुरोध किया कि वह भी इस बारे आवश्यक कार्रवाई करने की कृपा करें।

संगठन के पूर्व महासचिव के के खन्ना की पत्नी उषा खन्ना की बीती 14 जुलाई को हुई आकस्मिक मृत्यु पर संगठन के सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा। इस अवसर पर सुशील शर्मा, मनोहर लाल कानूनगो, महासचिव युद्ध वीर पठानिया, वित्त सचिव एस के कौड़ा, पीएन शर्मा, प्रकाश सेन व अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। (अनंत ज्ञान)

मेडिकल कॉलेज की डेढ़ करोड़ रुपए बिजली बिल की देनदारी

रवि ठाकुर, हमीरपुर

राधा कृष्णन मेडिकल कॉलेज हमीरपुर बिजली बोर्ड के डेढ़ करोड़ रुपए बिजली बिल की देनदारी हो गई है। समय पर बिजली बिलों की राशि का भुगतान न करने के कारण बकाया राशि डेढ़ करोड़ पहुंच गई है।

बताया जा रहा है कि प्रदेश सरकार की तरफ से बजट जारी न होने के कारण मेडिकल कालेज प्रबंधन बिजली बोर्ड को भुगतान नहीं कर पा रहा है। वहीं, बिजली बोर्ड कई बार भुगतान के लिए मेडिकल कालेज प्रबंधन को अवगत करवा चुका है। मेडिकल कालेज के लिए स्पेशल ट्रांसफार्मर भी लगाया गया है, ताकि बिजली की कमी न हो। मेडिकल कालेज में रोजाना बिजली की काफी अधिक यूनिट इस्तेमाल होती है।

सूत्रों की मानें तो बीते मार्च महीने में मेडिकल कालेज ने बिजली बोर्ड को 23 लाख रुपए की राशि का भुगतान किया है। हालांकि, यह राशि ऊंट के मुंह में जीरा के सामान है। पिछले तीन महीने से बिजली बोर्ड को बिजली बिलों का भुगतान नहीं किया गया है। ऐसे में अब बकाया राशि डेढ़ करोड़ पहुंच गई है। वहीं, बिजली बोर्ड की मानें तो समय-समय पर मेडिकल कालेज को बिलों की राशि की अदायगी के बारे में अवगत करवाया जाता है, लेकिन समयबद्ध बिलों की राशि का भुगतान नहीं हो पा रहा है। यह जिला का सबसे बड़ा स्वास्थ्य संस्थान हैं। यहां पर रोजाना हजारों मरीजों का आवागमन होता है। पर्ची बनवाने से लेकर टेस्ट करवाने तक की सारी प्रक्रिया के संचालन के लिए बिजली की आवश्यकता होती है, लेकिन प्रति माह बिजली बोर्ड को बिलों की राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा। वर्तमान में तीन से चार महीने से अधिक का बिल पेंडिंग पड़ा हुआ है। (अनंत ज्ञान)

क्या कहते हैं मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल

मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. रमेश भारती का कहना है कि सरकार को बजट उपलब्ध करवाने के लिए लिखा गया है। बजट उपलब्ध होने के बाद बिजली बोर्ड की राशि का भुगतान कर दिया जाएगा। बजट का इंतजार किया जा रहा है।

निस्वार्थ भाव सेवा संगठन ने अब तक 500 से ज्यादा पौधे लगाए

अतुल, सुजानपुर

निस्वार्थ भाव सेवा संगठन द्वारा चलाई गई पौधरोपण मुहिम के तहत अब तक 500 से ज्यादा पौधे लगाए गए है। मुहिम बच्चों में शिक्षा के साथ-साथ समाज और प्रकृति के लिए एक नई सोच बन रही है, जो आगे जाकर भविष्य में समाज को एक नई दिशा प्रदान करेगी और इससे समाज में बदलाव देखने को मिलेगा।

निस्वार्थ भाव सेवा संगठन के सदस्य प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जंगलबेरी के इंचार्ज डॉ. सुरिंदर सिंह डोगरा ने बताया कि भलेठ पंचायत में निस्वार्थ भाव सेवा संगठन के द्वारा किए जा पौधरोपण की मुहिम में गांव दालडा की छोटी-छोटी बच्चियों मुस्कान, शनाया, विभा ने भी दिया अपना योगदान। इस मुहिम में बुजुर्ग

से लेकर बच्चे भी सहयोग दे रहे हैं। डॉ. सुरिंदर सिंह डोगरा ने अपील की कि सभी को अपने बच्चों के जन्मदिन पर उपहार के रूप में एक पौधा जरूर देना चाहिए। वहीं पुरली पंचायत में निस्वार्थ भाव सेवा संगठन के उपाध्यक्ष सुभाष शर्मा व गांव के लोगों ने 15 पौधे लगाए। (अनंत ज्ञान)

नगर परिषद हमीरपुर की अतिक्रमण को लेकर कार्रवाई का तीन दुकानदारों पर कोई असर नहीं

सड़क पर सामान रखकर खुलेआम कर रहे अतिक्रमण

अनिल कुमार, हमीरपुर

नगर परिषद हमीरपुर द्वारा सोमवार को अतिक्रमण हटाने को लेकर गांधी चौक से अस्पताल चौक की गई कार्रवाई से हमीरपुर बाजार में कुछ हद तक लोगों को राहत मिली है। अतिक्रमण पर की गई कार्रवाई से कुछ हद तक लगाम तो लगी है।

सड़क पर सामान सजाने वाले दुकानदारों ने अपना सामान तो हटा लिया है, लेकिन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कन्या हमीरपुर के सामने बूट, चप्पल बेचने वाले तीन दुकानदारों पर इसका कोई असर नहीं पड़ रहा है। यह दुकानदार नगर परिषद की कार्रवाई से भी नहीं डर रहे हैं और सामान रोजाना की तरह सजाकर अपनी दुकानदारी चला रहे हैं। जहां

दुकानदारों द्वारा सड़क पर रखा गया सामान।

पर यह दुकानें वहां पर सड़क भी संकरी है और दूसरी तरफ दोपहिया वाहन पार्क करने से और ज्यादा संकरी हो जाती है और लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

लोगों का कहना है कि नगर परिषद इन दुकानदारों पर लगाम लगाने में नाकाम साबित हो रही है और इनके हौंसले बुलंद हो रहे हैं। नगर परिषद अन्य दुकानदारों पर एफआईआर दर्ज करने की बात कह रही है, लेकिन इन दुकानदारों पर भी एफआईआर दर्ज होनी चाहिए, जिससे इस सड़क पर आने-जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। नगर परिषद भी चुनाव आचार संहिता होने की वजह से कोई कार्रवाई करने से गुरेज कर रही थी, लेकिन अब चुनाव संपन्न हो गए हैं और शहर में अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कदम उठा रही है। नगर परिषद की यह मुहिम लगातार जारी रहेगी, लेकिन क्या इन दुकानदारों पर भी नगर परिषद शिकंजा कसेगी यह तो आने वाला समय ही बताएगा। (अनंत ज्ञान)

क्या कहते हैं नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी

इस बारे में नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी अजमेर ठाकुर ने बताया कि इन दुकानदारों को नोटिस दिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि यह दुकानदार अपना सामान नहीं हटाते हैं तो इनके खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

बड़सर इलाके में नशे का इंजेक्शन लेते युवाओं का वीडियो वायरल

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर

हमीरपुर जिला के बड़सर इलाके में दो युवाओं के नशे का इंजेक्शन लेने का वीडियो खूब वायरल हुआ है। इसे लेकर पुलिस सक्रिय हो गई है और अब बड़सर पुलिस ने टीम गठित करके इसकी जांच शुरू कर दी है।

सूत्रों के मुताबिक जिस जगह पर यह दो युवा नशे का इंजेक्शन लेते हुए पाए जा रहे हैं, पुलिस उस क्षेत्र में जांच-पड़ताल में जुट गई है। पुलिस को इन युवकों की पहचान भी मिल गई है, लेकिन जांच मुकम्मल होने से पहले अभी कोई खुलासा भी नहीं हो सकता। बुधवार दोपहर के समय जैसे ही वीडियो वायरल हुआ, इलाके में इसकी खूब चर्चा शुरू हो गई। पहले इसका पता नहीं चल पा रहा था कि यह कौन सी जगह है, लेकिन बाद में बड़सर मुख्यालय के आसपास ही इसकी लोकेशन बताई गई तो युवक उसी इलाके के बताए गए।

अब क्योंकि नशे का या प्रचलन खूब फल-फूल रहा है। हर दूसरे चौथे दिन पुलिस अफीम

कमरे के बाहर खड़ा संदिग्ध नशेड़ी तथा भीतर युवक के हाथ में दिख रहा इंजेक्शन।

चरस के मामले पकड़ भी रही है लेकिन जड़ से उखाड़ पानी में

क्या कहते हैं डीएसपी

इधर, बड़सर के डीएसपी सचिन हीरामट कहना है कि जांच जारी है। मुकम्मल होने के बाद ही इसका सही पता चल पाएगा। टीम गठित कर दी गई है। जो मौके पर जांच कर रही है।

कौन-सी दिखते हैं। इनकी केवल चर्चा हो रही है अब नशे का इंजेक्शन यदि इस स्तर पर शुरू हो चुका है तो फिर समस्या तो है ही। टूटे-फूटे मकान में दो युवक नशे का इंजेक्शन लेने के लिए इकट्ठे हुए हैं और वीडियो वायरल हो गया इसका मतलब यही है की ऐसी घटनाएं बहुत हो रही हैं। यह तो किसी ने वीडियो बना लिया और अब खुलासा भी हो जाएगा लेकिन इस कारोबार को बंद कैसे किया जाएगा यही यक्ष प्रश्न है।

हमीरपुर और इसके आसपास भी पिछले करीब एक साल में नशे के कारोबार में संबंधित कई लोगों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। मगर यह दौर थमने का नाम नहीं ले रहा। यही सबसे बड़ी चिंता है। (अनंत ज्ञान)

विधायक कै. रणजीत ने पटनौण में सुनीं लोगों की समस्याएं

ए कुमार, सुजानपुर

सुजानपुर विधानसभा की पटनौण पंचायत में जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक कैप्टन रणजीत सिंह ने कहा है कि आप सब ही विधायक हैं। उन्होंने कहा कि वह एक आम आदमी हैं और पूरी विधानसभा उनका परिवार है।

रणजीत ने कहा जो वादा उन्होंने चुनावी समय में किया था उसी की तर्ज पर वह उनकी पंचायत में आए हैं। उन्होंने हर पंचायत के लिए एक रजिस्टर लगाने का वादा किया था, वही रजिस्टर वह पटनौण पंचायत में साथ लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याएं हल करवाने के लिए उन्होंने उपचुनाव में वादा किया था कि सुजानपुर विधानसभा की 50 पंचायतों के साथ-साथ सुजानपुर शहर को मिलाकर कुल 51 रजिस्टर उन्होंने लगाए हैं।

उन्होंने कहा कि जब भी वह किसी पंचायत में जाते हैं तो वहां का रजिस्टर लेकर जाते हैं, जिसमें लोग अपनी समस्याएं उनके पास लिखवा सकते हैं, जिनमें से कई समस्याएं मौके पर हल की जाती हैं

लोगों की समस्याएं सुनते विधायक कै. रणजीत सिंह।

जो मौके पर हल नहीं होती उन्हें वह रजिस्टर में लिखकर संबंधित अधिकारियों से मिलकर हल करवाते हैं। इस अवसर पर उन्होंने नशे के बढ़ते प्रकोप पर भी चिंता व्यक्त की।

कैप्टन रणजीत ने पटनौण पंचायत के साथ-साथ पूरे सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता से अपील की कि अगर हम सबको नशे की रोकथाम करनी है तो युवाओं को खेलों की ओर लेकर जाना होगा। इसके लिए जिस पंचायत में खेल का मैदान नहीं है वहां जमीन मुहैया करवाई जाए वहां खेल मैदान बनवाया जाएगा। इसी दौरान कैप्टन रणजीत ने लोगों की जनसमस्याएं भी सुनीं और आधे से ज्यादा समस्याओं का मौके पर निपटारा किया। (अनंत ज्ञान)

बल्ह बिहाल में घूम रहा तेंदुआ

एसके ठाकुर, बिझड़ी

उपमंडल बड़सर की ग्राम पंचायत बल्ह बिहाल में तेंदुए ने आतंक मचा रखा है। तेंदुआ गांव के दो पालतू कुत्तों को अपना शिकार बना रहा है। जिससे लोगों में खौफ बना हुआ है। तेंदुए द्वारा कुत्ते पर किए गए हमले का वीडियो बल्ह बिहाल में सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में कैद हुआ है।

स्थानीय लोगों ने वन विभाग से बल्ह बिहाल में तेंदुए के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है ताकि इस क्षेत्र में कोई जानमाल का नुक्सान न हो। लोग तेंदुए के डर से खेतों में जाने से भी डर रहे हैं। लोगों का कहना है कि तेंदुआ शाम के समय जोर-जोर से धहाड़ना शुरू कर देता है। जिससे लोग घरों से बाहर निकलने से भी डर रहे हैं। आरओ विनोद कुमार ने बताया कि मामला ध्यान में आया है और दो फॉरेस्ट गार्ड्स की ड्यूटी तेंदुए पर नजर रखने के लिए लगाई जाएगी, साथ ही पिंजरा भी लगाया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

कोहलवीं की महिलाओं ने सीखा फास्ट फूड बनाना

अनिल कुमार, हमीरपुर

पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) ने तहसील गलोड़ के गांव कोहलवीं की महिलाओं के लिए दस दिवसीय फास्ट फूड प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया। शिविर के दौरान 28 महिलाओं ने भेलपूरी, पानपूरी, बर्गर, चाउमीन, मोमोज, सिड्डू आदि कई अन्य व्यंजन बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

शिविर के बाद मट्टनसिद्ध में स्थित आरसेटी के मुख्यालय में इन प्रतिभागी महिलाओं का मूल्यांकन भी किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक वीरेंद्र चौहान ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की और प्रतिभागी महिलाओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने महिलाओं को उद्यमिता के संबंध में कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। इस अवसर पर आरसेटी के निदेशक अजय कतना ने मुख्य अतिथि और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा संस्थान की विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। (अनंत ज्ञान)

आस 30 साल बाद 4 इंच की मोटी पाइपलाइन का काम शुरू, जल्द मिलेगी राहत

प्रताप नगर में पेयजल समस्या होगी हल

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर

हमीरपुर शहर में प्रताप नगर के निवासियों को पीने के पानी की पिछले कई सालों से चल रही समस्या का स्थायी हल होने वाला है। इस क्षेत्र में 4 इंच के मोटे डाय वाली पाइप लाइन डालने का काम शुरू हो गया है। शहर के वार्ड नंबर 3 को मुकम्मल तौर पर कवर करने के लिए यह पाइपलाइन डाली जा रही है। इस क्षेत्र में पिछले तकरीबन 20 सालों में रिहायशी मकानों की तादाद लगातार बढ़ी है।

हीरानगर में स्थित वॉटर टैंक से या पाइपलाइन सीधे डाली जा रही है, इसे कहीं भी पंचर नहीं किया जाएगा। प्रताप नगर का यह इलाका पीडब्ल्यूडी कॉलोनी के साथ लगता है उसी से रास्ते से होकर इस पाइपलाइन को डाला जा रहा है। इससे नए कनेक्शन तो मिलेंगे ही, पुराने कनेक्शन को भी इसी पाइपलाइन के साथ बड़े स्तर पर कनेक्ट किया जाएगा, ताकि लोगों की कम प्रेशर वाली समस्या का भी समाधान हो सके, क्योंकि

200 हाउस होल्डर को होगा फायदा

इस पाइपलाइन का फायदा प्रताप नगर इलाके में स्थित तकरीबन 200 हाउस होल्डर को फायदा होगा। ब्राड बल्ह के साथ लगने वाले इस इलाके के लोगों को इसी पाइपलाइन के अस्तित्व में आने के बाद राहत मिलेगी। सूत्रों के मुताबिक इलाके में तकरीबन 300 पेयजल कनेक्शन हैं। अब 4 इंच की इस मोटी पाइपलाइन का डिस्ट्रीब्यूशन इस ढंग से किया जाएगा, ताकि पुरानी व्यवस्था भी बनी रहे और नए कनेक्शन भी इससे मिल सकें।

क्या बोले-जल शक्ति विभाग के एसडीओ

इधर जल शक्ति विभाग के स्थानीय एसडीओ राकेश सोनी का कहना है कि बहुत जल्दी इस पाइपलाइन का काम मुकम्मल हो जाएगा। उसके बाद इलाके में पानी के डिस्ट्रीब्यूशन के लिए कनेक्शन देने का काम शुरू होगा। इसे हीरानगर स्थित मुख्य टैंक के साथ सीधे जोड़ा गया है। इलाके में पीने के पानी की दिक्कत की काफी शिकायतें थीं। जिनका अब निपटारा हो जाएगा।

धरातल पर तो पानी यहां पहुंच ही जाता है। मगर ऊपरी मंजिलों में जल शक्ति विभाग द्वारा छोड़ा जाने वाला पानी पहुंच नहीं पाता। गर्मियों में तो यह दिक्कत हाय तौबा मचाती है। (अनंत ज्ञान)

लंगेरा-पठानकोट बस गांव तलगुट के पास हांफी

अनंत ज्ञान, चंबा

लंगेरा से पठानकोट जाने वाली बस बीते कल एनएच 154-ए पर स्थित गांव तलगुट के पास हांफ गई, जिसमें सवाल यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बता दें की हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम चंबा के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं, जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण आए दिन जिला में कहीं न कहीं तकनीकी खराबी के कारण खड़ी बसे खुद-ब-खुद बयां करती प्रतीत होती हैं।

काबिले गौर है कि बीते रविवार पठानकोट से आने वाली बस जो बैली के पास खराब हो गई थी, जिसको लेकर आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता ने भी हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम पर निशाना साधा था। उनके बयानों से लग रहा था शायद हिमाचल प्रदेश पद परिवहन निगम थोड़ा सबक लेकर अपनी कमियों को सुधारने की कोशिश करेगा, किंतु एक दिन छोड़कर ही दूसरी बस एचपी 38इ-6685 जो सोमवार सुबह यात्रियों को लेकर लंगेरा से पठानकोट के लिए रवाना हुई।

किंतु अभी बनीखेत ही पर किया था कि अचानक बस के पहिए थम गए जिसमें सवार सभी यात्री जिनमें कुछ अपने इलाज हेतु पठानकोट जा रहे थे, लेकिन ऐसी अवस्था में उन्हें इस परेशानी का भी सामना करना पड़ा, जिसको लेकर यात्रियों में ट्रांसपोर्ट मंत्री मुकेश अग्निहोत्री एवं हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम कार्यालय चंबा को लेकर भारी रोष है।

मुस्लिम समुदाय ने मनाया मुहर्रम

अनंत ज्ञान, चंबा

देश ही नहीं दुनियाभर में मुहर्रम पर्व मनाया जा रहा है। मुस्लिम इतिहास के अनुसार इस दिन इस्लाम के आखिरी पैगंबर हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के वंशजों को इराक के एक शहर कर्बला में शहीद किया गया था, जिसके बाद उनकी याद में ही दुनियाभर में बसने वाले मुस्लिम समाजजन मुहर्रम पर्व को मनाते आ रहे हैं।

इस दौरान मुस्लिम समाज का एक पंथ शिया समुदाय इस पर्व को 10 दिनों तक चलने वाले मातम के त्योहार के रूप में मनाता है। वहीं, दूसरा पंथ सुन्नी समुदाय इस पर्व पर अधिक से अधिक इबादत और नेक कार्य करने पर जोर देता रहा है। चंबा में जामिया जमालिया इस्लामिया मदरसा राजपुरा में दाता जमाल शाह जी के दरबार में मोहर्रम का प्रोग्राम किया गया, जिसमे आपसी भाईचारे और आपसी सद्भावना रखने का अहवान किया गया, जिसकी अध्यक्षता सदर अंजुमन इस्लामिया चंबा डॉ. इसरार अली शाह ने की। इस दौरान विशेष तौर पर सदर अंजुमन सालूनी फरूख बट्ट यंग मुस्लिम के अध्यक्ष शाकिर अली शाह अंजुमन इस्लामिया के मुख्य सलाहकार हैदर अली महासचिव सरदार मुहम्मद, हाजी अशरफ शेख, इराज अहमद, अंजुमन के सचिव फैसल अली शाह, इमरान खान, मकुम कुरैशी, नवीद अली शाह, नैयम शेख और कार्यक्रम में मुख्य वक्ता मुफ्ती सैयद फरीद शाह जी मुख्य वक्ता रहे। इस दौरान हफीज अब्दुल मजीद हफीज मुबारक अली लोन, जमा मस्जिद के इमाम यासिन शेख उपस्थित रहे।

चंबा में आपदा मित्रों को दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

अनंत ज्ञान, चंबा

आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन योजना के तहत श्री बलजिंदर सिंह 'सेनानी' 14वीं वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के दिशा निर्देश में 16 जुलाई से 22 जुलाई तक एक कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसमें चंबा जिला के विभिन्न इलाकों से आए आपदा मित्रों और स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

14वीं वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की अनुभवी टीम की अगुवाई निरीक्षक सुशील वर्मा द्वारा की जा रही है। आज इस कोर्स के उद्घाटन समारोह के उपरान्त विभिन्न प्रकार की जानकारियां एवं बचाव के तरीके बताए गए।

इस दौरान आपदा क्या है, आपदा प्रबंधन, एनडीआरएफ द्वारा आपदा के दौरान विशेष भूमिका, अपनी और समाज की सुरक्षा, डिजास्टर सर्वाइवल किट विभिन्न आपदाओं के दौरान क्या करें और क्या न करें, ईएमएसऔर एमएएफ आर और इंस्टेंट रिस्पांस सिस्टम आदि के बारे में जानकारियां और प्रशिक्षण प्रदान किया गया। बता दें इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं युवाओं में भारी उत्साह देखने को मिला।

कारगिल विजय दिवस पर सभी मंडलों में होगा कार्यक्रम आयोजित : अमित

अनिल, मंडी

युवा मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित ठाकुर ने कहा की बीजेपी हर साल 26 जुलाई को भारत में कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। इस दिन कारगिल युद्ध में शहीद भारतीय सैनिकों के बलिदान और शौर्य को याद किया जाता है। इस वर्ष 25 साल पूरे होने पर युवा मोर्चा इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए पूरे 68 विधानसभा के सभी मंडलों मे इस कार्यक्रम को सुचारु रूप से किया जाएगा। यह कार्यक्रम 25 और 26 जुलाई को किया जाएगा। अमित ठाकुर ने कहा की भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच सीमा विवाद के कारण 1999 में

कारगिल का युद्ध छिड़ गया। पाकिस्तान की सेना ने भारतीय क्षेत्र कारगिल की ऊंची चोटियों पर कब्जा कर लिया, बदले में भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन विजय' को अंजाम दिया। भारत के जबांज सैनिकों ने पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ते हुए टाइगर हिल और अन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया। भारत पाक के बीच ये जंग लद्दाख के कारगिल में 60 दिनों से अधिक समय तक जारी रही। 2 लाख भारतीय सैनिकों ने युद्ध में हिस्सा लिया। सेना के मिशन को सफल बनाने के लिए कई वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी, जिसने से हिमाचल प्रदेश के वीर सपूत कैप्टन विक्रम बत्रा भी हैं। (अनंत ज्ञान)

सड़क पर स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग

वीरेंद्र गोस्वामी, बड़ा

उपमंडल नादौन के स्थानीय विद्यालय के गेट के पास चौराहा होने के कारण इस स्थान पर हमेशा सड़क दुर्घटना की आशंका बनी रहती हैं। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि सड़क के बिलकुल किनारे पर स्कूल का गेट है। उस गेट से छुट्टी के समय स्कूली बच्चों का अवगमन रहता हैं। छुट्टी के समय जिस तरह से बच्चे सड़क पर भागते हैं उससे इस स्थान पर हमेशा दुर्घटना होने का डर लगा रहता है। बिडंबना इस बात की है कि स्कूल के गेट के पास वाहनों की गति को नियंत्रित करने के लिए यहां किसी भी प्रकार के गति अवरोधक नहीं लगाए गए हैं, जबकि स्थानीय लोगों द्वारा कई बार प्रशासन एवं लोक निर्माण विभाग से गति अवरोधक लगाने की मांग उठाई गई। (अनंत ज्ञान)

पढ़ाई के साथ सफाई भी जरूरी

अनंत ज्ञान, धनोटू चौक

धनोटू में बालक ध्रुव आशुतोष शेरडवाल ने सौ फुट लंबी कुल्ह को साफ करने में मुख्य भूमिका निभाई। पंचायत महादेव में शिव मंदिर महादेव से भगत सिंह तालाब कुल्ह को तालाब की ओर से करीब सौ फुट मोड तक ध्रुव आशुतोष शेरडवाल और कृष्ण महादेविया ने मिल कर साफ किया।

कुल्ह की सफाई के दौरान हालांकि तैतैयों के डंक भी सहने पड़े किंतु इनका सफाई अभियान नहीं रुका। सफाई के दौरान कूड़ा-कचरा प्लास्टिक मिट्टी, खाली बोतलें, रैपर्स आदि हटा कर कुल्ह की सफाई की। गौरतलब है कि इस कुल्ह ने गत बरसात स्थानीय नागरिक कृष्ण महादेविया के पुस्तकालय और फसल को भारी नुक्सान पहुंचाया था। खंड विकास अधिकारी कार्यालय धनोटू के तकनीकी सहायक की लापरवाही से कुल्ह निर्माण में खामियों के चलते बरसात में कुल्ह नदी की भांति हानि पहुंचाती है। कृष्ण महादेविया ने स्थानीय विधायक और जिलाधीश मंडी से इस कुल्ह के निर्माण के लिए समुचित धनराशि की मांग की है।

आर्ट ऑफ लिविंग ने सलूणी में करवाया हैप्पीनेस प्रोग्राम

एमएम डैनियल, चंबा

आर्ट आफ लिविंग की ओर से सलूणी में हैप्पीनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक हेमंत पुरी की देखरेख में आयोजित हुआ। शिविर में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की गई।

इसमें उपमंडल से लोगों ने भाग लिया। हैप्पीनेस प्रोग्राम में भाग लेने वाले लोगों को प्रशिक्षकों की ओर से सुदर्शन क्रिया, योगाभ्यास, ध्यान सहित अन्य योगाभ्यास करवाए गए। हैप्पीनेस प्रोग्राम प्यारे लाल, राजमल शर्मा, राहुल ठाकुर, संजीव कुमार, सीमा देवी, अंजना कुमारी, सैनाज बट्ट, आशा कुमारी, भारती देवी, वर्षा शर्मा तथा बंदना शर्मा ने भाग लेते हुए सुदर्शन क्रिया शीत अन्य योगिक क्रियाएं की। इसमें भाग लेने वाले लोगों ने बताया कि कार्यक्रम से उनके जीवन में बदलाव आया है। इसका काफी लाभ मिला है। आर्ट आफ लिविंग को सभी लोग समझें। इससे उर्जा का संचार बढ़ता है। कोर्स को करने से गुस्से पर काबू होता है। मानसिक रूप से शांति मिली। कोर्स पूरा करने से जीवन में खुशी का अनुभव हो रहा है। लोगों ने बताया कि कोर्स से मन को शांति मिली है।

इतनी खुशी पहले कभी महसूस नहीं हुई। आर्ट आफ लिविंग के मीडिया प्रबंधक मनुज शर्मा ने बताया कि उक्त क्रियाएं से लोगों को चिंता का स्तर कम करने में मदद मिलती है, नींद अच्छी आती है। इसके अलावा तनाव कम होता है तथा अपनी भीतरी एनर्जी को सही दिशा मिलती है। इसके साथ ही कई अन्य तरह के लाभ प्राप्त होते हैं।

आपके भीतर अपार, अप्रयुक्त संभावनाएं छिपी हैं, जो खोजे जाने का इंतजार कर रही हैं। हैप्पीनेस प्रोग्राम के जरिए यह संभावना मुक्त हो जाती है और आपको अपने बारे में एक बेहतर नजरिया मिलता है। आज की व्यस्त और विचलित करने वाली दुनिया में मन अतीत और भविष्य में उलझा हुआ है। लेकिन खुशी यहीं और अभी है। जब कोई कल के बारे में पछताता है या कल के बारे में चिंता करता है तो उसे अनुभव नहीं किया जा सकता। (अनंत ज्ञान)

बारिश न होने से किसान और बागवान मायूस

ओपी शर्मा, भरमौर

जनजातीय क्षेत्र भरमौर में पिछले कई दिनों से बारिश न होने के कारण किसान और बागवान पूरी तरह से मायूस हो गए हैं। एक और जहां आधा हिंदुस्तान पानी-पानी हो रहा है वहीं जनजातीय क्षेत्र भरमौर में लोग बारिश के लिए देवी-देवताओं की ओर रुख कर रहे हैं। बारिश न होने के चलते यहां पर किसानों की फसले खेत में ही सुखना शुरू हो गई है और नई फसल का संकट किसानों पर मंडरा रहा है।

एकाएक गर्मी बढ़ जाने के कारण लोग पहाड़ी क्षेत्र की ओर रुख कर रहे हैं। यही नहीं पिछले कई दिनों से बरसात न उतरने के कारण निकले क्षेत्रों में लोगों को मवेशियों के लिए चारे की समस्या भी शुरू हो गई है।

गौरतलब है इस समय किसानों ने खेत में आलू, मक्की राजमा व दूसरी दालें खेतों में बिजी हुई है, लेकिन पिछले कई दिनों से बारिश न होने के चलते किसानों की सभी फसले खेत में अब सुखना भी शुरू हो गई है। बागवानों के ऊपर भी इसका सीधा असर पड़ रहा है। बागवानों द्वारा खेतों में लगाई गई सब्जियां भी सुखना शुरू हो गई है।

जानकारी की माने तो अगले कुछ दिनों में यही स्थिति रहती है तो किसानों की फसल यहां पर पूरी तरह से तबाह हो जाएगी। लिहाजा पिछले कई दिनों से बारिश न होने के कारण यहां के पहाड़ भी तपने शुरू हो गए हैं।

सूडोकु 00129 — सरल

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनवृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु 00128 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

अंतरराष्ट्रीय मिंजर मेले के लिए अस्थायी पंडाल का काम शुरू

अनंत ज्ञान, चंबा

अंतरराष्ट्रीय मिंजर मेला-2024 के दौरान चौगान नंबर-एक में व्यापारिक गतिविधियों हेतु अस्थायी पंडाल का निर्माण कार्य आरंभ हो गया है। ठेकेदार की लेबर चौगान नंबर-एक के एक हिस्से में निर्मित होने वाले अस्थायी पंडाल की जगह की पैमाइश के उपरांत निर्माण कार्य में जुट गई है।

इस नीलामी प्रक्रिया के निपटने के बाद ठेकेदारों को चौगानों में पंडाल निर्माण कार्य की इजाजत दे दी है। पिछले तीन-चार दिनों से ठेकेदारों के वाहन पंडाल निर्माण का सामान ढोने के काम में लगे हुए थे। सामान के चौगान में पहुंचने के बाद मंगलवार से अस्थायी पंडाल का निर्माण कार्य भी आरंभ कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष मिंजर मेले का आयोजन 28 जुलाई से 4 अगस्त तक किया जा रहा है। इस दौरान शहर के चौगान नं एक, दो व चार में व्यापारिक गतिविधियां संचालित होंगी। चौगान नंबर तीन में झूले लगाए जाएंगे। मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन चौगान नंबर-1 में होगा। मिंजर मेले के दौरान चौगान में व्यापारिक गतिविधियों के लिए ठेकेदार ने पंडाल का काम आरंभ कर दिया है।

3.8 करोड़ में नीलाम हुए हैं चौगान

इस बार जिला प्रशासन ने मिंजर मेले के दौरान व्यापारिक गतिविधियों के लिए शहर के चारों चौगानों को पहले ही प्रयास में रिकार्ड तीन करोड़ आठ लाख रुपए में नीलाम करने में सफलता हासिल की है।

संत निरंकारी मिशन में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण : बहन श्वेता

एमएम डैनियल, चंबा

संत निरंकारी सत्संग भवन मुगला में खन्ना (पंजाब) से आई बहन श्वेता जी की अध्यक्षता में जोनल लेवल महिला संत समागम का आयोजन किया गया। सत्संग का शुभारंभ आरती वंदना से किया गया। इस मौके पर जिला के विभिन्न क्षेत्रों से आए सैकड़ों महिला श्रद्धालु भक्तों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

वनीखेत, डलहौजी, बकलोह, चुवाड़ी, खैरी, साहो, जडेरा, राख, जांगी, मैहला, मंगला आदि क्षेत्रों से आए संतों महात्माओं ने सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की शिक्षाओं को अपने विचारों व भजनों द्वारा व्यक्त किया। अंत में मंच पर विराजमान बहन श्वेता जी ने अपने सार गर्भित प्रवचनों में साध-संगत को भाव विभोर करते हुए कहा कि संत निरंकारी मिशन के विकास में शुरू से ही महिलाओं का अनुकरणीय एवं महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

मिशन के संस्थापक बाबा बूटा सिंह जी की पत्नी वन्ती जी, बाबा अवतार सिंह जी की पत्नी पूज्य जगतमाता बुद्धवन्ती जी, निरंकारी राजमाता कुलवंत कौर जी, सद्गुरु माता सविंदर हरदेव जी व वर्तमान में सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज का आसाधारण योगदान महिला जगत का ही नहीं बल्कि पूरी मानव जाति का निरंतर मार्ग दर्शन करता रहा है।

डोडा में हुए आतंकी हमले के बाद चंबा-डोडा बस सेवा फिलहाल बंद

अनंत ज्ञान, डलहौजी

डोडा में भारतीय सेना के वाहन पर हुए आतंकी हमले को लेकर हिमाचल पथ परिवहन निगम क्षेत्र कार्यालय चंबा ने डोडा, जम्मू कश्मीर को जाने वाली बस जो सलूणी, लंगेरा एवं पदरीजोत होकर जाती थी, उसे फिलहाल के लिए सेवा से रोक दिया गया है। क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि हिमाचल पथ परिवहन निगम को हमेशा से ही अपने यात्रियों की चिंता रही है इसलिए चंबा -डोडा बस सेवा को आगामी आदेशों तक तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है।

समस्या — डॉक्टरों के छुट्टी पर चले जाने से लोगों को इलाज के लिए हो रही परेशानी

सामुदायिक चिकित्सालय बाथरी के हालात बद से बदतर

अनंत ज्ञान, डलहौजी

उपमंडल डलहौजी के अंतर्गत गांव बाथरी के सामुदायिक चिकित्सालय के हालात बद से बदतर हो हैं। काफी समाज समय से सामुदायिक चिकित्सालय बाथरी में मूलभूत सुविधाओं का अभाव जारी है। बताते चलें कि जो डॉक्टर चिकित्सालय में तैनात थे, वह भी आजकल छुट्टी पर चल रहे हैं जिसके कारण यहां वहां के डॉक्टर से ही स्थानीय लोग स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री हिमाचल प्रदेश धनीराम शांडिल के चंबा प्रवास के दौरान सामुदायिक चिकित्सालय बाथरी का भी निरीक्षण किया था और उन सुविधाओं की कमी है उनको लेकर स्थानीय कांग्रेसी नेता आशा कुमारी एवं स्थानीय जनता को भी आश्वासित किया था कि जल्द ही इन समस्याओं का समाधान हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा कर दिया जाएगा किंतु मौजूदा

हालात बद से बत्तर हो चुके है, जिसको लेकर स्थानीय बिलकुल भी खुश नहीं है।

इस बारे में जब बीएमओ समौट डॉक्टर शाम से बात की गई तो उन्होंने बताया कि उन्होंने सामुदायिक चिकित्सालय बाथरी के लिए कई बार आला अधिकारियों से पत्राचार के माध्यम से हालात बयां किए हैं किंतु इसके लिए उन्होंने उन्हें अश्वत भी किया है। तो वहीं सीएमओ चंबा का भी कहना है कि सामुदायिक चिकित्सालय बाथरी में मूलभूत सुविधाओं की कमी है, जिसको लगी कई बार स्थानीय जनता ने भी हमें आगाह किया है और हम इसको लेकर जरूर उचित कदम उठाएंगे।

तो वहीं स्थानीय समाजसेवी अजय शर्मा एवं प्रेम प्रकाश वर्मा ने बताया कि बीते कई सालों से बाथरी एवं इसके साथ लगते क्षेत्र की जनता स्वास्थ्य सुविधाओं का पूरा लाभ नहीं उठा पा रही है इसका एकमात्र कारण मूलभूत सुविधाओं का अभाव ही है। सामुदायिक चिकित्सालय बाथरी की बात करें तो क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए एकमात्र यही चिकित्सालय है।

अनंत ज्ञान — आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी, श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

18 जुलाई, 2024, गुरुवार

विक्रमी संवत : 2081, **शक संवत :**1946 (क्रोधी), **मास :** आषाढ़, **तिथि** द्वादशी : (08:46) : **नक्षत्र :** ज्येष्ठा (03:25), **पक्ष** : शुक्ल, **योग:** ब्रह्म (7:03) **शुभ मुहूर्त :** अभीजित (कोई नहीं), **राहुकाल** (2:10 - 3:35)।

विशेष दिन

- 18 जुलाई :आषाढ़ शुक्ल द्वादशी आज
- 18 जुलाई वामन पूजा आज
- 18 जुलाई : जिनदत्तसुरि की पुण्यतिथि आज

मेष: नौकरीपेशा लोगों को पद प्रतिष्ठा का लाभ होगा। कार्य व्यापार में वृद्धि व लगभग सभी तरह के कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। नए कामों की शुरुआत संभव है।

वृषभ: आज महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले विचार अवश्य करें। किसी भरोसेमंद व्यक्ति से सलाह लेकर महत्वपूर्ण काम करें। तेज गति से वाहन न चलाएं।

मिथुन: जीवनसाथी की राय को महत्व दें। कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी। उच्चस्तरीय एवं सहयोगी व्यक्तियों से मुलाकात लाभकारी रहेगी। चित्त शुद्ध रहेगा तथा शुभ विचारों से मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क: बेरोजगारों को रोजगार की प्राप्ति में सफलता मिलेगी। मित्रों तथा रिश्तेदारों से अप्रत्याशित व्यवहार का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह: संतान पक्ष से कोई अच्छा समाचार मिलेगा। कार्य में मन लगेगा। किसी नई योजना पर विचारमग्न होंगे। आलोचना और अपने शुभ चिंतकों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या: किसी विपरीत विचार वाले व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। राजनीतिक क्षेत्र के व्यक्तियों को लाभ मिल सकता है।

तुला: कारोबार में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में दिन अच्छा गुजरेगा। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं, उन्हें इसमें सफलता मिलेगी। आपकी कोई चाहत पूरी हो सकती है।

वृश्चिक: ग्रह-नक्षत्र संकेत दे रहे हैं कि आज आपके सितारे उत्कर्ष पर हैं। धन व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सभी कार्य मन के अनुकूल होने पर मन प्रसन्न रहेगा।

धनु : यात्रा लाभप्रद रहेगी। सुख, आनंद की प्राप्ति होगी। रोग-मुक्ति के योग बन रहे हैं। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सम्मान एवं लाभ प्राप्त होगा। स्वास्थ्य एवं सुस्त पड़े कारोबार में सुधार का दिन है।

मकर: कार्यों में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। अत्यधिक व अनावश्यक खर्च से बचने की जरूरत है।

कुंभ: व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। लोगों का व्यवहार नम्र और सहयोगपूर्ण रहेगा। ग्रह-नक्षत्र संकेत दे रहे हैं कि घर में आय के नए स्रोत विकसित होंगे।

मीन: आज कार्य की व्यस्तता रहेगी। जीवन के प्रति आज आपकी सकारात्मक सोच कोई नई उपलब्धि दिला सकती है। किसी से पहली बार मुलाकात लाभदायक रहेगी।

अनंत ज्ञान
क्लासीफाइड
विज्ञापन के लिए संपर्क करें
98168-75517

सूचना

मैं रविन्द्र कुमार (35 वर्ष) पुत्र बीर सिंह गांव व डाकघर उरेई, तहसील भरमौर, जिला चंबा (हि.प्र.) ब्यान करता हूं कि ग्राम पंचायत जगत के रिकार्ड में मेरे पिता का नाम बीर सिंह गलत दर्ज है। जबकि मेरे पिता का सही नाम बीर सिंह है। अत: ग्राम पंचायत के रिकार्ड में बीरू सिंह के स्थान पर सही नाम बीर सिंह दर्ज किया जाए। सभी संबंधित नोट करें।

दया और प्रेम शब्द छोटे हो सकते हैं, लेकिन वास्तव में उनकी गूंज की कोई सीमा नहीं होती है। –मदर टेरेसा

संपादकीय

लोकलुभावनी योजनाओं का औचित्य

देश में लोकलुभावनी योजनाओं का दौर जैसे चल निकला है। महाराष्ट्र सरकार 'लाडला भाई' के नाम से एक खास योजना लेकर आई है। इस योजना के तहत बारहवीं पास छात्रों को छह हजार, डिप्लोमा कर रहे छात्रों को आठ हजार और ग्रेजुएशन कर चुके छात्रों को हर महीने दस हजार रुपए दिए जाएंगे। एकनाथ शिंदे सरकार ने यह फैसला 'लाडली बहना' योजना की अपार सफलता के बाद लिया है। हिमाचल में भी सुक्खू सरकार ने इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना चलाई है। इस योजना के तहत राज्य में 18 से 60 वर्ष की आयु के बीच की बेरोजगार महिलाओं को 1,500 रुपए का मासिक मानदेय प्रदान किया जा रहा है, जबकि सरकार खुद कर्ज तले दबी है।

सवाल यह है कि आखिर इन योजनाओं का औचित्य क्या है? क्या इससे सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ रहा है। इस घोषणा को इसी साल होने वाली महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से जोड़कर भी देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि सरकार ने चुनाव से कुछ महीने पहले यह घोषणा कर कई वर्गों को साधने की कोशिश की है। महाराष्ट्र में विपक्ष युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी के मुद्दे को काफी लंबे समय से उठाता रहा है। शिंदे सरकार ने युवाओं के लिए आर्थिक मदद का ऐलान कर एक तरह से विपक्ष को भी जवाब दिया है। सरकार का तर्क है कि इस योजना के तहत युवाओं को उन कारखानों में अप्रेंटिसशिप करने के लिए पैसे देने जा रही है, जहां वे काम करेंगे। सरकार कहती है कि योजना के माध्यम से उसने बेरोजगारी का समाधान ढूंढ लिया है, लेकिन हकीकत में इस योजना से बेरोजगारी ही बढ़ेगी और इसका दूसरा भयावह पहलू यह है कि इससे बेरोजगार युवा और निठल्ले हो जाएंगे। उन्हें कमाने की आदत नहीं रहेगी। राजनीतिक दल अक्सर वोट हासिल करने के लिए लोकलुभावन योजनाएं चलाते हैं, क्योंकि वे बड़ी संख्या में लोगों से अपील करना चाहते हैं और उनका समर्थन हासिल करना चाहते हैं।

इन योजनाओं में मुफ्त सुविधाएं, सब्सिडी, नकद हस्तांतरण या अन्य लाभ शामिल होते हैं, जो मतदाताओं के लिए आकर्षक हों। हालांकि, ऐसी योजनाओं के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों परिणाम होते हैं। सकारात्मक पहलुओं में जैसे–लोकलुभावन योजनाएं हाशिए पर रहने वाले समुदायों, कम आय वाले परिवारों या समाज के कमजोर वर्गों को बहुत आवश्यक सहायता प्रदान कर सकती हैं। अच्छी योजनाएं लोगों की जेब में अधिक पैसा डालकर, नौकरियां पैदा करके या उद्यमिता को प्रोत्साहित करके आर्थिक विकास को प्रोत्साहित कर सकती हैं। इसके अलावा ठोस लाभ प्रदान करके, राजनीतिक दल नागरिकों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर सकते हैं और अपनी वैधता बढ़ा सकते हैं। दूसरी ओर देखा जाए तो इसके नकारात्मक पहलुओं में लोकलुभावन योजनाओं पर अत्यधिक निर्भरता की संस्कृति पैदा हो जाती है, जहां लोग अपनी परिस्थितियों को सुधारने के लिए पहल करने के बजाय मुफ्तखोरी का इंतजार करते हैं। वहीं, राजकोषीय अस्थिरता अलग तरह का मसला है। लोकलुभावन योजनाएं महंगी होती हैं और लंबे समय तक वित्तीय रूप से टिकाऊ नहीं होती हैं, जिससे राजकोषीय घाटा, मुद्रास्फीति या कर्ज हो सकता है। इससे संसाधनों का अकुशल आवंटन होता है, क्योंकि योजनाएं हमेशा सबसे योग्य या जरूरतमंद वर्गों को लक्षित नहीं कर पाती हैं। मुफ्त चीजों पर अत्यधिक निर्भरता संभावित रूप से लोगों को कड़ी मेहनत करने या नवाचार करने से हतोत्साहित कर सकती है, जिससे आलस्य पैदा हो सकता है। संतुलन बनाने के लिए राजनीतिक दलों को ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए जो विशिष्ट आवश्यकताओं और कमजोरियों को लक्षित करे तथा संसाधनों का कुशल आवंटन सुनिश्चित करे।

यह भी सुनिश्चित करना होगा कि योजनाएं वित्तीय रूप से टिकाऊ हों और भावी पीढ़ियों पर बोझ न डालें। केवल रियायतें प्रदान करने के बजाय शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार सृजन के माध्यम से लोगों को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। सब्सिडी और नकदी हस्तांतरण के बोझ से सरकारों आर्थिकी डावांडोल हो गई है। यह सिलसिला इसी तरह चलता रहा तो फिर कोई उपाय भी कारगर साबित नहीं होगा। सियासी दलों को चाहिए कि वह महज वोट बटोरने के लिए ऐसी कोई भी लोकलुभावनी घोषणा न करे जो उसके गले की फांस ही बन जाए, जिससे बाद में उसे पछताना पड़े। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

भारत की पहली महिला स्नातक

कादंबिनी गांगुली भारत की पहली महिला स्नातक और पहली महिला फिजीशियन थीं। यही नहीं कांग्रेस अधिवेशन में सबसे पहले भाषण देने वाली महिला का गौरव भी कादंबिनी गांगुली को ही प्राप्त है। वह पहली दक्षिण एशियाई महिला थीं, जिन्होंने यूरोपियन मेडिसिन में प्रशिक्षण लिया था। उन्होंने कोयला खदानों में काम करने वाली महिलाओं की लचर स्थिति पर भी काफी कार्य किया। उनमें देशभक्ति की भावना बंकिमचंद्र की रचनाओं से ही जागृत हुई थी। कादंबिनी गांगुली का जन्म भागलपुर, बिहार में हुआ था। उनका परिवार चंदसी (बारीसाल, अब बांग्लादेश में) से था। कादंबिनी ने 1882 में 'कोलकाता विश्वविद्यालय' से बीए की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। वह भारत की दो में से पहली महिला स्नातक थीं। ब्रह्म समाज के नेता द्वारकानाथ गंगोपाध्याय से कादंबिनी का विवाह हुआ था। द्वारकानाथ महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए पहले से ही प्रयत्नशील थे। कादंबिनी इस क्षेत्र में भी उनकी सहायक सिद्ध हुईं। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की रचनाओं से कादंबिनी बहुत प्रभावित थीं। बंकिमचंद्र की रचनाएं उनके भीतर देशभक्ति की भावनाएं उत्पन्न करती थीं। वह सार्वजनिक कार्यों में भाग लेने लगी थीं। कांग्रेस के 1889 के मद्रास अधिवेशन में उन्होंने भाग लिया और भाषण दिया। संस्था के उस समय तक के इतिहास में भाषण देने वाली कादंबिनी पहली महिला थीं। महात्मा गांधी उन दिनों अफ्रीका में रंगभेद के विरुद्ध 'सत्याग्रह आंदोलन' चला रहे थे। कादंबिनी ने उस आंदोलन की सहायता के लिए कोलकाता में चंदा जमा किया। ■

कादंबिनी गांगुली
जन्म : 18 जुलाई, 1861
मृत्यु : 3 अक्तूबर, 1923

अपनी बात

आजकल स्मार्टफोन लोगों के गले का हार बना चुका है। कोरोना कॉल के दौरान छात्रों की कलासें ऑनलाइन लगने के कारण उनमें स्मार्टफोन का सदैव इस्तेमाल किए जाने की बुरी लत लग चुकी है। फेसबुक पर बढ़ती अश्लीलता युवा पीढ़ी के लिए बहुत बड़ा खतरा है, वहीं आम जनमानस भी इस लत का शिकार बनता जा रहा है। फेसबुक पर लड़कियों के नाम से बनाई गई फेक आईडी से किसी व्यक्ति को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी जाती है। नासमझ व्यक्ति बिना कोई जांच किए रिक्वेस्ट को स्वीकार कर लेता है। फेक आईडी से उस व्यक्ति से अश्लील चैट किए जाने का प्रस्ताव रखा जाता है। फेक आईडी द्वारा मैसेंजर, व्हाट्सऐप पर अश्लील वीडियो चलाकर सामने वाले व्यक्ति को कपड़े उतारने पर मजबूर किया जाता है। ठीक इसी गलती कारण उस व्यक्ति को ब्लैकमेल किए जाने का सिलसिला शुरू हो जाता है। इस कारण अब सजग होने की जरूरत है। –अश्वनी शर्मा, जयसिंहपुर

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 पर भेज सकते हैं।

चातुर्मास : व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण की अवधि

भारतीय वाड्मय में चातुर्मास का विशेष महत्व है। यह आषाढ़ शुक्ल पक्ष की एकादशी से आरंभ होता है। इसका समापन कार्तिक माह शुक्ल पक्ष की एकादशी को होगा। मान्यता है कि इन चार माह में भगवान नारायण पाताल लोक में विश्राम करते हैं, इसलिए कोई शुभ काम नहीं होते। लेकिन आश्चर्यजनक यह है कि यदि चातुर्मास में कोई पवित्र कार्य नहीं हो सकते तब सनातन परंपरा के सभी बड़े और महत्वपूर्ण त्योहार जैसे गुरु पूर्णिमा, रक्षाबंधन, ऋषि पंचमी, गणेशोत्सव, जन्माष्टमी, संतान सप्तमी, करवाचौथ, हरियाली अमावस, पितृपक्ष, नवरात्र, दशहरा, दिवाली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज आदि सभी बड़े त्योहार इसी अवधि में ही आते हैं।

बड़े त्योहारों में केवल होली है, जो इस चातुर्मास की अवधि से बाहर है। यदि कोई शुभ कार्य नहीं हो सकते तो बड़े-बड़े त्योहारों की श्रृंखला का प्रावधान इसी अवधि में क्यों किया गया है ? इस प्रश्न का उत्तर हमें इन आयोजनों के विश्लेषण में मिल जाता है। चातुर्मास में जो त्योहार होते हैं, और जिन आयोजन को या कार्यों को निषेध बताया गया है, इन दोनों का विचार करें तो हम पाएंगे कि वर्जित किए गए सभी आयोजन भले दिखने में सामूहिक लगते हों, उनका आयोजन समूह में होता हो पर वे सभी व्यक्तिगत हित के उत्सव हैं, व्यक्तिगत प्रभाव की स्थापना या प्रदर्शन के आयोजन हैं। उन आयोजनों में समाज या राष्ट्र हित निहित नहीं है। लेकिन इन चार माह में जिन त्योहारों का प्रावधान किया गया है, वे सब व्यक्ति, परिवार, समाज राष्ट्र और लोक कल्याण के है।

व्यक्तिगत हित या व्यक्तित्व के प्रभाव का प्रदर्शन एक बात है और व्यक्ति या व्यक्तित्व का निर्माण बिलकुल दूसरी बात है। जैसे विवाह, नामकरण, यज्ञोपवीत, नए घर का निर्माण आदि कार्य केवल व्यक्ति या परिवार हित तक ही सीमित होते हैं। इनसे व्यक्तिगत संतोष और सुख तो मिलता है लेकिन परिवार का आंतरिक उत्थान नहीं होता। जबकि दूसरी ओर जिन त्योहारों के आयोजन होते हैं वे सब किसी निजीत्व के प्रदर्शन या प्रसन्नता के लिए नहीं अपितु व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के सशक्तिकरण और समृद्धिकरण के निमित्त हैं। उनका उद्देश्य व्यक्ति को तन से, मन से, बुद्धि से और विवेक बल से समृद्ध बनाना है, परिवार को सशक्त बनाना है, समाज को संगठित और उन्नत बनाना है, और संपूर्ण राष्ट्र एकता के सूत्र में आबद्ध करना है । त्योहारों के माध्यम से चातुर्मास की इस अवधि में व्यष्टि से समष्टि तक के एकाकार होने की यात्रा होती है। भारतीय वाड्मय में कोई उत्सव, कोई त्योहार अथवा कोई परंपरा यूं ही नहीं होती। उसके पीछे गहरा अनुसंधान होता है, व्यक्ति, समाज प्रकृति और सृष्टि का अध्ययन होता है। और निष्कर्ष से समाज को एकाकार किया जाता है। चातुर्मास के इन प्रावधानों में मानों शरीर विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, मनोविज्ञान, प्राणी विज्ञान, वनस्पति विज्ञान ही नहीं अंतरिक्ष विज्ञान के निष्कर्ष को भी समाहित किया गया है। जो बात आधुनिक विज्ञान ने आज कही है उसके निष्कर्ष का क्रियान्वयन भारतीय परंपराओं के प्रचलन अनादि काल से हो रहा है।

लेखक : रमेश शर्मा
स्वतंत्र टिप्पणीकार

आधुनिक विज्ञान ने उन्नीसवीं और बीसवीं शताब्दी जाना कि मनुष्य सहित चींटी से लेकर हाथी तक संसार के सभी प्राणीं एक दूसरे के पूरक हैं। और सृष्टि की नियामक शक्ति प्रकृति है। प्रकृति से समन्वय और संतुलन बनाकर ही धरती पर जीवन समृद्ध और दीर्घ जीवी होगा। यदि प्रकृति का क्षय होगा तो किसी का जीवन नहीं बचेगा। यह बात भारतीय ऋषियों ने हजारों वर्ष पहले खोज ली थी, और इसकी सावधानियां ही इस चातुर्मास के आयोजन में है। इसे अनदेखा करके दुनिया ने विकास के नाम विनाश का मार्ग पकड़ लिया है। हम जानते हैं कि प्राणी को भोजन, पानी श्वांस और आरोग्य सब प्रकृति से मिलता है। प्रकृति में जितने पदार्थ जिस अनुपात में हैं वे सब उसी अनुपात में मनुष्य देह के भीतर हैं। और यह सभी पदार्थ पांच तत्वों से बने हैं। ये तत्व धरती, आकाश अग्नि जल और पवन हैं। यदि प्रकृति में इनके अनुपात में परिवर्तन होगा तो इसका प्रभाव प्राणी देह पर भी पड़ता है। इन चार महीनों में इन पांच तत्व के अनुपात में परिवर्तन आता है। यदि सावधानी से इस परिवर्तन के अनुरूप स्वयं को सक्षम न किया तो यह अवधि मनुष्य को रोग ग्रस्त बना देगी। इन चार महीनों की त्योहार परंपरा का नियमन करने पर मनुष्य में शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक रूप से सक्षमता तो आती ही है, इसके अतिरिक्त उसका दृष्टिकोण सकारात्मक और सद्भाव से भरा होगा।

चातुर्मास की अवधि में उत्सव परंपरा को समझने के लिए तीन विषयों पर ध्यान देना होगा। एक मनुष्य की संरचना का रहस्य, दूसरा प्राणियों एवं वनस्पति का जीवन में उपयोगिता और तीसरा पुराणों में वर्णित कथाओं का संदेश। यदि कथाओं के रहस्य को समझेंगे तो पाएंगे कि उनमें प्रथम दोनों बिंदुओं के निष्कर्ष का समाधान है। मनुष्य का व्यक्तित्व दो प्रकार का होता है। एक जो दिखाई देता है, और दूसरा जो दिखाई नहीं देता। जैसे चेहरा हाथ पैर त्वचा, मांस, हड्डियां, हृदय, आदि सब देख सकते हैं पर मन, भाव विचार वृत्ति, विवेक, ज्ञान, मेधा, प्राण शक्ति आदि दिखाई नहीं देते। जैसे शरीर के रोग होते हैं,वैसे ही मन, प्राण, चित्त, वृत्ति, भाव आदि भी रोग ग्रस्त होते हैं। जिस प्रकार शरीर की व्याधियां और रोग मनुष्य के मन, वचन विवेक विचार वृत्ति सबको प्रभावित करती हैं, उसी प्रकार मन, भाव विचारों की व्याधियां भी शरीर को प्रभावित करते हैं, और इन सबका प्रभाव मनुष्य के जीवन ही नहीं वरन् पूरे वातावरण पर प्रभाव डालता है। परिवार पर पड़ता है । समाज पर पड़ता है और देश पर भी पड़ता है । व्यक्ति के स्वास्थ्य का प्रभाव उसकी प्रगति, उसके कार्य और कार्य की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है। इसलिए भारतीय वाड्मय में शरीर के साथ मन बुद्धि ज्ञान विवेक के स्वास्थ्य और आत्म शुद्धि पर भी ध्यान दिया गया है।

मनुष्य देह में मुख्यत: पांच आयाम होते हैं। एक शरीर जो भोजन अर्थात अन्न से आकार पाता है इसे 'अन्नमय कोष' जिसे शरीर कहते हैं। दूसरी चेतना जिससे शरीर सक्रिय रहता है इसे 'प्राणमय कोष' कहते हैं। तीसरा मन जिसके संकेत पर प्राण शक्ति सक्रिय होकर शरीर को संचालित करती है, इसे 'मनोमय कोष' कहते हैं। चौथा ज्ञान जिससे उत्पन्न विवेक मन की इच्छाओं को संतुलित करता है इसे 'ज्ञानमय कोष' कहते हैं और अंत में आत्मा जिसका संबंध परमात्मा (यूनिवर्स की एनर्जी) से होता है, इसे आत्ममय कोष कहते हैं। चातुर्मास के इन चार महीनों में मनुष्य को चींटी से हाथी तक सभी प्राणियों को समृद्ध बनाने का रहस्य छुपा हुआ है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नजरिया

नाथद्वारा का विश्वास स्वरूपम और पर्यटन की नई संभावना

राजस्थान के नाथद्वारा में स्थित विश्वास स्वरूपम (स्टैच्यू ऑफ बिलीफ) पर्यटकों को लुभाने लगा है। दो साल पहले नवंबर में उद्घाटन के बाद से अब तक 15 लाख से अधिक पर्यटक यहां पहुंचकर भगवान शिव का आशीर्वाद ले चुके हैं। यहां भगवान शिव की यह 369 फीट ऊंची मूर्ति है। यह केंद्र तेजी से प्रमुख आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्थल के रूप में उभर रहा है। नाथद्वारा झीलों की नगरी उदयपुर से मात्र 45 किलोमीटर की दूरी पर है।

लेखक : मदन पालीवाल
स्वतंत्र टिप्पणीकार

राजसमंद के नाथद्वारा के आसपास का इलाका प्राकृतिक रूप से बेहद समृद्ध है। अरावली पर्वतमाला के पास बनास नदी के किनारे पर बसे इस नाथद्वारा को श्रीनाथजी नाथद्वारा के नाम से ही जाता जाता है। श्रीनाथजी के मंदिर की वजह से आज नाथद्वारा की पहचान केवल देश में ही नहीं, बल्कि विदेश में भी है। यह जानना भी दिलचस्प होगा कि यह मूर्ति दुनिया में भगवान शिव की सबसे ऊंची मूर्तियों में से एक है। यह 32 एकड़ में फैली हुई है और कुल ऊंचाई 112 मीटर (34 मीटर आधार सहित)है। इसे 2.5 लाख क्यूबिक टन कंक्रीट से बनाया गया है। इस मूर्ति का जीवनकाल लगभग 250 वर्ष अनुमानित है। इसे 250 किलोमीटर प्रति घंटे तक की हवाओं को आसानी से झेलने और भूकंपीय क्षेत्र चतुर्थ में भी स्थिर रहने के हिसाब से डिजाइन किया गया है। प्रतिमा में 270 फीट और 280 फुट की ऊंचाई पर दीर्घाएं हैं। यहां पर्यटक 351 फुट की ऊंचाई पर जाकर जलाभिषेक और भू-स्तर पर चरणवंदना कर सकते हैं।

यहां रोमांच बढ़ाने के लिए 20 फीट की ऊंचाई पर एक नया अनोखा 3डी अनुभव 'आत्ममंथन' शुरू किया गया है। इस आकर्षण में 17 अलग-अलग विशेष प्रकार की दीर्घाएं हैं। यह दीर्घाएं प्रकृति के विभिन्न तत्वों से प्रेरित है। कुछ में पांच तत्वों-वायु, जल, पृथ्वी, अग्नि, आकाश, और ब्रह्मांड दर्शन का अन्वेषण किया गया है। कुछ पौराणिक कथाओं जैसे समुद्र मंथन और कल्पतरु वृक्ष से प्रेरित हैं। 'क्रिस्टल टेरेन' 'द काइनेसिस ऑफ बिलीफ' और 'ओम बेल' जैसी दीर्घाएं गहन और परिवर्तनकारी अनुभव प्रदान करती हैं। 'कैलास मानसरोवर' और 'टनल टू इटरनिटी' जैसी दीर्घाएं आत्मावलोकन और आत्मज्ञान को प्रेरित करती हैं।

खास बात यह है कि मेवाड़ इलाके के राजसमंद जिले के नाथद्वारा में स्थित जगप्रसिद्ध श्रीनाथजी देशभर में आराध्य देव के रूप में पूजे जाते हैं। श्रीनाथजी नाथद्वारा में हवेली में विराजते हैं। यह हवेली श्रीनाथजी की हवेली के रूप में जानी जाती है। इसे मेवाड़ के तत्कालीन महाराणा राज सिंह ने बनवाया था। मेवाड़ में श्रीनाथजी की पूजा बाल स्वरूप के रूप में की जाती है। यहां पर दिन में करीब आठ बार भगवान की अलग-अलग रूपों में पूजा-अर्चना होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी श्रीनाथजी के मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। मेवाड़ की पावन धरा पर पहुंचने वाले लगभग सभी लोग श्रीनाथजी के दर्शन किए बगैर यहां से नहीं जाते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कविता

गुमनाम

सुमित कौशल
समोट, जिला चंबा

घूम रहे कहीं गुमनाम
चलता रहा, रुका क्या?
दिखा नहीं चूका क्या?
स्तब्ध हुआ जो नजरों में
प्रलोभन की पवनों में
एक शोर अंदर का
एक शोर बाहर का।
गरिमा को अड़ गया
पहाड़ जैसा भिड़ गया
अंतिम सांस का झोंका
जग महज एक
अपेक्षाओं का धोखा
छूट गया जो अपना है
जग तो महज एक सपना है
थके हारे डगमगाता
खुशी के गीत गाता
एक शोर अंदर का
एक शोर बाहर का।

हिंदुओं को हिंसक बताना बिलकुल गलत

लोकसभा चुनावों की बेला पर राहुल गांधी संविधान को खतरे में बताकर बेशक भाजपा को पटखनी दे पाए हैं। बिपक्ष का नेता बनते ही राहुल गांधी ने संसद में हिंदुओं को हिंसक करार देकर एक बहस को छेड़ दिया है। गुजरात में गुसाए भाजपा समर्थकों ने कांग्रेस कार्यालय को जला दिया है। राहुल गांधी अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुजरात से हराने को लेकर लिखित शपथ पत्र देने का दावा किए हैं। बारणासी की जनता राहुल गांधी के हिंदुओं के खिलाफ दिए गए बयान को लेकर कड़ा विरोध जता रही है।

राहुल गांधी द्वारा हिंदुओं खिलाफ दिया बयान धीरे-धीरे एक चिंगारी का काम कर रहा, जिसकी लपटें देश का माहौल बिगाड़ सकती हैं। हिंदू धर्म के संगठनों द्वारा अब राहुल गांधी का इस बयान को लेकर पूरे देशभर में विरोध-प्रदर्शन किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर राहुल गांधी के पुतले जलाने,उसकी फोटो को पैरों नीचे कुचलने की कई वीडियो लोगों ने वायरल कर दी है। भाजपाई इस बात का तर्क भी दे रहे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 400 पार का नारा आखिर क्यों बुलंद किया था। कांग्रेस लोकसभा में सेंचुरी भी बना नहीं पाई और राहुल गांधी ने हिंदुओं को हिंसक करार देकर अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का काम किया है। कांग्रेस केंद्र में सत्तासीन होती तो हिंदुओं के अधिकारों की पैरवी कौन करता, आज सवाल खड़ा हुआ है?। नेताओं को सार्वजनिक मंचों पर अपनी जुबान खोलने से पहले सौ बार जरूर सोचना चाहिए। भारतीय संसद में खड़े होकर राहुल गांधी ने हिंदुओं को हिंसक बताना बिलकुल गलत था। राहुल गांधी ने हिंदू,सिख और ईसाई धर्म के अनुयायियों की फोटो हाथों में उठाकर अभयमुद्रा का उदाहरण देकर हिंदुओं को हमेशा हिंसक बताया। राहुल गांधी के अभ्यमुद्रा पर दिए गए बयान को लेकर सिख समुदाय ने कड़ा एतराज जताया है। राहुल गांधी अक्सर अपने भाषणों में ऐसा बयान देकर लोगों को उंगलियां दांतों नीचे दबाने के लिए मजबूर कर जाते हैं। राहुल गांधी कभी हिंदुओं की शक्ति का नाश किए जाने का दावा करते हैं। भारत माता के अस्तित्व बारे बोलना भी गलत है। कभी भारतीय सेना खिलाफ आवाज मुखर करते हैं।

लेखक : सुखदेव सिंह
वरिष्ठ पत्रकार, नूरपुर

सर्जिकल स्ट्राइक की फोटो केंद्र सरकार से मांगकर वह बीर सैनिकों का अपमान कर चुके हैं। वह विदेशों में जाकर भारत को रहने लायक देश न बताकर भी करोड़ों भारतीयों का उपहास उड़ा चुके हैं। पूर्व केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई 'मेड इन इंडिया' स्कीम का भी वह विरोध करना नहीं भूलते हैं। स्वयं राहुल गांधी कभी आलू से सोना बनाना,गंदे पानी के गटर से गैस बनाए जाने के बेतुका दावे करते हैं। बेरोजगारी कुछ ही मिनटों में खत्म करने और महिलाओं के बैंक खातों में एक लाख रुपए जादू से डालने की बातें करके हंसी के पात्र बने हैं। हिंदू आज जातियों में बंटकर रह गया, इसलिए राहुल गांधी जैसे नेता हिंदुओं खिलाफ ऐसी बयानबाजी करने की कोशिश किए हैं।

हिंदू समाज में आरक्षण को लेकर आज विरोधाभास चल रहा है। समाज का एक वर्ग दलित, वंचितों को हिंदू मानने को तैयार नहीं है। राहुल गांधी ने इसी बात का लाभ उठाकर लोकसभा चुनावों में इन समुदाय के लोगों की भावनाओं को भड़काकर 99 सीटें हासिल की थी। राहुल गांधी भली-भांति जानता की स्वर्ण समाज दलितों के साथ आरक्षण को लेकर हमेशा विरोधाभास में रहता है। ठीक ऐसे हालात में हिंदू समाज में कभी एकता कायम नहीं की जा सकती है,। आजादी के उपरांत भी जिस समुदाय को समाज का एक वर्ग समानता की नजर से नहीं देखता, वहां एकता कायम रखना बहुत बड़ी चुनौती है। देश भर में हिंदुओं का धर्म परिवर्तन किए जाने का सिलसिला जोरों पर चल रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कभी संसद में चिंतन नहीं किया है।

दक्षिण एशिया देशों में भारत ही एक हिंदू बहुल देश जिसमें सनातन धर्म के लोगों की तादाद ज्यादा है। पाकिस्तान,बांग्लादेश और अफगानिस्तान में हिंदुओं की गिनती उंगलियों पर की जा सकती है। भारतीय संसद में हिंदुओं को हिंसक बताने वाला राहुल गांधी किस धर्म का, देश की जनता जानना चाहती है?। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बहुसंख्यक आवादी का नेता इसलिए उसे हिंदू नहीं मानना नासमझी है। उत्तर प्रदेश हाथीरस भगदड़ कांड में मारे गए 121 दलितों के परिजनों का राहुल गांधी कुशलक्षेम पूछकर आए हैं। तमिलनाडु में जहरीली शराब पीने से 65 दलितों की मौत होने का समाचार है। मृतकों के परिजनों का दुख दर्द बांटने के लिए राहुल गांधी अभी तक नहीं गए हैं। किसान आंदोलन पर बैठे तो राहुल गांधी सत्ता में आने पर फसलों पर एमएसपी लागू किए जाने का आश्वासन किसानों को देते हैं। पड़ोसी देशों में अत्याचारों से दुखी होकर भारत की शरण में आने वाले हिंदुओं को पूर्व केंद्र सरकार नागरिकता मुहैया करवाए तो भी कांग्रेसी नेता विरोध करते हैं। प्रताड़ित लोगों को भारतीय नागरिकता मिलने का विरोध जताने वाला देश प्रेमी कभी नहीं हो सकता है। एनडीए सरकार द्वारा अभी लागू किए गए तीन नवीन कानूनों को लेकर भी इंडिया गठबंधन के नेता इसका विरोध जता रहे हैं। आज हिंसक कौन है, देश की जनता भली भांति जान चुकी है।

हिंदू हिंसक होता तो हमारी सीमाओं पर घुसपैठ न होती, आतंकवाद नासूर न बनता,बेटियों का लव जिहाद, भारत हिंदू राष्ट्र बन गया होता,धर्म निरपेक्ष,काबड़ यात्रा न रोकी जाती,नालंदा न जलता, सनातन संस्कृति न छिनी जाती,बजुर्गों के गले न रेते जाते,भगवान श्री राम को कोई काल्पनिक नहीं कहता, रामनवमी पर पत्थर न पड़ते, हिंदू अगर हिंसक होता तो उसे हिंसक कहने वाले का अभी तक क्या हश्र होता?। हिंदू समाज की बेटी अगर कुछ कहे तो उसका सिर कलम करने के लिए लोग उतारू हो जाते हैं। हिंदू समाज को एकजुट होकर ऐसे लोगों को अब सबक सिखाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की जनता का प्रतिनिधित्व करते हुए हिंदू धर्म के संरक्षक हैं। ऐसे में देश की जनता उन्हें सम्मान देती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

स्व. हीरा सिंह ठाकुर ने गुरु वशिष्ठ स्वरूप तराशे अनेक खास व्यक्तित्व

जैसे कहां भी जाता कि इंसान की असली अहमियत और महत्वता की पहचान इंसान के विदा होने के बाद ही समझ आती है, वह चाहे फिर दुनिया को अलविदा कहने के बाद या फिर किसी भी क्षेत्र से सेवानिवृत्त होने से हो। क्योंकि जब कोई खास व्यक्तित्व अर्थात जो समाज और देश में अपनी अहम भूमिका निभा रहा होता, तो तब तक हम उनके व्यक्तित्व से कहीं न कहीं बेखबर होते हैं, जिनके संघर्ष और काबिलियत का इतिहास गवाह रहता है।

आज हम उसी परिप्रेक्ष्य में एक ऐसे खास व्यक्तित्व पर प्रकाश डालने का प्रयास करेंगे, जिन्हें आज भी क्षेत्र-समाज के लोग बड़े ही आदर भाव और सम्मान के साथ याद करते हैं, जो अपने (सख्त रवैया और कड़े अनुशासन) के लिए जाने जाते थे, जी हां ऐसे खास व्यक्तित्व थे, जिला सिरमौर के शिलाई से संबंध रखने वाले स्व हीरा सिंह ठाकुर जी जो शारीरिक शिक्षक रहे, जिनका नाम सुनकर भी खिलाड़ियों को मानों पसीना आने लगता था, जो खिलाड़ियों को तराशने वाले असली जोहरी माने जाते थे। तो वहीं समाजसेवी भी। जिन्होंने खेल के क्षेत्र में ब्लॉक स्तर से, जिला एवं प्रदेश महासचिव के पद तक का निर्वहन बखूबी करते रहे, जो शिलाई के बादली गांव से संबंध रखते थे। कुछ ऐसा ही खास व्यक्तित्व था, स्व हीरा सिंह ठाकुर जी का , जिन्होंने शिलाई सिरमौर से कबड्डी के क्षेत्र में ऐसे सैकड़ों कबड्डी के बेहतरीन खिलाड़ी अर्थात (हीरे) तराशने का काम किया, जिसको आज भी क्षेत्र के लोग सलाम करते हैं। स्व हीरा सिंह ठाकुर जी का शारीरिक शिक्षक के रूप में एक लंबा कार्यकाल और अनुभव इस क्षेत्र में रहा है, स्व हीरा सिंह ठाकुर जी का जिक्र इसलिए भी करना लाजिमी हो जाता है, कि उनके कबड्डी के दौर में ऐसे बेहतरीन और होनहार खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने अनुशासन , मेहनत, जज्बे, काबिलियत, हुनर से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक भारत का नाम रोशन किया है, और वर्तमान में भी कर रहे हैं।

लेखक : हेमराज राणा
स्वतंत्र लेखक, सिरमौर

इनकी इच्छाशक्ति और खेल के पीछे अधिकांश खिलाड़ियों के गुरु रहे, स्व हीरा सिंह ठाकुर जी की प्रेरणा और कबड्डी के सिखाए वे तमाम गुर मानते हैं। जिन खिलाड़ियों में अंतरराष्ट्रीय महिला कबड्डी खिलाड़ी और अर्जुन अवॉर्डी श्रीमती ऋतु नेगी, जो मूलत: सिरमौर के शिलाई क्षेत्र से ही संबंध रखते हैं, जिनकी शादी हरियाणा के प्रसिद्ध खिलाड़ी के साथ हुई,जो वर्तमान में भारतीय रेलवे में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है। तो वहीं कैप्टन ऋतु नेगी की अगुवाई में भारत ने महिला कबड्डी विश्व कप में स्वर्ण पदक विजेता बनकर भारत का नाम विश्व पटल पर गौरवान्वित किया, तो वहीं दूसरी ओर दूसरी अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी प्रियंका नेगी, जिन्होंने देश-भर में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक रिकॉर्ड अपने नाम किए।

जो वर्तमान में हिमाचल प्रदेश पुलिस विभाग में अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। तो वहीं सिरमौर से ही अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी पुष्पा राणा, जिनकी काबिलियत का लौहा हर कोई मानता है, जो एक आलराउंडर अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के रिकार्ड अपने नाम किए हैं, तो वहीं सिरमौर के शिलाई से संबंधित श्री अतर सिंह सिंगटा जी, जिन्होंने भारतीय सेना में सेवाएं देने के साथ-साथ कबड्डी के क्षेत्र में अपनी खास पहचान कायम की और कबड्डी में आफिशियल के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी अनूठी पहचान स्थापित की, तो वहीं अंतरराष्ट्रीय महिला कबड्डी खिलाड़ी अंजु सिंघानिया, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान स्थापित की। इस प्रकार सिरमौर में ऐसे अनेकअंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रहे हैं, और आज भी कायम है, जिन्होंने स्व हीरा सिंह ठाकुर जी के रूप में कबड्डी के क्षेत्र में परीक्षण लिया, अर्थात इन सबके खेल गुरु स्व हीरा सिंह ठाकुर जी रहे।

जो आज इस दुनिया में नहीं हैं, परंतु उनके तराशे ये अनेक हीरे मानों देश प्रदेश को शिखर तक पहुंचाने में आसमां में चांद की तरह चमक रहे हों। इसलिए जैसे कहा भी जाता है कि महान व्यक्तित्व और विशेष व्यक्तित्व की असली परख और पहचान चले जानें के बाद बखूबी याद आती है कि इंसान ने कितना नाम कमाया या फिर अपने जीवन को आम आदमी की तरह ही जिया। क्योंकि इतिहास हमेशा उनका ही लिखा एवं याद किया जाता है जिन्होंने किसी भी क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभाई या फिर देश समाज के लिए बड़ा त्याग और बड़ा नाम रोशन किया है, इसी प्रकार की खास शख्सियत रहीं स्व हीरा सिंह ठाकुर जी शारीरिक शिक्षक के रूप में, जिन्होंने उस दौर में भी अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के कबड्डी खिलाड़ियों को तलाशने का काम किया, जिस दौर में क्षेत्र समाज में मूलभूत सुविधाएं भी क्षेत्र में उपलब्ध नहीं हुआ करती थी। जिन खिलाड़ियों से युवा एवं आज का खिलाड़ी गौरवान्वित महसूस करता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक समरजीत, समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN01099
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

9 दिसंबर, 2021 के समझौते को लागू किया जाए अन्यथा देशभर में फिर होगा आंदोलन

संयुक्त किसान मोर्चा ने दी चेतावनी, सांसद के समन्वयक को ज्ञापन सौंपा

अनिल शर्मा, मंडी

लोकसभा सदस्य कंगना रनौत को उनके मंडी कार्यालय समन्वयक के माध्यम से संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने अपनी लंबित मांगों के बारे एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में किसान नेता कुशाल भारद्वाज, जोगिंद्र वालिया, रामजी दास, प्रेम चौधरी, हेम राज, ललित ठाकुर तथा सुरेश सरवाल आदि भी शामिल रहे।

ज्ञापन सौंपते हुए संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारी।

संयुक्त किसान मोर्चा के नेता एवं किसान सभा के जिला अध्यक्ष कुशाल भारद्वाज ने बताया कि 16 से 18 जुलाई को देश भर में हर सांसद को इस तरह के ज्ञापन दिए जा रहे हैं। इस दौरान मंडी की सांसद कंगना रनौत के अपने संसदीय क्षेत्र से बाहर होने के चलते मंडी स्थित उनके कार्यालय सचिव के माध्यम से यह ज्ञापन सौंपा गया। जिला सचिव रामजीदास ने कहा कि केंद्र सरकार को यह समझना चाहिए कि सत्तारूढ़ गठबंधन को पांच राज्यों में 38 ग्रामीण लोकसभा सीटों पर हार का सामना करना पड़ा है, जहां किसान आंदोलन मजबूत था। पूरे ग्रामीण भारत में सत्तारूढ़ गठबंधन ने 159 सीटें खो दी हैं। यह लंबे समय से चले आ रहे कृषि संकट का परिणाम है और यह भविष्य में कृषि नीतियों में बड़े बदलाव की आवश्यकता को रेखांकित करता है। एनडीए-दो सरकार को एसकेएम और केंद्र सरकार के बीच 9 दिसंबर, 2021 को हुए समझौते के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि हमारी लंबे समय से लंबित मांग जैसे कि लाभकारी और गारंटीकृत एमएसपी के साथ खरीद, व्यापक ऋण माफी, बिजली के निजीकरण को निरस्त करना आदि शामिल हैं। 736 शहीदों के सर्वोच्च बलिदान और 384 दिनों-26 नवंबर, 2020 से 11 दिसंबर, 2021 तक दिल्ली की सीमाओं पर लगातार और उग्र संघर्ष में भाग लेने वाले लाखों किसानों की पीड़ा की पृष्ठभूमि में, इस समझौते पर भारत सरकार के कृषि विभाग के सचिव ने हस्ताक्षर किए। ज्ञापन में कहा कि भारत में प्रतिदिन 31 किसान आत्महत्या कर रहे हैं। तीव्र कृषि संकट, किसानों की आत्महत्या, ग्रामीण से शहरी संकट पलायन और बढ़ती आय और धन असमानता को हल करने के लिए नीतियों में बदलाव आवश्यक है इसलिए एसकेएम ने कॉर्पोरेट समर्थक नीतियों में बदलाव, 9 दिसंबर, 2021 के समझौते को लागू करने और अन्य प्रमुख मांगों को लेकर आंदोलन को फिर से शुरू करने का फैसला किया है। (अनंत ज्ञान)

दानवीर कर्ण श्री मूल माहूंनाग का प्रकटोत्सव शुरू

तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने किया शुभारंभ

पीयूष शर्मा, करसोग

देवता दानवीर कर्ण श्री मूल माहूंनाग बखारी कोठी का दो दिवसीय प्रकटोत्सव धूमधाम से शुरू हुआ।

प्रकटोत्सव का शुभारंभ राज्य सरकार के तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने किया। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री ने देवता दानवीर कर्ण श्री मूल माहूंनाग की पूजा-अर्चना कर देवता का आशीर्वाद लिया। इस मौके पर तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश देवी-देवताओं की भूमि है और देवताओं के आशीर्वाद से ही हम सब आगे बढ़ते हैं। दानवीर कर्ण श्री मूल माहूंनाग का नाम प्रदेश में आस्था और विश्वास के साथ जुड़ा हुआ है। इनका नाम सुनते ही स्वत: इनके श्री चरणों में हम सब का शीश झुक जाता है।

भाजपा विधायकों द्वारा फरवरी माह में विधानसभा में षड्यंत्र के तहत ऐसा माहौल बनाया गया कि प्रदेश सरकार गिर रही है, लेकिन भगवान की कृपा दृष्टि और आशीर्वाद से प्रदेश सरकार पुन: मजबूत होकर उभरी है और विधानसभा में फिर से सरकार के विधायकों की संख्या 40 हो गई है। प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए प्रयासरत है और 22 हजार पदों को इसी साल भरा जा रहा है। वेटरनरी विभाग में फार्मासिस्टों को हाल ही में नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं, जबकि राजस्व विभाग में एक हजार पटवारियों की भर्ती की जा रही हैं। राज्य सरकार पात्र महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपए और सालाना 18 हजार रुपए प्रदान कर रही है, जिससे प्रदेश की हजारों महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया है और भ्रष्टाचार के सभी दरवाजों को बंद किया है। (अनंत ज्ञान)

दानवीर कर्ण श्री मूल माहूंनाग के दो दिवसीय प्रकटोत्सव का शुभारंभ करते मुख्यातिथि।

निर्माणाधीन आईटीआई का कार्य जल्द पूरा किया जाएगा

लोगों द्वारा प्रस्तुत की गई मांगों को पूर्ण करने का आश्वासन देते हुए कहा कि करसोग में निर्माणाधीन आईटीआई को 3.50 करोड़ रुपए प्रदान कर निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा किया जाएगा। मांहूनाग में निर्माणाधीन पीएचसी को पूर्ण करने के लिए आवश्यकतानुसार धन राशि उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके अतिरिक्त मंत्री ने स्थानीय लोगों की मांग पर मांहूनाग में आईटीआई खोलने की संभावना तलाशने और सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का भी आश्वासन दिया।

मर्ज होने वाले स्कूलों के टीचर्स नजदीकी स्कूलों में हों एडजस्ट

अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ शिक्षा खंड चौंतड़ा प्रथम ने शिक्षा मंत्री से मांग की है कि सरकार पांच विद्यार्थियों वाले जिन 700 स्कूलों को मर्ज करने की तैयारी कर रही है, उन स्कूलों के अध्यापकों को भी छात्रों के साथ ही नजदीकी स्कूलों में शिफ्ट किया जाए। क्योंकि आज नर्सरी से लेकर पांचवी तक 8 कक्षाएं हो गई हैं, जिन्हें केवल दो अध्यापक पढ़ा रहे हैं। इसलिए आज आवश्यकता है कि सरकार इन शिफ्ट किए जा रहे छात्रों के साथ अध्यापकों को भी नजदीकी स्कूलों में पद सहित तैनाती दे और उन स्कूलों में कम से कम कक्षावार पांच अध्यापकों को तैनात करें।

इससे उन स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी और भविष्य में दोबारा कभी उस विद्यालय को मर्ज करने की आवश्यकता ही न पड़ेगी। यदि हम वर्तमान शैक्षिक ढांचे की बात करें, तो इसमें मूलभूत परिवर्तन करने की जरूरत है, जो हमारा वर्तमान में शैक्षिक ढांचा पुराना हो चुका है और अब हम इसे एक नई सोच के अनुसार बदलने की जरूरत है। वर्तमान समय में अभिवावकों का अपने बच्चों को दो अध्यापकों के सहारे प्राथमिक स्तर की शिक्षा उपलब्ध करवाने की व्यवस्था पर से भरोसा डगमगा गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और एनएफसी 2023 के दिए गए आयामों को हासिल करने के लिए हमें वर्तमान शिक्षा प्रणाली मे मूलभूत परिवर्तन की आवश्यकता है। इसके लिए अब हमें हर स्कूल में 5 शिक्षकों की जरूरत है तभी शिक्षा में गुणवत्ता आ सकती है। इस विषय में विस्तृत चर्चा के लिए प्राथमिक शिक्षक संघ चौंतड़ा प्रथम का वार्षिक अधिवेशन आगामी 28 को रखा गया है। संघ ने चेताया कि यदि सरकार मर्ज होने वाले स्कूलों के अध्यापकों को भी स्थायी तौर पर पद सहित नजदीकी स्कूलों में तैनात नहीं करेगी, तो संघ इसका कड़ा विरोध करेगा। (अनंत ज्ञान)

जिला परिषद के पंचायत सचिवों ने मांगी पदोन्नति और विलय

भगत सिंह गुलेरिया, मंडी

जिला परिषद के अधीन कार्यरत पंचायत सचिवों ने मुख्यमंत्री सुक्खू और पंचायतीराज व ग्रामीण विकास मंत्री अनिरुद्ध सिंह से मांग की है कि उनका विलय संबंधित विभागों में किया जाए।

बुधवार को जिला परिषद भवन भीऊली में आयोजित जिला पंचायत सचिव संघ की बैठक में इस आशय का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में यह भी मांग उठाई कि लगभग 25 सालों से ये सचिव प्रमोशन चैनल से भी वंचित हैं। यही नहीं जैसे-जैसे ये रिटायर हो रहे हैं, तो इन्हें खाली हाथ ही घर जाना पड़ रहा है क्योंकि जिला परिषद के अधीन होते हुए इन्हें सेवा निवृत्ति पर किसी भी प्रकार का वित्तीय लाभ नहीं मिलता। बैठक में प्रस्ताव पारित कर मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष व पंचायतमंत्री द्वारा उन्हें छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के तहत वेतनमान देने के लिए आभार व्यक्त किया गया। (अनंत ज्ञान)

किशन चंद दूसरी बार बने जिला प्रधान

जिला परिषद के अधीन कार्यरत जिला पंचायत सचिव संघ का पुनर्गठन किया गया। बैठक में जिले के 14 में से 12 ब्लॉक के पंचायत सचिवों ने भाग लिया। किशन चंद (सदर) को दूसरी बार जिला का प्रधान चुना गया। रमेश कुमार (द्रंग) उपप्रधान, विनोद कुमार (चौंतड़ा) महासचिव, ठाकुर देवी (गोहर) सह सचिव और वीर सिंह (सराज) को कोषाध्यक्ष चुना गया। मूलचंद व जगदीश ठाकुर को मीडिया प्रभारी तथा दीपक शर्मा मुख्य सलाहकार बनाए गए। इसके अलावा सुभाष चंद्र, रजत शर्मा, टेक चंद्र, मनोज कुमार, मेघ सिंह, रोशन लाल, कौशल्या देवी, भिवानी व प्रवीण कुमारी को सदस्य बनाया गया है।

एकादशरुद्र महादेव मंदिर में श्रावण महोत्सव का शुभारंभ

अनिल, मंडी। मंडी के ब्यास नदी के तट पर स्थिति ऐतिहासिक एकादशरुद्र महादेव मंदिर में श्रावण महोत्सव का शुभारंभ हो गया। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायक्त रोहित राठौर ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर श्रावण महोत्सव का शुभारंभ किया। मंदिर के पुजारी स्वामी सत्त सुंदरम ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रावण महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। बीते 44 वर्षों से श्रावण मास महोत्सव के दौरान ओम नमों शिवाय के अखंड जाप की अविरल गंगा बहती आई है। मंदिर में अखंडज्योति के अलावा सनातन परंपरा के साथ ही पूरे श्रावण मास में लंगर की व्यवस्था की जाती है।

अतिरिक्त उपायुक्त की ओर से अखंड ज्योति प्रज्वलित करने के साथ ही अखंड जाप भी शुरू हो गया है। श्रावण मास के दौरान प्रत्येक सोमवार को आर्ट आफ लिविंग और श्री सत्य साईं सेवा समिति की ओर से भजन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं, प्रत्येक मंगलवार को सुंदरकांड का पाठ किया जाएगा। इसके अलावा रात्रि भजन-कीर्तन के साथ भगवान भोले शंकर की महिमा का जाप गुंजायमान रहेगा। (अनंत ज्ञान)

जोगिंद्रनगर अस्पताल में जल जनित रोगों से लोग संक्रमित

अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर

जोगिंद्रनगर उपमंडल में पीलिया जैसे जल जनित रोगों की रोकथाम को लेकर प्रतिदिन 50 से अधिक लोगों के टेस्ट किए जा रहे हैं। वहीं, आज राजपत्रित अवकाश के चलते अस्पताल में स्थित निजी लैब में एक सौ के लगभग टेस्ट किए गए, जिनमें से लगभग 20 के लगभग मामलों में पीलिया के लक्षण पाए गए। हालांकि सिविल अस्पताल जोगिंद्रनगर में अभी भी डेढ़ दर्जन के करीब पीलिया से ग्रसित रोगी उपचार के लिए भर्ती हैं, जिनका उपचार चल रहा है।

इनमें बच्चों की संख्या कुछ ज्यादा है, जबकि पीलिया के लक्षण पाए जाने वाले कुछ लोगों को दवाइयां आदि देकर घर भी भेजा जा रहा है। गंभीर लक्षण पाए जाने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती किया जा रहा है। उधर, जल शक्ति विभाग द्वारा भी पेयजल के स्रोतों पर पूरी नजर रखी जा रही है और भंडारण टैंकों की भी पूरी क्लोरिनेशन की जा रही है, ताकि लोगों का जल जनित रोगों से बचाव हो सके। उपमंडल में पिछले कुछ दिनों में पीलिया जैसे जल जनित रोगों में बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिसे लेकर स्वास्थ्य विभाग सहित जल शक्ति विभाग तथा स्थानीय प्रशासन भी अलर्ट पर आ गए और स्वास्थ्य विभाग ने टेस्ट करवाने की मात्रा बढ़ा दी, ताकि समय रहते इस रोग बारे पता चल सके और इसपर रोक लगाई जा सके। उधर, सिविल अस्पताल जोगिंद्रनगर के उपमंडलीय चिकित्सा अधिकार डॉ. रोशन लाल कौंडल का कहना है कि अस्पताल में जल जनित रोग से संबंधित 15 से अधिक रोगी भर्ती हैं, जबकि प्रतिदिन 50 से अधिक लोगों के टेस्ट करवाए जा रहे हैं। सभी मामले नियंत्रण में हैं। (अनंत ज्ञान)

इंजीनियरों ने हासिल किया प्रशिक्षण

उमेश भारद्वाज, सुंदरनगर

जाइका प्रोजेक्ट हमीरपुर के सौजन्य से कृषक प्रशिक्षण केंद्र सुंदरनगर में सिंचाई योजना बनाने के लिए जरुरी दिशा-निर्देश और सूचि का अनुप्रयोग पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में जाइका परियोजना में कार्यरत जिला मंडी, सिरमौर, हमीरपुर, कांगड़ा, चंबा, ऊना, शिमला और बिलासपुर व सोलन से आए हुए जाइका प्रोजेक्ट के इंजीनियरों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रधानाचार्य कृषि प्रशिक्षण केंद्र सुंदरनगर डॉ. प्राची ने सिंचाई योजना को बनाने से पहले

के जरूरी पहलुओं पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के पहले दिन सिंचाई योजनाओं के संचालन और रख-रखाव तथा सिंचाई योजना के रिकॉर्ड रखने के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए सूचि और दिशा-निर्देश तथा सिंचाई योजनाओं की टेंक क्षमता की डिजाइनिंग बारे विस्तृत जानकारी दी गई। डिजाइन इंजीनियर ने सूचि और दिशा-निर्देश के आधार पर पंपिंग मशीनरी के प्रकार का चयन और स्थापना तथा पानी की आवश्यकता का परिचय और डाटा तैयार करने तथा उनके विश्लेषण के लिए जरुरी दिशा-निर्देश बारे प्रशिक्षत किया। प्रशिक्षण के दूसरे दिन सिंचाई योजना का डाटा तैयार करने और उनके विश्लेषण के लिए विभिन्न सिंचाई प्रणाली में दिशा-निर्देशों के माध्यम से पानी की आवश्यकता की गणना और अनुप्रयोग दक्षता बारे बताया गया। (अनंत ज्ञान)

केवल शिव ही मृत्युमुख में गए व्यक्ति को दीर्घायु देते हैं : आचार्य तिलक

अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर

सनातन धर्म मंदिर जोगिंद्रनगर में पवित्र श्रावण मास में आयोजित श्री शिव पुराण कथा के दूसरे दिन व्यास पीठ आचार्य तिलक राज शर्मा ने शिव महिमा से जुड़े रहस्यों से भक्तों को अवगत करवाया।

शिव की महिमा का व्याख्यान करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक आश्चर्यजनक तथ्य है कि हमारे यहां सबसे अधिक भगवान शिव की पूजा-अर्चना की जाती है। देशभर में सबसे अधिक संख्या में शिव के ही मंदिर हैं। भगवान शिव की पूजा-अर्चना के विशेष दिवस भी अन्य समस्त देवों की तुलना में अधिक हैं। श्रावण मास में पूरा महीना शिव पूजन का विधान है। संपूर्ण भारत में द्वादश ज्योतिर्लिंग भगवान शिव की पूजा-उपासना के ऐसे केंद्र हैं, जहां विश्वभर से हिंदू संप्रदाय के लोग आकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। (अनंत ज्ञान)

संयुक्त सलाहकार समिति के गठन की उठाई मांग

अनिल शर्मा, मंडी

हिमाचल वेलफेयर एसोसिएशन की मंडी जोन की बैठक राज्य उपाध्यक्ष एवं जिला प्रधान हरीश शर्मा की अध्यक्षता में पेंशनर भवन, हॉस्पिटल रोड में आयोजित की गई। बैठक में राज्य व मंडी जोन से संबंधित नौ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के साथ चिंतन किया गया।

इन सभी मांगों के संबंध में राज्य उपाध्यक्ष एवं जिला प्रधान हरीश शर्मा, राज्य महासचिव हुक्म ठाकुर, राज्य उपाध्यक्ष एवं जिला प्रधान कुल्लू शेष राम ठाकुर, राज्य मुख्य सलाहकार लेखराज राणा और जेके नड्डा, राज्य सचिव लेखराम कौंडल, राज्य संयोजक डॉ. केसी मल्होत्रा, राज्य मुख्य संगठन

सचिव रेवतीराम शर्मा, जिला बिलासपुर के प्रधान जगदीश दिनेश, लाहौल-स्पीति के प्रधान रामनाथ, मंडी का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ उपप्रधान जसवंत चंदेल, मंडी के सचिव रोशन लाल कपूर सहित सभी ने एक मत और एक स्वर से प्रदेश सरकार से संयुक्त सलाहकार समिति का गठन करने व प्रदेश तथा जिला स्तर पर जेसीसी की बैठक बुलाने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। इसके अतिरिक्त 2016 के पश्चात सेवानिवृत्त हुए पेंशनरों के एरियर के साथ डीए एरियर का भुगतान एकमुश्त प्रदान करने की मांग भी मुख्यमंत्री के समक्ष जोरदार तरीके से उठाई जाने की वकालत की। बैठक में पेंशनर्स के लंबित पड़े चिकित्सा बिलों के भुगतान के लिए भी प्रदेश सरकार के प्रति रोष व्यक्त किया गया और इस बाबत भी अलग से बजट का प्रावधान करने की मांग मुख्यमंत्री से की गई, जिसके लिए तीन महीने के अंदर कोई भी योजनागत नीति बने, ताकि सभी पेंशनर्स को आखिरी सफर के पड़ाव में किसी भी प्रकार की आर्थिक समस्या का सामना न करना पड़े। (अनंत ज्ञान)

जोगिंद्रनगर में आए दिन जगह-जगह जाम के कारण राहगीर हो रहे परेशान

अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर

जोगिंद्रनगर की मुख्य सड़कों पर हर रोज जाम से अब लोगों को न्यायालय, सरकारी कार्यालय में पहुंचना भी मुश्किल हो गया है।

सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लगने से हादसे का डर सताने लगा है। पुलिस थाना चौक से होकर न्यायालय, लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह, लघु सचिवालय की ओर जाने वाली सड़क पर भी जाम लग रहा है। इस सड़क से होकर न्यायालय में पहुंचने वाले लोग और सरकारी कर्मचारियों का समय पर पहुंचना मुश्किल हो चुका है। सामारीक दृष्टि से अहम मंडी-पठानकोट हाईवे में लगातार वाहनों का दबाव बढ़ रहा है। वहीं, जोगिंद्रनगर-सरकाघाट सड़क पर भी जाम की समस्या विकराल होती जा रही है। बस अड्डे से होकर गुजरने वाली सरकारी व निजी बसें ही नहीं, बल्कि छोटे व्यवसायिक व घरेलू वाहन भी रेंग-रेंग कर गुजर रहे हैं। जाम के कारण स्थानीय व्यापारियों को काफी नुकसान हो रहा है और पार्किंग स्थल न होने से लोग गाड़ियों को इधर-उधर खड़ा कर रहे हैं, जिस कारण जाम लग रहा है। (अनंत ज्ञान)

वुशू में जीते पांच गोल्ड, एक सिल्वर और 17 कांस्य पदक

विनोद जसवाल, नेरचौक

खेलो इंडिया वुशू वुमन जोनल लीग में हिमाचल की टीम ने पांच गोल्ड, एक सिल्वर और 17 कांस्य पदक जीत कर खूब वाहवाही लूटी। नॉर्थ जोन स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन पटियाला में किया गया, जिसमें वुशू के विभिन्न इवेंट्स में हिमाचल की 47 महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

मेडल प्राप्त करने वाले सभी 23 महिला खिलाड़ी गोवा में होने जा रही राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपना दमखम दिखाएंगी। हिमाचल की टीम का कंसा वुशू एक्सीलेंसी सेंटर में जोरदार स्वागत किया गया और एक सूक्ष्म कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बतौर मुख्यातिथि प्रदेश आढती यूनियन के उपाध्यक्ष अनिल सैनी उपस्थित हुए, जिन्होंने खिलाड़ियों को हार, मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वुशू संघ हिमाचल प्रदेश के महासचिव पीएन आजाद ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों के लिए वुशू एक्सीलेंस सेंटर कंसा चौक में अंतरराष्ट्रीय कोच राकेश हलदर द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन इस वर्ष गोवा में किया जा रहा है। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय कोच राकेश हलदर सहित कोच खेम सिंह व अमित तथा टेक्निकल ऑफीसर लुद्र चंद आदि मौजूद रहे। (अनंत ज्ञान)

नॉर्थ जोन वुमन लीग में मेडल जीतने वाली खिलाड़ी , मुख्यातिथि तथा संघ के पदाधिकारी।

विभिन्न इवेंट में जीते मेडल

वुशू के विभिन्न इवेंट में कशिश, दिव्या राणा, ज्योति, अंशिका शर्मा व आर्य ने गोल्ड मेडल। मनोरमा ने सिल्वर मेडल तथा अवनी कपूर, एंजेल, शगुन, तेजल, अवनीजा वत्स, जयश्री, रजनी देवी, पल्लवी, गौरी, लिशिता, पूनम, रिया वर्मा, शीला, अर्वातिका, अंशिका शर्मा व युग रत्ना ने कांस्य पदक जीते।

पानी पीने की पाइपों में फंसी गंदगी

अनंत ज्ञान, मंडी

सुंदरनगर उपमंडल महादेव पंचायत के वार्ड नंबर-4 में पानी पीने की पाइपों के जुड़ाव के मुख्य बिंदु पर बरसात के गंदे ड्रेन से बहने वाले पानी के गंदे पानी के कारण पंचायत के तीन और चार नंबर वार्ड के बाशिंदों को स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार सिंचाई विभाग इस समस्या को अनदेखा कर अभी तक कोई भी हल खोज नहीं पाया है।

विभाग की इस अनदेखी के कारण अभी तक मटमैला पानी पीने के लिए ग्रामीण मजबूर हैं। ग्रामीणों ने सिंचाई विभाग से मांग की है कि हर सप्ताह पानी को शुद्ध करने के लिए क्लोरीन की दवाई डाली जाए और साथ ही गंदे पानी के ड्रेन से इन सप्लाई पाइपों को वैकल्पिक रूप से बदला जाए, ताकि पानी के संक्रामक रोगों उल्टी, दस्त आदि से बचा जा सके। इस बारे में पंचायत प्रधान नील कमल ने कहा कि जल शक्ति विभाग को इस बारे संज्ञान लेना चाहिए, ताकि समस्या का समाधान हो सके। (अनंत ज्ञान)

संघर्ष ज्योति देवी संयोजक, विनय और निक्का राम को बनाया सह संयोजक

मढ़ी स्कूल को बचाने के लिए बनी संघर्ष समिति

रितेश चौहान, सरकाघाट

धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के मढ़ी में वर्ष-1975 से चल रहे हाई स्कूल जो वर्तमान में प्लस टू स्कूल है उसे पिछले पांच साल से अटल आदर्श विद्यालय के निर्माण के कारण वहां से बेदखल कर दिया गया है उसे बचाने के लिए मढ़ी में बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता पंचायत प्रधान तंबो देवी ने की, जिसमें उपप्रधान विनय कुमार, वार्ड सदस्य आशा देवी, बली राम ज्योति देवी आदि इसमें शामिल हुए।

सभी ने मढ़ी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्कूल बचाने के लिए अभियान चलाने की योजना तैयार की। अभियान समिति की स्योंजिका

मढ़ी में आयोजित बैठक के दौरान मौजूद लोग।

ज्योति देवी को प्रधान एसएमसी बनाया गया तथा विनय कुमार और निक्का राम को सह संयोजक बनाया। बैठक में निर्णय लिया कि 21 को बिंगा पंचयात की ग्राम सभा आयोजित की जाएगी और उसमें सर्वसम्मति से स्कूल बचाने का प्रस्ताव पारित कर सरकार को भेजा जाएगा। उसके बाद 24 को एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा, जिसमें मढ़ी स्कूल को बचाने तथा अटल आदर्श विद्यालय को नीजि क्षेत्र के बजाए सरकारी क्षेत्र में ही चलाने की मांग की जाएगी। इसके बारे जल्द स्थानीय विधायक को भी मांगपत्र सौंपा जाएगा और तीन अगस्त को स्कूल प्रबंधन समिति का जनरल हाऊस आयोजित किया जाएगा और उस दिन इस संघर्ष समिति को विस्तारित रूप दिया जाएगा।

वहीं, इस स्कूल को बचाने बारे प्रस्ताव पारित किया जाएगा। पंचायत प्रधान तंबो देवी ने कहा कि हमारे स्कूल के बच्चे पिछले पांच साल से इधर-उधर धक्के खा रहे हैं, लेकिन कोई भी हमें इस स्कूल की वास्तविक स्थिति के बारे में जानकारी नहीं दे रहा है और एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं, लेकिन पंचायत बिंगा अब इसके बारे आर-पार की लड़ाई लड़ेगी।

जरूरत पड़ने पर मामले को हाईकोर्ट में उठाया जाएगा

उपप्रधान ने कहा कि स्थानीय लोगों ने जो भूमि सरकारी स्कूल के लिए दान की थी, अब उसे पब्लिक पराइवेट पार्टनरशिप के नाम पर बेचने की प्रक्रिया 24 से शुरू की जा रही है, जिसका जनता विरोध करेगी। अधिवक्ता सुरेश शर्मा ने बताया कि जरूरत पड़ने पर इस मामले को हाईकोर्ट में भी उठाया जाएगा क्योंकि सरकारी स्कूल के लिए दी गई जमीन किसी निजी संस्था को नहीं दी जा सकती। पूर्व जिला पार्षद भूपेंद्र सिंह ने कहा कि यहां की स्थानीय जनता को पार्टी बाजी से ऊपर उठकर एकजुट होकर आवाज उठाने की जरुरत है। इसके लिए आरटीआई के माध्यम से जानकारी हासिल करके इसकी मदद स्कूल को बचाने के लिए की जाएगी।

बल्ह घाटी में टमाटर की बंपर फसल

आदर्श यादव, नेरचौक

बल्ह घाटी में इस बार टमाटर की बंपर फसल है। सब्जी मंडी में 1100 के हिसाब से टमाटर का एक क्रेट बिक रहा है, जिससे किसानों की अच्छी कमाई हो रही है। गत वर्ष की भांति इस बार भी कई किसान टमाटर के अच्छे दाम मिलने से लाखपति बन गए हैं। टमाटर के अच्छे दाम मिलने से किसानों के चेहरे खुशी से खिल उठे हैं।

इस बार मौसम ने किसानों का जमकर साथ दिया। मौसम अनुकूल रहने से इस बार किसानों के टमाटर बीमारी के प्रकोप से भी सुरक्षित हैं, जबकि पिछले वर्ष टमाटर की फसल बीमारी लगने से खराब हो गई थी। इस बार मौसम टमाटर की फसल के अनुरूप रहा, जिससे बल्ह घाटी में टमाटर की फसल की अच्छी पैदावार है। (अनंत ज्ञान)

बल्ह घाटी में टमाटर की बंपर फसल से किसानों को हो रही है अच्छी कमाई।

अच्छे दाम मिलने से खिले किसानों के चेहरे

किसानों को इस बार टमाटर के अच्छे दाम मिल रहे हैं, जिससे बल्ह घाटी का किसान खुश नजर आ रहा है। घाटी के रोशन, जोगिंद्र, सोनू, बंटी, शमी, ममता व जगदीश आदि किसानों ने बताया कि इस बार मौसम ठीक रहने से टमाटर की अच्छी फसल है तथा बीमारियों का प्रकोप भी कम है साथ ही टमाटर के दाम भी सही मिल रहे हैं।

1100 में बिक रहा क्रेट

टमाटर की बंपर फसल होने के साथ-साथ किसानों को टमाटर के अच्छे दाम मिल रहे हैं। शुरुआती दौर में टमाटर के दामों में भारी गिराबट आई थी, जिससे शुरुआती दौर में टमाटर मात्र 100 व 150 रुपए प्रति क्रेट के हिसाब से बिक रहा था मगर धीरे-धीरे टमाटर के दाम बढ़ते गए फिर किसानों को 150 की जगह 500 से 600 प्रति क्रेट दाम मिलने लगे, जो वर्तमान में 1000 से 1100 प्रति क्रिएट तक पहुंच गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

सद्भावना मुकाबले में खड्ड ने झज्जर को हराया

नरेश सिंघा, टाहलीवाल। हरोली उपमंडल के तहत खड्ड में श्री एमआर शर्मा स्मारक वुमन फुटबाल प्रतियोगिता का एक सद्भावना मैच खेला गया। इस मुकाबले में शुक्राना फुटबाल अकादमी खड्ड ऊना ने झज्जर की टीम को 4-1 से पराजित किया। इस अवसर पर जय दत्ता जी समाज सेवक मुख्य अतिथि रहे। शुक्राना फुटबाल अकादमी खड्ड ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। प्रथम हॉफ में शुक्राना फुटबाल अकादमी ने बढ़त बना ली थी और पूरा नियंत्रण मैच पर बना कर रखा प्रथम हॉफ में ही ने झज्जर की टीम ने गोल उतार दिया और 1-1 की बराबरी पर ला दिया, लेकिन दूसरे हॉफ में शुक्राना फुटबाल अकादमी पूरे दमखम और जोश से ग्राउंड में उतरी ओर 4-1 से विजय प्राप्त की। इस अवसर पर उपनेश दत्ता, शारीरिक शिक्षक हरीश धीमान, गुरचरण सिंह, भूषण, अंजना दत्ता, कुलदीप सिंह आईटीबीपी में कार्यरत गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। शुक्राना अकादमी की ओर से रिया शर्मा, मंजू, आशा, शैलजा ने गोल किए। उक्त जानकारी नंदिता शर्मा ने प्रदान की।

संक्रांति के अवसर पर धार्मिक समागम

नरेश सिंघा, टाहलीवाल। संतोषगढ़ नगर के ऐतिहासिक श्री गुरु रविदास मंदिर में मंगलवार को संक्रांति के मौके पर कीर्तन दरबार सजाया गया। इसमें संत बाबा कमलजीत सिंह सुनहरे ऊना वालों के कीर्तन जत्थे द्वारा में बलिहार सतगुरु मेरे सतगुरु आये बेड़े मेरे, टूटियां रूहां नु साधु रव नाल जोड़ते आदि शब्द गुरुवाणी से संगत को जोड़ा। इस दौरान कमेटी ने जत्थे को सिरोपा देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर गुरु रविदास धार्मिक सभा के प्रधान अधिवक्ता कुलविंदर बैस, सचिव मनोहर लाल भिसी, कोषाध्यक्ष अशोक बसन, सुरिंद्र नाथ बस्सी, महादेव लाडी, रामपाल, दर्शन, सोनू, धर्मवीर, नरेश, नहिंद्र, तवीन, राणा सहित अन्य संगत मौजूद रही।

मोबाइल खरीदने के बहाने शातिर ले उड़े दो महंगे फोन

सन्नी पुरी, गगरेट। शातिर नित नए जुगाड़ लगाकर किसी न किसी को अपनी ठगी का शिकार बनाने मे कामयाब हो जाते हैं। ठगी का शिकार होने वाला चाहे जितना भी तेज तर्रार हो परंतु शातिर ठग उसे भी अपने जाल मे फंसा ही लेते हैं। ऐसी ही एक वारदात दिनदिहाड़े गगरेट के मोबाइल विक्रेता के साथ पेश आईं। जानकारी के अनुसार गगरेट के मोबाइल विक्रेता की दुकान पर मंगलवार को दो व्यक्ति मोबाइल खरीदने आए, दो मोबाइल पसंद करने के बाद अगले दिन मोबाइल लेने की बात कही। बुधवार को दोपहर दोनों शातिर बाइक पर फोन लेने आए, जिनमें से एक शातिर दुकान से कुछ दूर बाइक स्टार्ट कर खड़ा रहा। एक शातिर ने दुकान के अंदर जा कर अपने पसंद किए फोन देने को कहा। दुकानदार ने रूटीन ग्राहक समझ कर फोन देते ही शातिर बिना पैसे दिए बाइक पर सवार होकर होशियारपुर की तरफ भाग गए। हालांकि दुकानदार ने चोर-चोर का शोर मचाकर पीछा भी किया परंतु शातिर फोन लेकर भागने मे कामयाब हो गए। गगरेट के मोबाइल विक्रेता ने पुलिस थाना मे इस बाबत शिकायत भी दर्ज करवा दी हैं। हालांकि दुकान मे सीसीटीवी कैमरा लगे होने के कारण शातिरों को पकड़ने मे मदद मिलेगी।

विदेश भेजने के नाम पर परिवार से की 17 लाख रुपए की ठगी

ऊना जिले में विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी और ठगी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी

राजेश शर्मा, ऊना

ऊना जिले में विदेश भेजने के नाम धोखाधड़ी और ठगी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी जारी है। विदेश भेजने के नाम पर अब फिर से जिला मुख्यालय के समीपवर्ती गांव का परिवार ठगा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज करके छानबीन शुरू कर दी है, लेकिन आम लोगों की ऐसे मामलों में लापरवाही भी सामने आ रही है। दर्जनों लोगों के ठगी के मामले सामने आने के बावजूद भी लोग अभी तक भी ठगों के चंगुल में आ रहे हैं। उधर, पुलिस प्रशासन की ओर से भी साइबर क्राइम और विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी और ठगी करने वाले गिरोहों से लोगों को सावधान रहने की अपील तक भी की जाती रही है।

बता दें कि ऊना जिले में महत्वपूर्ण सदर हरोली के साथ-साथ कई गांव में विदेश भेजने के नाम पर लोगों से ठगी होती रही है। कई ट्रैवल एजेंट पुख्ता सबूत न होने के कारण बचते भी रहे हैं। ऊना जिला मुख्यालय में भी कई ट्रैवल एजेंट सक्रिय थे, लेकिन पुलिस की सख्ती के बाद कई अपना कारोबार समेट कर दूसरे शहरों की ओर रुख्सत हो गए थे। ठगी के मामलों में अधिकांश ऐसे लोग संतों के चंगुल में फंसे हैं जिन्होंने या तो अपनी जिंदगी की तमाम कमाई ऐसे ठगों पर लुटाई है अथवा बैंकों से लोन लेकर और अपने पुश्तैनी भूमि को बेचकर भी पैसा लेकर ठगों के हवाले किया है। दर्जनों मामलों में लोगों को धोखाधड़ी का सामना करना पड़ा है लेकिन अभी तक भी कई लोग ऐसे फर्जी एजेंटों के चंगुल में फंस रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक जिला मुख्यालय के साथ लगते अप्पर अरनियाला गांव के एक व्यक्ति से अमेरिका भेजने के नाम पर साढ़े 17 लाख रुपए की ठगी हुई है। मामले को लेकर व्यक्ति ने पुलिस के पास शिकायत दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में सर्वजोत सिंह निवासी अप्पर अरनियाला ने बताया कि फेसबुक पर अमेरिका में जॉब का विज्ञापन देखा था। विज्ञापन में मैंने अपना नंबर डाल दिया। कुछ दिन बाद अमेरिका से किसी व्यक्ति ने व्हाट्सऐप नंबर पर संपर्क किया और विदेश भेजने के नाम पर डॉक्यूमेंट मंगवाए। दस्तावेज भेजने के बाद 11 मई को व्हाट्सऐप कॉल के माध्यम से जॉब का ऑफर लेटर भेज दिया गया।

इसके दो दिन बाद पुन: कॉल आई और वीजा अप्रूवल फीस मांगी गई। इसके बाद अलग-अलग करके साढ़े 17 लाख रुपए जमा करवाए। सर्वजोत का कहना है कि धोखाधड़ी का शक होने पर जब वीडियो कॉल करनी चाही, तो 4 लाख 20 हजार की ओर डिमांड की गई, लेकिन पैसे जमा नहीं करवाए। पुलिस अधीक्षक ऊना राकेश सिंह ने बताया कि पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। (अनंत ज्ञान)

ऊना शहर में बंद पड़ी नालियों की सफाई शुरू

ऊना शहर की बरसाती पानी की निकासी नालियों की सफाई करते कर्मचारी।

नरोत्तम शर्मा, ऊना

शहर में नगर परिषद की ओर से जल निकासी को पुख्ता बनाने का अभियान शुरू किया गया है। बुधवार को जिला मुख्यालय में नगर परिषद के कर्मचारियों ने शहर में बरसाती पानी की निकासी के लिए बनाई गई नालियों की साफ-सफाई शुरू की है।

नगर परिषद ने उपायुक्त कार्यालय के साथ रोटरी चौक के समीप बंद पड़ी नालियों की साफ सफाई की है। पूरे शहर में ही नालियां बनाई गई हैं, लेकिन मुख्य पुराना बाजार और नए बस अड्डा क्षेत्र से आने वाला बरसाती पानी लोगों को परेशानी पैदा करता है। जब पहली ही बारिश हुई थी तो रोटरी चौक के आसपास की नालियां गंदगी से भरी हुई थीं और इनमें पानी सड़क से जा रहा था। नगर परिषद ने इस क्षेत्र में यह अभियान शुरू किया है, जिससे दुकानदारों ने राहत की सांस ली है।

नालियों में निकासी न होने के कारण बरसात का पानी लोगों की दुकानों में गया था। यहां तक कि तहसील परिसर में बैठने वाले अर्जी नवीसों आई टाइप करने वालों की जगह नदी बहने लगी थी। एसडीओ राजिंद्र सैनी ने कहा कि नालियों की रूटीन में सफाई कराई जा रही है। (अनंत ज्ञान)

हरोली क्षेत्र में स्टोन क्रशर के सुरक्षा कर्मियों पर हमला

राजेश शर्मा, ऊना

पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की छानबीन

पुलिस थाना हरोली के तहत पंजाब की सीमा से लगते कुंगड़त स्थित एक स्टोन क्रशर पर तीन नकाबपोश युवकों ने सुरक्षाकर्मियों से मारपीट की है। मामले को लेकर एक सुरक्षाकर्मी ने पुलिस के पास शिकायत दी है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात नकाबपोश युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में पंजाब के गढ़शंकर निवासी चरणजीत कुमार ने बताया कि पिछले काफी समय से कुंगड़त स्टोन क्रशर पर बतौर सुरक्षा कर्मी कार्य कर रहा हूं। गत रात्रि को अन्य सुरक्षा कर्मियों से ड्यूटी पर था, तो आधी रात को तीन नकाबपोश युवक आए और मारपीट शुरू कर दी। चरणजीत का आरोप है कि नकाबपोश युवकों ने न केवल मुझे, बल्कि ड्यूटी पर तैनात अन्य दोनों सुरक्षा कर्मियों के साथ भी मारपीट की। पुलिस में दर्ज रिपोर्ट में शिकायतकर्ता ने बताया है कि युवकों के पास तेजधार हथियार भी थी। शोर मचाने पर सभी युवक मौके से फरार हो गए।

मामले को लेकर चरणजीत ने हरोली पुलिस के पास शिकायत दी है। डीएसपी हरोली मोहन रावत ने बताया कि पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। (अनंत ज्ञान)

युवक ने विषाक्त पिया, हालत नाजुक

विवेक शर्मा, अंब। थाना अंब के तहत एक युवक ने विषाक्त का सेवन कर लिया। ज्वार में 23 वर्षीय युवक ने अज्ञात कारण के चलते जहरीला पदार्थ निगल लिया। बिगड़ती तबीयत देख युवक खुद को बचाने के लिए सहायता मांगने लगा। स्वजनों द्वारा उपचार के लिए क्षेत्रीय अस्पताल ऊना लाया गया, जहां से गंभीर हालत में चिकित्सकों ने पीजीआई चंडीगढ़ रैफर कर दिया। वहीं, पुलिस ने भी मामले को लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक ज्वार निवासी नियायत अली निवासी ज्वार ने मंगलवार रात्रि को अज्ञात कारण के चलते जहरीला पदार्थ निगल लिया। बिगड़ती तबीयत देख परिजन युवक को उपचार के लिए क्षेत्रीय अस्पताल ऊना लेकर पहुंचे, जहां से गंभीर हालत के चलते पीजीआई चंडीगढ़ रैफर कर दिया गया। (अनंत ज्ञान)

गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दूसरे दिन भी डेरा रुद्रु पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालु

राजेश शर्मा, ऊना

डेरा बाबा रुद्रानंद आश्रम में पूजा विधान करते महाराज और आयोजक।

जिला मुख्यालय के समीपवर्ती नारी बसाल स्थित प्राचीन डेरा बाबा रुद्रानंद आश्रम में शुरू हुए पांच दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दूसरे रोज भी सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचे। उन्होंने जहां अखंड धूने पर माथा टेका, वहीं महाराज की गद्दी से आशीर्वाद भी ग्रहण किया। डेरा में भजन-कीर्तन का सिलसिला जारी रहा। डेरे की तमाम व्यवस्थाएं वेदांताचार्य सुग्रीवानंद महाराज के शिष्य आचार्य हेमानंद जी महाराज देख रहे हैं।

इस अवसर पर डेरे की ओर से महाराज के प्रवचन में बताया गया कि अपना जीवन मार्जित कीजिए। जल से शरीर को स्वच्छ कीजिए। यह बाह्य शरीर को पवित्र करना और किसी भी प्रकार के छल और कपट से निवृत्त होकर अपने अंतस को स्वच्छ कीजिए। धर्मानुष्ठान, तितिक्षा, तप, मौन स्वाध्याय, ब्रह्मचर्य, अहिंसा, समत्व, निर्द्वन्द्वता इन सबका अभ्यास करके अपने आप का परिमार्जन कीजिए। यह कमजोरी नहीं है।

महाराज जी के अनुसार कोई कहे यह चुप हो गया है, कमजोर हो गया है, नहीं यह मार्जन का विषय है। मौन रहना सफाई है, स्वाध्याय करना सफाई है। किसी चीज को गंदा करना कितना आसान होता है, किसी चीज को साफ रखना बड़ा कठिन होता है। आप एक गिलास कहीं रख दीजिए, कल देखना गंदा मिलेगा, परसों और गंदा मिलेगा, पंद्रह दिन बाद इतना गंदा मिलेगा कि तुम्हें साफ करने का भी मन न होगा परंतु अगर किसी चीज को स्वच्छ रखना हो तो सबसे पहले उसका परिमार्जन किया जाना चाहिए।

उसको व्यवस्थित स्थान पर रखा, पर फिर भी उसे लगातार परिमार्जित करना पड़ता है। मार्जन की प्रक्रिया बड़ी विचित्र है। मनुष्य को महज इसका अर्थ समझना है। (अनंत ज्ञान)

प्रदेश सरकार व पुलिस विभाग जल्द करे पुलिस भर्ती की घोषणा

राजेश ठाकुर, बंगाणा

युवाओं ने दी सड़क पर विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी

हिमाचल प्रदेश पुलिस की भर्ती हुए लगभग तीन वर्ष हो गए हैं, लेकिन अभी तक इसकी घोषणा का कोई अता-पता नहीं है। मिली जानकारी से पता चला है कि विभाग में कांस्टेबल पद के काफी पद रिक्त हैं। पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं में काफी समय से भर्ती न आने से रोष है। युवाओं का कहना है कि भाजपा सरकार के समय 2021 में यह भर्ती हुई थी, उसके बाद यह भर्ती सिर्फ कागजों में ही हो रही है।

हिमाचल सरकार और अन्य पुलिस अधिकारियों से निवेदन है कि पुलिस की भर्ती जल्द से जल्द हो। अगर एक महीने के भीतर भर्ती प्रक्रिया नहीं होती है तो जितने भी युवा पुलिस भर्ती की तैयारी करने में लगे हैं, वे सब सड़कों पर उतरकर धरना-प्रदर्शन करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की होगी। युवाओं का कहना है कि आए दिन भर्ती प्रक्रिया में देरी से युवाओं की उम्र निकलती जा रही है और हमें अपना भविष्य अंधकार में जाता हुआ प्रतीत हो रहा है।

क्षेत्र के युवाओं अमित धीमान, पंकज संधु, गिरीश वर्मा, सुधीर कौंडल, विनय कुमार, हरी राम, राजन डोगरा, अंकित कुमार, बंटी रणावत, संतोष कुमार, विक्की कुमार, बलजीत सिंह, सुमित शर्मा, अजय ठाकुर, अभिनय शर्मा, अभिषेक, अमित ठाकुर, अमित कुमार, रमन कुमार, शुभम मेहरा, प्रशांत ठाकुर, करण सिंह, आदित्य ठाकुर, नवीन कुमार सहित कई स्थानीय युवाओं ने हिमाचल सरकार व विभाग से पुलिस भर्ती प्रक्रिया को जल्द शुरू करने की मांग की और चेताया है कि सरकार भर्ती प्रक्रिया को शुरू नहीं करती है तो हमारा भविष्य अंधकार में डूबेगा जिसके लिए सरकार की नाकामी ही जिम्मेदार होगी क्योंकि हिमाचल सरकार अगर भर्ती नियमों में कोई बदलाव नहीं करती है तो हमारी आयु भी पूर्ण हो जाएगी और हमारा पुलिस में भर्ती होने की मेहनत और सपना दोनों ही बेकार हो जाएंगे। इसलिए हिमाचल सरकार व पुलिस विभाग को पुलिस भर्ती शुरू करने की प्रक्रिया को जल्द शुरू करना चाहिए ताकि हमारे उज्ज्वल भविष्य को अंधकार में ना भटकना पड़े।

इससे गरीब युवाओं का ही भविष्य खराब होता है। अमीर युवा तो अपनी आजीविका कमाने के साधन उपलब्ध कर लेते हैं, लेकिन गरीब परिवारों के बेरोजगार बच्चों को दर-दर की ठोकरें खानी पड़ती हैं। इसलिए हमारी प्रदेश सरकार व पुलिस विभाग से विनती है कि हमारे भविष्य के साथ खिलवाड़ न करें। अगर पुलिस भर्ती जल्द शुरू न की गई तो हमें मजबूर होकर प्रदेश सरकार और विभाग के खिलाफ सड़कों पर उतरना पड़ेगा। (अनंत ज्ञान)

सत्रह साल की युवती लापता

अनंत ज्ञान, मैहतपुर। स्थानीय क्षेत्र के एक गांव से सत्रह साल की युवती लापता हो गई है। युवती के स्वजनों ने पड़ोस के ही एक युवक पर शक जाहिर किया है।

स्वजनों की ओर से पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई शिकायत में बताया गया है कि उनकी लड़की जो जमा दो कक्षा में पढ़ाई कर रही थी, जो कि 27 जून से लापता है। सभी जगह तलाश किया गया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने मामला दर्ज करके छानबीन शुरू कर दी है।

उद्योग में आज भरे जाएंगे 150 पद

अनंत ज्ञान, ऊना। मैसर्ज वर्धमान इस्पात उद्योग बाथड़ी में केवल पुरुष वर्ग में विभिन्न श्रेणियों के 150 पद भरे जाएंगे। जिला रोजगार अधिकारी अक्षय शर्मा ने बताया कि इन पदों के साक्षात्कार 18 जुलाई को प्रात: 10 बजे जिला रोजगार कार्यालय ऊना में होगा।

मछुआरों को ऑफ सीजन में मिले राहत

विनोद शर्मा, लठियानी

बिना काम के झील के किनारे खड़ी मछुआरों की नाव।

हर वर्ष 15 जून से 15 अगस्त तक गोविंदसागर झील में मछली पकड़ने पर प्रतिबंध रहता है। आखेट बंद होने के कारण मछुआरों को दो महीनों में अपने परिवारों का खर्च चलाना कठिन हो जाता है। दो महीनों तक बेकारी के कारण बहुत ही मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। महंगाई के दौर में उन्हें अपने परिवार का पालन-पोषण करना बहुत ही कठिन हो गया है । अधिकांश मछुआरे इसी व्यवसाय से अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। मछुआरों की नावें भी झील के किनारे ही बंधी हुई हैं। इन दो महीनों में मछुआरों को बहुत ही मुश्किलों के साथ अपना जीवन व्यतीत करने को मजबूर हैं।

कुछ मछुआरों को तो मजबूरी में ऋण लेकर परिवार का पालन-पोषण करना पड़ रहा है। महंगी दरों के करना उन्हें बहुत ज्यादा ब्याज देना पड़ेगा। इसकी वजह से मछुआरे बहुत ही मानसिक रूप से परेशान व लाचार हैं। मत्स्य सोसायटी कुटलैहड़ के प्रधान कमल देव, आजिज मुहम्मद, प्रताप सिंह, राकेश कुमार, राज कुमार, महिंद्र सिंह, संजीव कुमार, पवन कुमार ने बताया कि मत्स्य विभाग द्वारा कई वर्ष पहले राहत राशि प्रतिबंध सीजन में मिलती थी, लेकिन अब यह राशी समय पर नहीं मिलती है। यह जो कुछ सहायता राशि मिलती है, वह काफी देरी से मिलती है।

कुटलैहड़ मत्स्य सोसायटी के प्रधान का कहना है यह जो कुछ सहायता राशि विभाग द्वारा दी जाती है व प्रतिबंध के ही समय मिलनी चाहिए, क्योंकि मछुआरों को इस समय बहुत ही आवश्यकता होती है। आय का कोई साधन नहीं होता है, लेकिन कुछ तो मजदूरी कर लेते हैं तो कुछ मजदूरी भी नहीं कर सकते हैं। उन्हें बहुत ही मुश्किल हो गई है।

दोनों सोसायटियों के प्रधान लठियानी मत्स्य सोसायटी के प्रधान सुशील ठाकुर उर्फ मियां व कुटलैहड़ मत्स्य सोसायटी के प्रधान कमल देव ने कहा कि प्रदेश सरकार व मत्स्य विभाग को चाहिए कि ये जो दो महीनों का प्रतिबंध लगा है, इस दौरान ही राहत राशि दी जाए ताकि मछुआरों को कुछ राहत मिल सके। (अनंत ज्ञान)

एहतियात कृषि विज्ञान केंद्र शिमला, सोलन और मशोबरा केंद्र के वैज्ञानिक कर चुके हैं बगीचों का निरीक्षण

सेब के पत्ता रोग प्रबंधन के लिए जारी की एडवायजरी

आर मोहन चौहान, सोलन

सेब में इन दिनों लग रहे पत्ता रोग के बचाव को लेकर डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी के बागवानों के लिए एडवाइज़री जारी की है। पादप रोग विज्ञान विभाग ने राज्य के कुछ क्षेत्रों से रिपोर्ट की गई सेब के पत्तों पर बीमारियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए सेब बागवानों के लिए एडवायजरी जारी की है।

हाल ही में नौणी विश्वविद्यालय और उसके अंतर्गत आने वाले कृषि विज्ञान केंद्र शिमला, सोलन और मशोबरा केंद्र के वैज्ञानिकों की तीन टीमों ने चौपाल (देहा, चंबी, खगना-रू, मंडल, देइया, भनाल, कियार), रोहड़ू (शेखाल, धारा, कमोली, समोली, करालाश, खरला, कडियान) और कोटखाई (भड़ाइच, मतलू, बागी, शेगल्टा, रत्नारी, पनोग, बडेयॉन, जाशला, दयोरीघाट); जुब्बल (नंदपुर, रुयिलधार, कथासु, बातरगलु) में विभिन्न सेब के बगीचों का दौरा किया। प्राथमिक उद्देश्य अल्टरनेरिया लीफ स्पॉट/ब्लाइट और अन्य लीफ स्पॉट बीमारियों की व्यापकता का आकलन करना और किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित करना और प्रभावी प्रबंधन रणनीतियों पर मार्गदर्शन प्रदान करना था। पौधों के स्वास्थ्य का दृश्य मूल्यांकन, पत्ती

के लक्षण की पहचान और रोग की गंभीरता का आकलन किया गया।

इसके अतिरिक्त, रोग प्रबंधन प्रथाओं पर जानकारी प्रसारित करने के लिए कोटखाई, जुब्बल और देहा में जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा/ब्लाइट और अन्य पत्ती धब्बों की व्यापकता और गंभीरता देखे गए लक्षणों और सूक्ष्म अवलोकनों के आधार पर अल्टरनेरिया और अन्य कवक प्रजातियों की पहचान लीफ स्पॉट/ब्लाइट रोग के प्राथमिक कारण एजेंट के रूप में की है। रोग ने व्यापक वितरण प्रदर्शित किया, जिले के विभिन्न बागीचों में रोग की गंभीरता के विभिन्न एग्रेज स्तर दर्ज किए गए, जैसे कोटखाई में 0-30 प्रतिशत, जुब्बल में 0-20 प्रतिशत, रोहड़ू में 0-20 प्रतिशत, चिड़गांव में 0-15 प्रतिशत, ठियोग में 0-10 प्रतिशतचौपाल में 0-4 प्रतिशत।

हालांकि, स्प्रे शेड्यूल के अनुसार कीटनाशकों/फफूंदीनाशकों के उचित आवश्यकता आधारित स्प्रे का पालन करने वाले किसानों के बागीचों में रोग की गंभीरता को कम पाया गया। विश्वविद्यालय ने राज्य के अन्य सेब उत्पादक क्षेत्रों का दौरा करने के लिए चार नई टीमों को भी तैनात किया है।

माइट के प्रबंधन के लिए : जरूरत पड़ने पर किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फेनाजाक्विनञ्च 50 मिलीलीटर प्रति 200 लीटर या प्रोपरगाइटञ्च 200 मिलीलीटर प्रति 200 लीटर पानी में छिड़काव करें।

यदि उपरोक्त माइटसाइड्स का उपयोग पहले से ही स्प्रे के रूप में किया जा चुका है, तो प्रोपरगाइट 42 प्रतिशत + हेक्सीथियाजॉक्स 2 प्रतिशत ईसी @ 200 मिलीलीटर या साइनोपाइराफेन 30 प्रतिशत एससी 50 मिलीलीटर प्रति 200 लीटर पानी का उपयोग किया जा सकता है। यह सलाह दी जाती है कि एक ही माइसाइड्स को बार-बार न दोहराएं। (अनंत ज्ञान)

पहले से मौजूद पौधों का तनाव

जड़ सड़न, कॉलर सड़न और कैंकर जैसी अंतर्निहित स्थितियों ने पेड़ की शक्ति को कमजोर कर दिया है, जिससे वे पत्ती वाले स्थान के संक्रमण के प्रति अधिक संवेदनशील हो गए हैं। जहां ये रोग प्रचलित हैं, वहां विश्वविद्यालय और बागवानी निदेशालय द्वारा सेब के लिए दिए गए अनुशंसित स्प्रे शेड्यूल के रूप में फफूंदनाशकों के छिड़काव की सिफारिश करता है। इसके अतिरिक्त, किसानों को इन पत्ते धब्बों/बलाइट की स्थिति की लगातार निगरानी करनी चाहिए और स्प्रे अनुसूची में सिफारिशों के अनुसार कवकनाशी का आवश्यकता आधारित स्प्रे किया जाना चाहिए। इन दौरों के दौरान बीमारियों के अवलोकन के आधार पर किसानों को निम्नलिखित सलाह जारी की जाती है। प्रतिरोध विकास को रोकने के लिए कवकनाशी/कीटनाशकों का चक्रीय प्रयोग आवश्यक है। कीटनाशकों या पोषक तत्वों के साथ अनुशंसित कवकनाशी के किसी भी अस्वीकृत मिश्रण का प्रयोग न करें। किसी भी कीटनाशक या कवकनाशी के बार-बार छिड़काव से बचें।

हिमाचल में जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न हुई सूखे की उग्र समस्या : राजन कुमार

आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ का दावा- भावी पीढ़ियों के लिए गंभीर समस्या जलवायु परिवर्तन

एसपी जैरथ, नाहन

विश्व में जलवायु परिवर्तन आज के समय में सबसे बड़ी समस्या बनकर उभर रही है। यह समस्या न केवल इस पीढ़ी के लिए बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक गंभीर समस्या बनकर उभरेगी। इन सभी समस्याओं के लिए आज के युग का समाज संपूर्ण इतिहास जिम्मेदार होगा।

आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ उपायुक्त कार्यालय नाहन राजन कुमार का कहना है कि आज के इंसान ने अपनी सुख सुविधाओं एवं एशो-आराम के लिए प्राकृतिक संसाधनों एवं प्रकृति का अंधाधुंध उपयोग कर रहा है, जिसका कुछ परिणाम हम महसूस कर पा रहे हैं जैसे कि प्राकृतिक आपदाओं में बढ़ोतरी, अत्यधिक मौसम परिवर्तन, पृथ्वी का अत्यधिक गर्म होना, हरे भरे क्षेत्र का मरुभूमि में परिवर्तन होना तथा कोरोना महामारी जैसे मानव निर्मित आपदाएं इसके सबसे अच्छे उदाहरण हैं।

इसी के संदर्भ में भारत के उत्तर पश्चिम हिमालय के क्षेत्र में बसे हुए सुंदर हिमाचल प्रदेश में भी जलवायु परिवर्तन का असर देखने को मिल रहा है। जैसा कि हर वर्ष हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी नवंबर माह में आरंभ हो जाती थी, जिससे कि बागवानों के चेहरे खुशी से खिलते थे तथा निचले क्षेत्रों में अच्छी बारिश होने से गेहूं की फसल पैदावारी में चार चांद लगाते थे, परंतु अगर हम आज के परिदृश्य में देखें तो अब न उतनी अच्छी बर्फबारी होती है और न ही बारिश देखने को मिल रही है।

इसका सीधा संबंध जलवायु परिवर्तन से लगाया जाना उचित होगा। इसी जलवायु परिवर्तन के कारण ही हिमाचल प्रदेश के अधिकतर क्षेत्रों में सूखे जैसी स्थिति उत्पन्न होने को है। इस सूखे की स्थिति से हिमाचल के बागवानों एवं किसानों को भारी आर्थिक हानि उठानी पड़ रही है तथा जिससे कि प्रदेश की आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी एवं रोजगार के अवसर भी कम बनेंगे। इन फसलों की कम पैदावारी होने पर बाजार में वस्तुओं के मूल्य में भी आने वाले समय में भारी उछाल देखने को मिल सकता है।

इस सूखे की स्थिति से निपटने के लिए एक विस्तृत योजना तैयार कर पानी के प्रयोग को कम से कम किया जाए अर्थात अनावश्यक रूप से जल को व्यर्थ न गवाया जाए एवं वर्षा के जल को संचित किया जाए जिससे कि भू-जल का स्तर सही बना रहे एवं भविष्य में सूखे की स्थिति उत्पन्न होने पर इस प्रकार के प्राकृतिक स्रोतों का संरक्षण एवं उपयोग किया जा सके। इन सभी कार्यों को पूर्ण रूप से एवं योजनाबद्ध तरीके से करने के लिए सभी विभागों के आपसी समन्वय एवं स्थानीय लोगों के एकजुट प्रयासों की आवश्यकता अपेक्षित रहेगी, तभी हम इस जलवायु परिवर्तन एवं सूखे जैसी आपदाओं से निपटने में सक्षम बन पाएंगे ताकि आने वाली पीढ़ियां भी प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग एवं उपभोग कर सकें। (अनंत ज्ञान)

किसी भी समस्या को लेकर जिलावासी सीधा मुझसे करें संवाद : अनुराधा राणा

लाहौल-स्पीति की विधायक ने घाटी के विभिन्न गांवों का किया दौरा, जनसमस्याएं सुनीं

कमलेश वर्मा, केलांग

लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने बुधवार को लाहौल घाटी के प्रवास के दौरान राशेल, रापे, जोबरंग, शांशा, किरातिंग, यंग किरतिंग, दवांश, मेलिंग रॉलिंग, तंगवे, लिंगूर तथा लोट गांव का दौरा किया। विधायक ने इस दौरान जहां लोगों का आभार जताया। वहीं, कहा कि आप लोगों ने जो मुझ पर विश्वास किया है उस पर खरा उतरने के लिए प्रयासरत हूं।

इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच लोगों की समस्याओं को सुना और वहां पर अधिकतर समस्या पेयजल योजना सिंचाई योजना तथा कूल्हों की रिपेयर के बारे में लोगों ने विधायक को अवगत करवाया। विधायक ने मौके पर अधिकारियों, कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए कि जो पेयजल योजना और सिंचाई योजना तथा कूल्हें जो बरसात में आई बाढ़ के कारण जो नुकसान हुआ है, इसका आकलन कर एस्टीमेट बनाया जाए, ताकि बजट का प्रावधान कर इनका निर्माण कार्य शीघ्र किया जाए। राशेल चना तलाई सड़क तथा पुल का निर्माण कार्य जल्द किया जाएगा। बाढ़ के कारण जो योजना प्रभावित हुई हैं, चाहे उठाओ पेयजल योजना है, चाहे सिंचाई योजना है या सुरक्षा दीवार उनको आपदा राहत से भी बजट का प्रावधान किया जाएगा।

लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा जनसमस्याएं सुनती हुईं।

शांशा नाले में फ्लड आने के कारण कूल्ह को मनरेगा के तहत रिपेयर किया जाएगा। शांशा नाले में शांगार पुलिया मनाने के लिए मनरेगा के तहत 80, 20 की रेशो से इसका निर्माण कार्य किया जाएगा। विधायक ने कहा कि वेटरनरी फार्मासिस्ट की नियुक्ति से लाहौल घाटी में जो पशुओं के उपचार के लिए जो समस्या आ रही थी, उससे हमें राहत मिलेगी। पशु चिकित्सा वैन 1962 को शीघ्र चलाया जाएगा। राशेल रापे तथा जोबरंग में जंगली, जानवर भालू से गांव के लोग परिशान हैं, जो कि फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

उनका निर्माण कार्य शीघ्र किया जाएगा, ताकि सर्दी आने से पहले ही इन योजनाओं का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाए।

विधायक का गर्मजोशी के साथ किया स्वागत

विधायक ने लोगों को बताया कि इस विषय पर वन विभाग के अधिकारियों से विचार-विमर्श कर कोई न कोई समाधान निकाला जाए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग केलांग डिपो में जैसे ही नई बसें आएंगी, उन्हें लोकल रूटों पर चलाने की व्यवस्था की जाएगी। अनुराधा राणा ने लोगों से कहा कि आप लोगों की कोई भी समस्या हो सीधा उनके साथ संवाद कर सकते हैं। इससे पहले विधायक का स्थानीय पंचायत प्रधानों तथा महिला मंडल प्रधानों और स्थानीय लोगों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

बंद पड़ी हाई मास्ट लाइट के लिए टीडीसी जिम्मेदार

कमलेश वर्मा, मनाली। नगर परिषद मनाली के अध्यक्ष चमन कपूर ने कहा कि माल रोड में बंद पड़ी दोनों हाई मास्ट लाइट के लिए टीडीसी जिम्मेदार है। बिजली बिल का भुगतान न होने के कारण यह लाइट तीन महीने से बंद है।

बिजली बिल का भुगतान न होने के कारण तीन महीने से बंद हैं लाइटें

उन्होंने कहा कि अप्रैल तक सब सही चल रहा था, लेकिन अप्रैल के बाद प्रशासन ने बिल देना बंद कर दिया। कई बार डीसी कुल्लू के ध्यान में भी इस समस्या को लाया गया, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई सार्थक पहल नहीं हुई। हाई मास्ट लाइट न जलने के लिए लोग नगर परिषद को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि इन लाइट का संचालन टीडीसी के माध्यम से होता है। इस समस्या का समाधान प्रशासन कर सकता है। पिछला बिल अदा कर इन लाइट के संचालन की जिम्मेदारी नप को दी जाती है, तो नप जल्द बंद पड़ी मनाली की लाइट को चालू कर देगा। नगर परिषद ने बाहरी क्षेत्र से कूड़ा लेना बंद कर दिया है। रांगड़ी में खड़े हुए कूड़े के पहाड़ को नगर परिषद समेटने में लगी हुई है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि शहर को साफ-सुथरा रखने में नगर परिषद का सहयोग दें। सभी लोग घरों व दुकानों का कूड़ा कूड़े की गाड़ी वाले को ही दें। खुले में कूड़ा फेंकने वालों पर कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। (अनंत ज्ञान)

कार में अचानक लगी आग पर्यटक दंपती ने बचाई जान

कार में लगी आग को बुझाते दमकल विभाग के कर्मचारी।

कमलेश वर्मा, कुल्लू

जिला कुल्लू की मणिकर्ण घाटी में जरी-मलाणा सड़क पर गत दिन एक कार में आग लग गई। कार हरियाणा के पर्यटक दंपती की थी। इस घटना में ये दोनों बाल-बाल बच गए।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। मिली जानकारी के अनुसार दो कार में हरियाणा से पर्यटक अनुराग पुत्र कृष्ण मुरारी निवासी एकता नगर पंचवटी चौक पत्नी के साथ कुल्लू घूमने के लिए पहुंचे थे। पर्यटकों का मंगलवार रात्रि ठहराव सुम्मा रोपा में था और मंगलवार सुबह कार में पर्यटक मलाणा के लिए निकले। ब्रिज फोर से आगे सड़क खराब होने के कारण इन्हें पैदल मलाणा जाना था इसलिए वह वहां से वापस मुड़ गए। ब्रिज फोर के समीप अचानक कार में धुआं उठा। स्पार्क होने के बाद अचानक उसमें आग लग गई। आग की लपटें उठने के बाद पर्यटक दंपती कार से बाहर निकले और अपनी जान बचाई। दमकल चौकी जरी के प्रभारी तुलसी राम ने कहा कि सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाई। उधर, एसपी डॉ. कार्तिकेयन गोकुल चंद्रन ने कहा कि हादसे में किसी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ है। हालांकि कार में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। (अनंत ज्ञान)

सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है टीम सहभागिता : डॉ. लाल

टीम सहभागिता की बैठक के दौरान पदाधिकारी व सदस्य ।

कमलेश वर्मा, कुल्लू

टीम सहभागिता के संस्थापक सदस्य एवं उपनिदेशक नेहरू युवा केंद्र कुल्लू डॉ. लाल सिंह ने कहा कि टीम सहभागिता सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। यह बात उन्होंने सामाजिक संस्था सहभागिता की राज्यस्तर की बैठक के दौरान कही।

बैठक में डॉ. लाल सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। टीम सहभागिता समाज के मेहनती और जुझारू युवाओं का जन आंदोलन है, जो पिछले छह वर्षों से जहां समाजिक क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहा है। वहीं समय-समय पर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को स्वयंसेवी सहायता मुहिया कराते हैं। सामाजिक क्षेत्र में सुधार कार्य करने का जो बीड़ा उठाया है, वो प्रशंसनीय है। उन्हें इस बात की खुशी है कि वह टीम सहभागिता के सदस्य हैं। बैठक में राज सिंघानिया, टीम सहभागिता के उपाध्यक्ष एवं राज्य समन्वयक ने टीम की हाइलाइट्स प्रस्तुत कीं। तेज सिंह ने खाते का ब्यौरा रखा। भूपेंद्र कुमार (राज्य मेंबरशिप कॉर्डिनेटर) ने मेंबरशिप एंगेजमेंट पर चर्चा की। अमन भारती (स्टेट मीडिया कॉर्डिनेटर) ने सोशल मीडिया आउटरीच स्ट्रेटेजी पर चर्चा की तथा पूरण चंद (प्रोजेक्ट हेड) ने अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी दी। (अनंत ज्ञान)

शतरंज प्रतियोगिता में इशांत प्रथम

सुरेंद्र तिबोगपा, कुल्लू

पिछले चार दिनों से चल रही जिला स्तरीय अंडर-14 शतरंज प्रतियोगिता कुल्लू के ढालपुर में स्थित ब्वॉयज स्कूल के लाइब्रेरी हॉल में संपन्न हो गई। इस जिला स्तरीय अंडर-14 शतरंज प्रतियोगिता का आगाज 15 जुलाई को किया गया था।

इस प्रतियोगिता में पूरे जिले भर से छात्र वर्ग में 49 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जबकि कन्या वर्ग में जिले भर के विभिन्न स्कूलों से आईं करीब 30 छात्राओं ने भाग लिया। इस शतरंज प्रतियोगिता के दौरान हर रोज छात्र वर्ग और कन्या वर्ग के तीन-तीन मैच करवाए गए। प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से आए सरकारी और प्राइवेट स्कूल के छात्रों ने शतरंज प्रतियोगिता में भाग लिया। इस जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में छात्र वर्ग में जीएमएस गोही के छात्र इशांत ठाकुर ने बेहतरीन प्रदर्शन कर प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया, जबकि एसवीएस बजौरा के छात्र ने भी कड़ी चुनौती पेश करते हुए प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया। कन्या वर्ग में जीएचएस मिहिर स्कूल की छात्रा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान, जबकि जीएसएस कलवारी की छात्रा ने भी दूसरा स्थान हासिल कर स्कूल का नाम रोशन किया। (अनंत ज्ञान)

अंडर-14 शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेते कुल्लू जिले के विभिन्न स्कूलों से आए छात्र।

ये प्रतिभागी लेंगे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा

छात्र वर्ग में इशांत ठाकुर जीएमएस गोही, सूर्यांस्त ठाकुर जीएमएस गोही, शिवांश जीएमएस गोही, श्याम सुंदर जीएमएस और हरीश जीएसएसएस नग्गर का चयन किया गया है, जबकि कन्या वर्ग में छाया जीएमएस मिहिर ममता देवी जीएसएसएस कलवारी, छाया देवी जीएसएसएस कलवारी, सोनाक्षी जीएमएस मिहिर, हिना ठाकुर जीएमएस मिहिर।

माता शरवरी में श्रीमद्भागवत कथा का समापन

कमलेश वर्मा, मनाली। मनाली के शुरू गांव में सात दिनों से चल रही भागवत कथा का समापन बुधवार को हुआ। कथा व्यास पंडित शशांक कृष्ण कौशल ने सात दिनों तक शुरू गांव व साथ लगते गांव के लोगों को अपनी वाणी से धन्य किया। बड़ी संख्या में आकर लोगों ने भागवत कथा का भरपूर आंनद उठाया। पंडित शशांक कौशल की यह 233वीं कथा है।

यह कथा समूचे मनाली के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। सभी लोगों ने आकर माता शरवरी और थान देवता का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस कथा का आयोजन शरवरी माता के पुजारी वर्ग ने किया, जिसमें मुख्य रूप से चुनी लाल शर्मा, धर्म चंद शर्मा, टीकम राम शर्मा व बुद्ध राम शर्मा का परिवार सम्मिलित है। मनाली तथा आसपास के क्षेत्रों में आगे भी इस प्रकार की कथाओं का आयोजन होता रहेगा। (अनंत ज्ञान)

कुल्लू में 4.66 ग्राम चिट्टा और बंजार में 48 ग्राम चरस की बरामद

कमलेश वर्मा, कुल्लू

कुल्लू व बंजार में चरस व चिट्टे के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। पुलिस की जानकारी के अनुसार पहला मामला जिला मुख्यालय कुल्लू के ढालपुर का है।

पुलिस थाना कुल्लू की टीम जब ढालपुर स्थित जीप युनियन कार्यालय के पास गश्त पर थी तो। उस समय एक युवक की शक के आधार पर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान युवक के कब्जे से 4.66 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। आरोपी युवक की पहचान गोविंद (23 वर्ष) निवासी चौकी डोभी डाकघर पुईद के रूप में हुई है। वहीं, दूसरे मामले में पुलिस थाना बंजार की टीम ने फागू पुल के पास गश्त व नाकाबंदी के दौरान राजेंद्र सिंह (48 वर्ष) निवासी सनाड़ डाकघर मंगलौर के कब्जे से 48 ग्राम चरस बरामद की है। उधर, एसपी कुल्लू डॉ. कार्तिकेयन गोकुलचंद्रन ने मामले की पुष्टि करते हुई कहा कि दोनों आरोपियों के खिसाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत पुलिस थाना कुल्लू में धारा 21 व पुलिस थाना बंजार में धारा 20 के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि दोनों मामलों की जांच जारी है। (अनंत ज्ञान)

स्वच्छता अभियान ने स्कूल में तोड़ा दम

सुरेंद्र तिबोगपा, कुल्लू

जिला मुख्यालय ढालपुर में स्थित शहीद श्री बालकृष्ण राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में अनिमियताओं को देखना चोंकाने वाला है। बुधवार को ढालपुर के ब्वॉयज स्कूल यानी शहीद श्री बालकृष्ण राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य कार्यालय के ठीक उपस्थित पुस्तकालय भवन के बीच में लगा कूड़े का ढेर विद्यालय की सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था की कहानी खुद ब खुद बयां कर रहा है।

ब्वॉयज स्कूल के पुस्तकालय भवन के ठीक सामने लगे कूड़े का ढेर विद्यालय की गरिमा को धूमिल कर रहा है। स्कूल कुल्लू जिले के बहुत ही प्रतिष्ठित विद्यालयों में शुमार है। इस विद्यालय को बड़े ही आदर भाव के साथ देखा जाता है, मगर इस तरह से कूड़े का ढेर विद्यालय में लगा रहा तो विद्यालय के छात्रों में स्वच्छता को लेकर क्या मानसिकता बनेगी, ये चिंता का विषय है। समय के आए बदलाव के बीच स्कूल में इस तरह से कूड़े के ढेर को देखना और विद्यालय परिसर के अंदर कूड़े के इतने ढेर को देखना बहुत ही निराशाजनक है। कूड़े के इतने विशाल ढेर को देख कर पहली नजर में लगता ही नहीं है कि यह एक आदर्श विद्यालय का परिसर है। विद्यालय में अगर इस तरह की कोताही या लापरवाही बरती जा रही है, तो इसे साफ होता है कि स्वच्छता का जो संदेश विद्यालय से होकर देश के कोने में पहुंचता है, वह महज एक किताबी ज्ञान और संदेश तक ही सिमट कर रह गया है क्योंकि विद्यालय में अगर स्वच्छता का संदेश दम तोड़ रहा है, तो अन्य क्षेत्रों में क्या उम्मीद की जा सकती है। (अनंत ज्ञान)

कुल्लू में फैलता जा रहा पार्थीनियम खरपतवार पौधा पर्यावरण के लिए खतरनाक : राणा

मोहन कपूर, पतलीकूहल

सेवानिवृत्त अरण्यपाल बीएस राणा ने कहा कि पार्थीनियम खरपतवार पौधा पर्यावरण कर लिए खतरनाक है। पहले जहां कहीं-कहीं खरपतवार पौधा दिखाई देता था, लेकिन आज इस पौधे ने लगभग पूरे कुल्लू जिले को अपने आगोश में ले लिया है।

यह बहुत ही खतरनाक पौधा है, जिसे जानवर भी नहीं खाते हैं, जैसे ही इसके बीज पकते हैं गाड़ियों की आवाजाही के साथ-साथ यह बीज हवा में उड़ कर आगे बढ़ने लगते हैं, वहीं भारी संख्या में पैदा हो जाता है। बीएस राणा ने बताया कि सांस संबंधित समस्याओं के लिए यह पौधा बहुत ही खतरनाक है व त्वचा की बीमारियों के लिए भी यह पौधा खतरनाक है। पर्यावरण के लिए भी इस पौधे का होना बहुत खतरनाक है, वैसे तो रासायनिक छिड़काव की ओर से इस पर नियंत्रण किया जा सकता है, मगर यह रासायनिक छिड़काव अपने आप पर्यावरण में जहर घोलने की तरह है, जिसकी अनुशंसा हम नहीं कर सकते हैं। इसलिए इस खरपतवार को जड़ से उखाड़ फेंकना ही सबसे बेहतरीन उपाय है। (अनंत ज्ञान)

टैक्सी ऑपरेटर्स का मैत्री सम्मेलन आज देवलोक 15 मील में

कमलेश वर्मा, मनाली। समर सीजन में हुए आपसी मतभेद व मनमुटाव को दूर करने को हिमाचल सहित पड़ोसी राज्यों के टैक्सी ऑपरेटर्स मनाली में मैत्री सम्मेलन का आयोजन करने जा रहे हैं।

यह आयोजन वीरवार को मनाली के 15 मील में बने देवलोक में होने जा रहा है। इस आयोजन में पंजाब व चंडीगढ़ के टैक्सी ऑपरेटर्स मौजूद रहेंगे। यह आयोजन आपसी मतभेद व मनमुटाव दूर करने के लिए किया जा रहा है। समर सीजन में बाहरी राज्यों के टैक्सी ऑपरेटर्स के साथ स्थानीय टैक्सी ऑपरेटर्स के मतभेद हो गए थे। मनाली में हुई मारपीट की घटना के बाद पंजाब में भी इसी तरह की घटना सामने आई थी। इन मतभेदों के चलते पर्यटन पर विपरीत असर पड़ा है। आने वाले समय में इस तरह की घटनाएं न हो और पड़ोसी राज्यों के टैक्सी ऑपरेटर्स आपस में पहले की तरह मिलजुल कर काम करें। इन सब गंभीर मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में पंजाब व चंडीगढ़ के टैक्सी एसोसिएशन के पदाधिकारियों सहित पर्यटन से जुड़े सभी मनाली के एसोसिएशन टैक्सी यूनियन मनाली, होटल एसोसिएशन मनाली, व्यापार मंडल मनाली, लग्जरी कोच यूनियन मनाली, मनाली वोल्वो लग्जरी कोच एसोसिएशन भाग लेंगे। (अनंत ज्ञान)

हिडिंबा मंदिर में मनाया बहादुर सिंह का मेला

कमलेश वर्मा, मनाली

हिडिंबा मंदिर और साथ लगता मेला मैदान का परिसर देवमय हो गया। माता हिडिंबा के दर्शन के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी।

मनाली के ढूंगरी स्थित हिडिंबा मंदिर के मेला मैदान में बहादुर सिंह का मेला मनाया गया। हर साल इस मेले का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर देवी-देवताओं का देव मिलन आकर्षण का केंद्र रहा। दोपहर बाद माता हिडिंबा की शोभायात्रा ओल्ड मनाली स्थित मनु मंदिर से हिडिंबा मंदिर के लिए शुरू हुई। शाम को माता हिडिंबा मंदिर पहुंची। यहां माता हिडिंबा का सियाली महादेव और नसोगी के देवता शंख नारायण से मिलन हुआ। इस अवसर पर देव परंपरा का निर्वहन किया गया। (अनंत ज्ञान)

एक कनिष्ठ अभियंता के सहारे नगर परिषद

कमलेश वर्मा, कुल्लू

इंजीनियरिंग ब्रांच में होने चाहिए दो कनिष्ठ अभियंता

कुल्लू वैली इंजीनियर्स व आर्किटेक्ट्स एसोसिएशन के महासचिव अंशुल पराशर से बात करने पर उन्होंने बताया कि नगर परिषद कुल्लू में इंजीनियरिंग ब्रांच में कम से कम दो कनिष्ठ अभियंता होने चाहिए। तभी शहर की जनता के काम सुचारु रूप से हो सकेंगे। भवन के नक्शों की मंजूरी के लिए दो-दो महीनों का समय लग रहा है, जिससे लोग अनाधिकृत निर्माण करने पर मजबूर हैं क्योंकि इस समय पूरी नगर परिषद में एक ही कनिष्ठ अभियंता है और वह भी फील्ड में काम करे या ऑफिस में बैठे और अगर कनिष्ठ अभियंता छुट्टी पर जाए, तो काम काज बिलकुल ठप पड़ जाता है।

11 वार्डों वाली नगर परिषद सिर्फ एक कनिष्ठ अभियंता के सहारे है। कुल्लू नगर परिषद का एरिया रामशिला से शुरू होकर बाबा बालक रूपी टिकरा बाबड़ी तक पड़ता है।

शहर की जनता को आये दिन नगर परिषद के कार्यालय में कई तरह के कार्यों के लिए जाना पड़ता है। मसलन भवन निर्माण के नक्शों को पास करवाने, शहर के अन्य विकासात्मक कार्यों को करवाने तथा और कई तरह के कार्य पर अकसर देखा गया है कि कनिष्ठ अभियंता कभी प्रशासन के पास कभी फील्ड में ठेकेदारों के कार्यों को चेक करने और भी कई तरह के विभागीय कार्यों को करने में व्यस्त रहते हैं। इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

शहर की जनता के कई कार्य लंबित पड़े हैं, जिन्हें करवाने के लिए काफी समय लग रहा है। शहर की जनता व कुल्लू वैली इंजीनियर्स एंड आर्किटेक्ट संघ ने इसका संज्ञान लिया और सरकार से आग्रह किया कि नगर परिषद कार्यालय में एक और कनिष्ठ अभियंता की भर्ती की जाए। (अनंत ज्ञान)

बैठक संयुक्त ग्रामीण राजस्व अधिकारी एवं कानूनगो महासंघ की राज्य कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

पटवारी एवं कानूनगो की वेतन विसंगतियां की जाए दूर : सतीश

मोहन कपूर, पतलीकूहल

संयुक्त ग्रामीण राजस्व अधिकारी एवं कानूनगो महासंघ हिमाचल प्रदेश राज्य कार्यकारिणी की साधारण बैठक कुल्लू के शुभम होटल कटराई में राज्य प्रधान सतीश चौधरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में राज्य के 12 जिलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक में राज्य सरकार की ओर से पटवारी और कानूनगो के जिला कैडर को राज्य कैडर करने पर कड़ा विरोध जताया। महासंघ ने निर्णय लिया कि यदि सरकार इस निर्णय को नहीं बदलती है, तो महासंघ किसी भी स्तर पर आंदोलन कर सकता है। आंदोलन के पहले चरण में पटवारी और कानूनगो द्वारा सभी प्रकार के ऑनलाइन कार्य बंद किए जारी रहेंगे इसके अलावा यदि सरकार मांगों पर सार्थक निर्णय नहीं लेती है, तो जल्द ही महासंघ सारे कार्य बंद करने का निर्णय लेने को विवश होंगे। (अनंत ज्ञान)

कानूनगो महासंघ की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में मौजूद लोग।

महासंघ की मुख्य मांगें

सेवारत पटवारी एवं कानूनगो को जिला कैडर से राज्य कैडर का जो निर्णय हुआ है उसको वापस लें, पटवारी एवं कानूनगो को टेक्निकल स्केल या पेमेंट वृद्धि, चार पटवारी पर एक कानूनगो और तहसीलदार और नायब तहसीलदार के रीडर कानूनगो होने चाहिए, राजस्व कार्यों को ऑनलाइन करने के लिए और जमाबंदी अपडेशन, इंतकाल ऑनलाइन आदि के लिए पटवरखाना एवं कानूनगो कार्यालय में इंटरनेट कनेक्टिविटी, प्रिंटर कंप्यूटर की सुविधा दी जाए। पीएम किसान सम्मान निधि स्कीम में पटवारी केवल भूमि से संबंधित कार्य ही करेगा, आबादी देह कार्यों को धरातल पर करने के लिए बहुत सारी मुश्किलें हो रही है इसलिए भविष्य में विवाद न हो बंदोबस्त विभाग को आबादी देह का कार्य दिया जाए। पटवारी एवं कानून की वेतन विसंगति दूर की जाए और नायब तहसीलदार प्रमोशन में कानूनगो का पदोन्नति कोटा 60 फीसदी से बढ़ाकर 80 फीसदी किया जाए। यदि सरकार स्टेट कैडर का निर्णय वापस नहीं लेती है, तो प्रदेश के समस्त पटवारी एवं कानूनगो एक सप्ताह के बाद 24 को अतिरिक्त कार्यभार छोड़कर पटवार खानों व कानूनगो ऑफिस की चाबियां सरकार को सौंप देंगे।

न्यूज बीफ

पर्यावरण समिति ने विला राउंड में किया पौधरोपण

नाहन, एसपी जैरथ। पर्यावरण समिति नाहन ने शहर के विला राउंड में पौधरोपण कर प्रकृति संरक्षण का सकारात्मक संदेश दिया। 'पर्यावरण सुरक्षा हमारा लक्ष्य' और 'हरेला' पर्व के तहत, मंगलवार को समिति ने सदस्यों के साथ मिलकर विला राउंड में हमेशा की तरह खूब पौधे रोपे। इस अवसर पर, समिति के अध्यक्ष डॉ. सुरेश जोशी ने बताया कि उत्तराखंड में पौधरोपण का पावन पर्व 'हरेला' के रूप में मनाया जाता है। इस पावन पर्व के अवसर पर शहर में भी विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। इस अवसर पर प्रो. अमर सिंह, केसी सोहल, ओंकार जमवाल, प्रो. हेमंत कुमार, डॉ. श्रीकांत अकेला, विजरा तोमर, प्रेरणा भारद्वाज, चेतना शर्मा, केएल पराशर, योगी गिरीश शर्मा, जसविंद्र वर्मा, सुभाष शर्मा, ललित शर्मा, प्रज्ञा जोशी और अनंत जोशी आदि उपस्थित थे।

सिरमौर कल्याण मंच धूमधाम से मनाएगा डॉ. परमार जयंती

आर मोहन, सोलन। सिरमौर कल्याण मंच सोलन हिमाचल निर्माता डॉ. यशवंत सिंह परमार की जयंती धूमधाम से मनाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कमेटियों का भी गठन किया गया। सिरमौर कल्याण मंच की बैठक प्रधान प्रदीप मंमगाई की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने बताया कि सुबह सोलन के चिल्ड्रन पार्क स्थित डॉ. परमार की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। इसके बाद रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। दोपहर में डॉ. परमार के जीवन व कार्यों पर विचार गोष्ठी व कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सायंकालीन सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम और सिरमौरी धाम का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान जाने माने समाजसेवी व डॉ. परमार के मित्र रहे नौहराधार निवासी तुलसी राम चौहान को सम्मान दिया जाएगा। बैठक में मंच के वरिष्ठ सदस्य कंवर वीरेंद्र सिंह, बलदेव चौहान, नरेंद्र चौहान, दर्शन सिंह पुंडीर, डॉ. एसएस परमार, डॉ. रामगोपाल शर्मा, राजेंद्र शर्मा, महेंद्र गौतम, संजय चौहान, हरिंद्र ठाकुर, कविराज चौहान, सत्यपाल ठाकुर, विपुल कश्यप, आएस ठाकुर, संजीव अवस्थी, कमलराज चौहान व कौशल चौहान समेत अन्य मौजूद रहे।

अंडर-14 छात्रों की खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

आर मोहन, सोलन। स्वर्ण जयंती उत्कृष्ट विद्यालय ओच्छघाट में तीन दिवसीय अंडर 14 छात्रों की खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हुआ। समापन समारोह में कर्नल संजय शांडिल ने मुख्य अतिथि के रूप शिरकत की। उन्होंने विजेता टीमों को पुरस्कार वितरित किए, कबड्डी में गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल भोज आजी, खो-खो में गवर्नमेंट मिडिल स्कूल कड़ोग, वॉलीबाल में गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल ब्बॉयज सोलन तथा बैडमिंटन में गवर्नमेंट हाई स्कूल गलानग विजयी रहा। मुख्य अतिथि ने छात्रों को अनुशासन में रहकर तथा नशे से दूर रहकर शिक्षा ग्रहण करने का संदेश दिया। इससे पूर्व विद्यालय प्रधानाचार्य पुनीत कौशल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रधान ग्राम पंचायत ओचघाट पूनम शर्मा, उपप्रधान नरेश ठाकुर, प्रधान ग्राम पंचायत नौणी मदन हिमाचली, प्रधानाचार्या कोठों स्कूल रितु शर्मा भी उपस्थित रही।

'खेल खेलो, नशा छोड़ो' कार्यक्रम में उमड़े विद्यार्थी

जैरथ, नाहन। कन्याल युवक मंडल भलौना के द्वारा 'खेल खेलो नशा छोड़ो' के विषय में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भलाड़ भलौना में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में एसएमसी अध्यक्ष कुशल ठाकुर और वशिष्ठ अतिथि के रूप में सभी एसएमसी सदस्यों को बुलाया गया था। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया था जिसमें मुख्य रूप से भाषण प्रतियोगिता, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता,रस्साकशी और दौड़ का आयोजन किया गया था तथा विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के दूरगामी परिणामों तथा खेल के फायदे के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम में वशिष्ठ अतिथि ज्ञान शर्मा ने 'खेल खेलो नशा छोड़ो' के विषय में भाषण देकर विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और खेल में अधिक से अधिक भागीदारी लेने के लिए विद्यार्थियों को संबोधित किया। कन्याल युवक मंडल भालोना के सचिव सुरेश भारद्वाज ने विद्यालय की विभिन्न समस्याओं को प्रशासन के सामने रखा।

नाहन में खूनी संघर्ष में बदला ताजिया का जुलूस

पुलिस ने अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष सहित 10 लोगों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया

एसपी जैरथ, नाहन

नाहन में मुहर्रम के उपलक्ष पर निकला गया ताजिया का जुलूस गलतफहमी के कारण खूनी संघर्ष में बदल गया। मौका व पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह 3 बजे के आसपास शिया समुदाय के द्वारा रानी ताल मोहल्ला नाहन में मुहर्रम के उपलक्ष पर ताजिया के जुलूस की तैयारी चल रही थी। इससे पहले यह भी बताना जरूरी है कि नाहन शहर में ताजिया के साथ जुलूस निकालते हुए मातम मनाने की परंपरा है।

ताजिए की तमाम व्यवस्था और नियमों को लेकर अंजुमन इस्लामिया इसकी जिम्मेदारी निभाता है। शहर की छह मस्जिदों के इमाम तथा नगर प्रशासन की ओर से एसडीएम नाहन के द्वारा जारी हुई गाइडलाइन को बताने के लिए अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष बॉबी अहमद रानीताल ताजियों के पास पहुंचे। बॉबी अहमद ने समुदाय के लोगों को बताया कि इस बार न तो खूनी मातम मनाया जाएगा और न ही किसी तरह का हथियार लेकर जुलूस में चला जाएगा।

ताजिया जुलूस के दौरान हुई झड़प में घायल लोग।

दो वर्गों में बंटी समुदाय के एक पक्ष ने भीड़ में यह शगुफा छोड़ दिया कि अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष ताजिया को प्रतिबंधित करवाना चाहते हैं।

गलतफहमी का शिकार हुए लोगों ने अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष बॉबी अहमद के साथ रानीताल मस्जिद के समीप धक्का-मुक्की करनी शुरू कर दी। इस दौरान दो पक्षों में बांटे समुदाय में हल्की-फुल्की हाथापाई के साथ नोकझोंक भी हुई। बॉबी अहमद के द्वारा लोगों को बार-बार बताया गया कि यह लिया गया फैसला उनका अकेले का नहीं है। उन्होंने बताया कि एसडीएम नाहन के द्वारा 6 मस्जिदों के इमाम वह अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष के साथ हुए विचार-विमर्श के बाद खूनी मातम की जगह शांतिपूर्वक ढंग से मातम का जुलूस निकालने के लिए आदेश पारित किए गए थे। अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष के द्वारा आदेश के पैरा नंबर 5 का उल्लेख भी किया गया, बावजूद इसके बढ़ते हुए तनावपूर्वक माहौल को देखते हुए बॉबी अहमद मौके से चले गए।

वहीं, जैसे ही शहर के मुस्लिम वर्ग को पता चला कि अंजुमन इस्लामिया के प्रधान के साथ बदतमीजी की गई है, उसके बाद मामला और तूल पकड़ गया। बावजूद इसके बॉबी अहमद की राय पर समुदाय के मोअज्जि लोगों के द्वारा मामले को खत्म करने के लिए काका उर्फ सोहेल को माफी मांगने के लिए लालटेन चौक पर बुलाया गया। बॉबी अहमद के द्वारा यह भी भरोसा दिया गया था कि लालटेन चौक आने पर कोई भी व्यक्ति सोहेल के साथ मारपीट अथवा गाली-गलौज नहीं करेगा, बावजूद इसके माफी मांगने आए काका उर्फ सोहेल व उसके साथ आए ताहिर अकबर आदि के साथ भीड़ ने मार पिटाई शुरू कर दी। देखते ही देखते दो गुटों में बंटे समुदाय में जमकर खूनी संघर्ष हुआ। इस मारपीट में ताहिर के नाक पर गंभीर चोट आई जबकि अन्य तीन लोगों के सिर में और शरीर पर हल्की-फुल्की चोटें आईं। अब यदि मौके पर पुलिस न होती तो यह मामला और गंभीर हो सकता था।

बावजूद इसके पुलिस के द्वारा बीच-बचाव करते हुए दोनों पक्षों को अलग किया गया। झगड़े में घायल हुए तीन लोगों को तुरंत नाहन मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। पुलिस के द्वारा सभी घायलों के मेडिकल करवाए गए। सभी घायलों को ट्रीटमेंट देने के बाद अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई। पुलिस के द्वारा भीड़ में शामिल 10 लोगों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू की गई है।

जानकारी तो यह भी मिली है कि यह मामला अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष पद के चुनाव के दौरान हार-जीत को लेकर पहले से ही शुरू हो चुका था। इस पर बॉबी अहमद का कहना है कि उनके द्वारा न तो मातम के लिए मना किया गया था और न ही मोहर्रम का जुलूस निकालने को लेकर किसी भी तरह के प्रतिबंध की बात की गई थी। उन्होंने कहा कि जो भी निर्णय लिया गया था वह प्रशासन के द्वारा ही लिया गया था।

उधर, एडिशनल एसपी योगेश रोल्टा ने बताया कि इस झगड़े में तीन लोगों को हल्की-फुल्की चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति के नाक पर काफी चोट लगी है। मगर सभी को प्राथमिक इलाज के बाद घर भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस पूरे प्रकरण में अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष बॉबी अहमद सहित 10 लोगों के खिलाफ अंतर्गत धारा 147, 148 आईपीसी में दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

वहीं, एसडीएम नाहन सलीम आजम ने बताया कि इमाम तथा अंजुमन इस्लामिया के साथ विचार-विमर्श कर खूनी मातम के लिए मनाही की गई थी। उन्होंने कहा कि जुलूस अथवा मातम निकलने को लेकर प्रतिबंध की कोई बात नहीं हुई थी। (अनंत ज्ञान)

अमरपुर मोहल्ला में डेंगू के 95 मामले आने से स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

एसपी जैरथ, नाहन। नाहन में लगातार बढ़ते डेंगू के मामलों को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हुआ है। नाहन का अमरपुर मोहल्ला डेंगू के लिए हॉटस्पॉट साबित हो रहा है। अब तक 95 मामले डेंगू के अमरपुर मोहल्ला से सामने आ चुके हैं, जिसको लेकर स्वास्थ्य विभाग की चिंताएं बढ़ी हैं।

जिले के सीएमओ डॉ. अजय पाठक के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग समेत नगर परिषद, मेडिकल कॉलेज एवं आंगनबाड़ी व आशा कार्यकर्ता लोगों को डेंगू से बचाव के प्रति जानकारी देने के लिए घर-द्वार विजिट किया गया। सीएमओ डॉ अजय पाठक ने बताया कि जिला में अब तक 140 से अधिक मामले डेंगू के सामने आ चुके हैं। एक स्थान से इतनी अधिक मात्रा में डेंगू के मामले आना चिंता का विषय है। (अनंत ज्ञान)

उद्घोषित अपराधी 6 साल बाद जम्मू-कश्मीर से किया गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, बीबीएन

जिला बद्दी पुलिस के पीओ सैल ने हत्या के मामले में उद्घोषित अपराधी को जम्मू-कश्मीर से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मोहम्मद उस्मान पुत्र अब्दुल अजीज निवासी जिला पुंछ जम्मू-कश्मीर से हुई। पुलिस ने बुधवार को आरोपी को कोर्ट में पेश करते हुए रिमांड हासिल किया है, अब पुलिस आरोपी से मामले को लेकर पूछताछ करेगी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर दसोरा माजरा से ध्यान चंद की हत्या की थी। आरोपी के खिलाफ 28 अप्रैल 2011 को मामला दर्ज था। इसके साथ ही 14 जनवरी, 2014 में भी पुलिस थाना बद्दी में धारा 224 के तहत मामला दर्ज है, जो कि फरार चल रहा था। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट नालागढ़ के द्वारा 31 जनवरी, 2019 को आरोपी उस्मान को उद्घोषित घोषित किया गया था।

हिरासत में गिरफ्तार आरोपी।

जिला बद्दी पुलिस के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक वर्मा ने बताया कि आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड हासिल किया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

श्री रेणुका जी मिनी जू में लोग अब वन्य प्राणियों को ले सकते हैं गोद

एसपी जैरथ, नाहन

हिमाचल की सबसे बड़ी प्राकृतिक झील श्री रेणुका जी के परिक्रमा मार्ग में स्थित मिनी जू में अब कोई भी व्यक्ति वन्य प्राणियों को गोद ले सकता है। प्रदेश सरकार के वन्य प्राणी विभाग ने श्री रेणुका जी मिनी जू में इस योजना की शुरुआत की है।

श्री रेणुका जी का मिनी जू।

मिनी जू में इन वन्य प्राणियों के निवास, खानपान, टीकाकरण और दवाओं आदि पर सरकार का बहुत खर्च भी आता है, इसी को ध्यान में रखते हुए वाइल्ड लाइफ ने मिनी जू को आत्मनिर्भर बनने के उद्देश्य व आमजन को वन्य प्राणियों से जोड़ने के लक्ष्य के साथ वन्य प्राणी क्षेत्र में टिकट विंडो स्थापित करने का निर्णय लिया है, ताकि जू की आय बढ़ाई जा सके। गोद लेने वाले लोगों को उस वन्य प्राणी का सारा खर्च वहन करना होगा व गोद लेने वाले का चित्र भी वन्य प्राणी के बाड़े के बाहर लगाया जाएगा।

शिमला डिविजन वाइल्ड लाइफ के एसीएफ विनोद रांटा ने बताया कि वन्य प्राणी विहार को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से श्री रेणुका जी में कार्य किया जा रहा है, ताकि वन्य प्राणी विहार में लोगों व पर्यटकों को अधिक सुविधा मिल सके। इसी के चलते वन्य प्राणी विहार में टिकटिंग विंडो स्थापित की जा रही है, ताकि जू की आय बढ़ाई जा सके। इसके इलावा एक नया प्रयास भी किया जा रहा है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति वन्य प्राणी विहार में किसी भी वन्य प्राणी को गोद ले सकेगा। साथ ही उसे उक्त प्राणी का सारा खर्चा उठाना पड़ेगा। गोद लेने वाले व्यक्ति की फोटो भी विवरण सहित बाड़े पर लगाई जाएगी।

उल्लेखनीय है कि श्री रेणुका जी सिरमौर जिला का एक प्रसिद्ध धार्मिक पर्यटक स्थल है, जहां पर लाखों लोग प्रति वर्ष पड़ोसी राज्यों से आते हैं। (अनंत ज्ञान)

नई दिल्ली में नौणी विश्वविद्यालय की प्राकृतिक खेती पहल की सराहना

आर मोहन, सोलन

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) का 96वां स्थापना दिवस नई दिल्ली में मनाया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया। आईसीएआर स्थापना दिवस के साथ-साथ प्रौद्योगिकी दिवस भी मनाया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में विभिन्न आईसीएआर संस्थानों और दो विश्वविद्यालयों जिसमें डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी शामिल हैं, जिन्हें इस कार्यक्रम में अपनी प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। नौणी विश्वविद्यालय ने जूस, जैम, हर्बल चाय, गुलाल और पास्ता जैसे विभिन्न प्रकार के उत्पादों को प्रदर्शित किया। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय ने अपने प्राकृतिक खेती उत्पादों और पांच प्राकृतिक खेती-आधारित किसान उत्पादक कंपनियों, जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है, के उत्पादों को प्रदर्शित किया। प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खेती की सफलता की कहानी को भी दर्शाया गया।

कृषि मंत्री को प्राकृतिक खेती का मॉडल बताते नौणी विवि के वीसी राजेश्वर सिंह चंदेल।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस

दो दिनों तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन, प्रो. एसपी सिंह बघेल, रामनाथ ठाकुर और भागीरथ चौधरी और आईसीएआर महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक सहित कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया, जिन्होंने अन्य लोगों के साथ विश्वविद्यालय की की प्रदर्शनी का दौरा किया और विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों और इसकी प्राकृतिक खेती पहल की सराहना की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश्वर सिंह चंदेल, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. केके रैना और प्रगतिशील किसान शैलेंद्र शर्मा और रवि ने भी भाग लिया।

विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों के साथ-साथ विभिन्न स्कूलों के 2,000 से अधिक छात्रों ने विश्वविद्यालय के स्टॉल का दौरा किया। (अनंत ज्ञान)

नाहन में हादसों को न्योता दे रहे बेसहारा पशु

एसपी जैरथ, नाहन। जिला मुख्यालय नाहन समेत आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों बेसहारा पशुओं की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। लगातार यह बेसहारा पशु, जहां किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं, तो वहीं शहरी क्षेत्र में सड़कों पर ये दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं। ऐसा ही एक मामला नेशनल हाईवे नाहन-पांवटा साहिब पर गांव कटासन में पेश आया, जहां मार्ग पर चल रहे एक गाय के बछड़े को अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मार दी गई। हादसे में गाय का बछड़ा बुरी तरह से घायल हो गया।

नेशनल हाईवे समेत संपर्क मार्गों पर दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे इन बेसहारा पशुओं की सेवा करने के लिए गांव शंभूवाला के युवाओं की टोली ने जिम्मा संभाला है, जिस भी क्षेत्र में बेसहारा पशु बीमार या फिर दुर्घटना का शिकार होते हैं, ये युवा मौके पर पहुंचकर बेसहारा पशुओं की सेवा करने के लिए पहुंच जाते हैं। युवाओं ने बताया कि वे लोगों से भी लगातार अपील कर रहे हैं कि सड़कों पर अपने पशुओं को बेसहारा न छोड़ें। (अनंत ज्ञान)

रेहड़ी-फड़ी यूनियन ने स्थायी ठिकाना दिलाने के लिए व्यापार मंडल सोलन से मांगा सहयोग

व्यापार मंडल सोलन के प्रधान मुकेश गुप्ता से मिलने पहुंचे यूनियन के प्रधान व अन्य।

आर मोहन, सोलन

रेहड़ी-फड़ी यूनियन सोलन के प्रधान महिताप सिंह, हीरा लाल, गोविंद राम, दयाराम व अन्य रेहड़ी धारकों सहित व्यापार मंडल सोलन के निवर्तमान प्रधान मुकेश गुप्ता से मुलाकात की।

यूनियन के पदाधिकारियों गुप्ता को बताया कि हमारे लिए बनी वेंडर मार्केट में कुछ रेहड़ी धारकों को जगह मिल गई है, बाकी बचे हुए रेहड़ी धारकों को उनके लिए चिन्हित स्थानों पर न तो विस्थापित किया जा रहा है, न साथ ही हमारे मूल स्थान को भी हमें नहीं दिया जा रहा है, जबकि हमारे लिए बनाई गई कमेटी में दस स्थान चिन्हित किए गए थे, उनमें से एक एक्साइज ऑफिस के ऊपर वाला हिस्सा भी है, जहां हम पहले रेहड़ी लगाते थे। हमारी बात कोई नहीं सुन रहा है। हम लोगों ने प्रधानमंत्री योजना के अंतर्गत लोन भी ले रखे हैं।

गुप्ता ने बताया कि रेहड़ी यूनियन के प्रधान को हरसंभव सहायता व सहयोग देने का आश्वासन दिया। गुप्ता ने यूनियन की मांग को लेकर दूरभाष के माध्यम से राज्यसभा सांसद डॉक्टर सिकंदर कुमार, पूर्व अध्यक्ष अनुसूचित जाति आयोग व अनुसूचित जाति मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रो. वीरेंद्र कश्यप से आग्रह किया कि रेहड़ी धारकों की हरसंभव सहायता की जाए। उन्हें आश्वस्त किया है कि रेहड़ी धारकों की नैतिक मांगने के लिए हरसंभव सहायता की जाएगी। इसको लेकर सोलन के विधायक व स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल से भी बात की जाएगी। (अनंत ज्ञान)

18, 000 किया जाए न्यूनतम वेतन : भारतीय मजदूर संघ

सोलन में सहायक आयुक्त को ज्ञापन सौंपते भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारी।

आर मोहन चौहान, सोलन

भारतीय मजदूर संघ हिमाचल प्रदेश के उपमहासचिव देवीदत्त तंवर और जिला सोलन इकाई के अध्यक्ष सुरजीत राणा ने कहा कि संघ के 19वें त्रैवार्षिक अधिवेशन में कर्मचारियों/मजदूरों की समस्याओं के अंतर्गत 2 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए हैं। संघ के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है।

उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर संघ के त्रैवार्षिक अधिवेशन में विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा की गई। इसमें मुख्यत: प्रदेश के असंगठित क्षेत्र में आशा वर्करों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी सहायिकाओं, मिड-डे मील वर्करों और इस क्षेत्र में कार्य कर रहे अन्य सभी श्रेणियों के कर्मचारियों के लिए नियमितीकरण के लिए नियम न होना, इस वर्ग के वेतन में उचित वृद्धि न होना, राज्य के कर्मचारियों को सातवें वेतन का वेतनमान तथा महंगाई भत्ते की किस्त समय पर नहीं मिलना, निगमों/ बोर्ड के कर्मचारियों को सातवें वेतन का वेतनमान नहीं मिलना, सरकार द्वारा बोर्डों, निगमों एवं स्थानीय निकायों कर्मचारियों के लिए जारी की गई पेंशन की अधिसूचना को बहाल करके पेंशन न नहीं देना और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों तथा औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों का कम वेतन देना, इन्हें सरकार द्वारा न्यूनतम 18000/- रुपए वेतन नहीं देना। औद्योगिक क्षेत्र में उद्योग द्वारा ठेकेदार का बदलना और उससे उद्योग में श्रमिकों को आ रही उक्त समस्याओं को रखते हुए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया। असंगठित क्षेत्र एवं योजना कर्मी। आशा वर्करों को न्यूनतम वेतन 18000/- रुपऐ दिया जाए, आशा कार्यकर्ताओं के लिए स्थायी नीति बनाई जाए।

प्रदेश में आशा फैसिलिटेटर की नियुक्ति की जाए। अन्य प्रदेशों के आधार पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष की जाए और ग्रेविटी दी जाए। नई शिक्षा नीति के तहत प्री स्कूल शिक्षा में शिक्षकों की भर्ती में आंगनबाड़ी कर्मचारियों को प्राथमिकता देते हुए अनुबंध के आधार पर नीति बनाई जाए, के अलावा अन्य मांगें रखी गईं। संघ के पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई की सरकार उपरोक्त मुद्दों पर यथासंभव निर्णय लेकर कर्मचारियों के हित में कार्य करेगी। (अनंत ज्ञान)

प्रतिस्पर्धा स्वास्थ्य मंत्री ने लड़कों की अंडर-14 क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का किया समापन, विजेताओं को बांट इनाम

शिक्षा क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय ले रही सरकार : डॉ. शांडिल

आर मोहन, सोलन

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनीराम शांडिल ने कहा कि खेलों से जहां हम शारीरिक रूप से स्वस्थ रहते हैं, वहीं मानसिक तौर पर यह हमें एकाग्र बनाती हैं। डॉ. शांडिल आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सायरी में लड़कों की अंडर-14 क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि एक युवा को भविष्य का प्रतिभा संपन्न नागरिक बनाने में पुस्तकें और खेलें बराबर भूमिका निभाती हैं। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ खेलों और व्यायाम को भी नियमित समय दें। उन्होंने छात्रों से नशे से दूर रहने का आग्रह भी किया। उन्होंने कहा कि समाज के बेहतर निर्माण के लिए युवा पीढ़ी का नशे से बचाव महत्वपूर्ण है। इसके लिए सभी को एकजुट होकर युवाओं को नशे से दूर रखना होगा। सरकार ने शिक्षा क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण परिवेश के छात्रों को उच्च स्तर की शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल खोले जा रहे हैं। सोलन विधानसभा क्षेत्र में भी राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल खोलने के लिए स्थान चिन्हित कर दिया गया है। इस अवसर पर डॉ. शांडिल ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सायरी में चारदीवारी और मंच निर्माण के लिए 5 लाख रुपए की पहली किस्त तथा मिड-डे मील शैड निर्माण के लिए 2 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कंडाघाट ब्लॉक के स्कूली बच्चों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के वस्त्र क्रय करने के लिए 30 हजार रुपए देने की घोषणा भी की।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने इस अवसर पर खेलकूद प्रतियोगिता में विजय रही टीमों को सम्मानित किया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री ने नागरिक अस्पताल सायरी और सायरी के वरिष्ठ नागरिक कार्यालय का दौरा किया और वहां विभिन्न व्यवस्थाएं जांचीं। उन्होंने निखिल नामक रोगी को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया। (अनंत ज्ञान)

सायरी में लड़कों की अंडर-14 क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन पर नाटी डालती छात्राएं। (दाएं) खेलकूद प्रतियोगिता की विजेता टीम के साथ मुख्यातिथि डॉ. शांडिल।

वॉलीबाल में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चायल प्रथम

क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में कंडाघाट ब्लॉक के 14 स्कूलों के 186 बच्चों ने भाग लिया। वॉलीबाल में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चायल प्रथम तथा राजकीय उच्च विद्यालय पपलोल द्वितीय स्थान पर, कबड्डी में राजकीय उच्च विद्यालय धंगील विजयी तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चायल रनरअप, खो-खो में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला डुमैहर (के) प्रथम तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला छावशा द्वितीय स्थान पर, बैडमिंटन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चायल विजयी तथा राजकीय माध्यमिक पाठशाला सायरीघाट रनरअप रही और मार्चपास्ट में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सायरी प्रथम तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चायल द्वितीय स्थान पर रही।

न्यूज ब्रीफ

चीन ने अमेरिका के साथ हथियार नियंत्रण वार्ता स्थगित की

बीजिंग। चीन ने बुधवार को कहा कि उसने अमेरिका के साथ हथियार नियंत्रण एवं अप्रसार वार्ता स्थगित कर दी है। चीन का आरोप है कि अमेरिका, ताइवान को हथियारों की बिक्री जारी रखे हुए है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि स्वशासित ताइवान को अमेरिका हथियारों की बिक्री जारी रखे हुए है। चीन, ताइवान के एक बागी प्रांत होने का दावा करता है। उसका कहना है कि इसे मुख्यभूमि (चीन) के साथ पुन:एकीकृत किये जाने की जरूरत है। चीन इस मुद्दे पर अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखने का इच्छुक है, लेकिन केवल इस शर्त पर कि अमेरिका उसके मूल हितों का सम्मान करे और वार्ता के लिए आवश्यक माहौल तैयार करे।

परंपराओं के साथ शुरू हुआ ब्रिटिश संसद का नया सत्र

लंदन। ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय बुधवार को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करने के लिए संसद पहुंचे। पारंपरिक शाही परिधान पहने महाराजा चार्ल्स संसद को संबोधित करेंगे और वाम झुकाव वाली नयी सरकार के विधायी कार्यक्रम का विवरण पेश करेंगे। पिछले 14 साल में पहली बार ब्रिटेन में वाम झुकाव वाली सरकार सत्ता में आयी है। यहां महाराजा के अभिभाषण के इतिहास और इसके तरीके पर एक संक्षिप्त नजर डाली गई है। सरल एवं सहज शब्दों में कहा जा सकता है कि यह एक भाषण है जिसमें आने वाले वर्ष के लिए सरकार के विधायी कार्यक्रम का विवरण प्रस्तुत किया जाता है। महाराजा का अभिभाषण निर्वाचित सरकार द्वारा तैयार किया जाता है। प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर मौजूदा सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं।

मादक पदार्थ के साथ नाइजीरियाई नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के द्वारका इलाके से पुलिस ने मादक पदार्थ

एफेटामाइन के साथ नाइजीरिया के एक नागरिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि नाइजीरिया के रहने वाले आर्थर इफियानी मदुग्वान्ना (40) के पास से बरामद मादक पदार्थ की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 50 लाख रुपये आंकी गयी है। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने बताया, 'हमें सूचना मिली थी कि आर्थर इफियानी मदुग्वान्ना नामक व्यक्ति मादक पदार्थ (एम्फेटामाइन) के साथ द्वारका क्षेत्र में आएगा, जिसके बाद एक टीम गठित की गई और आरोपी को डाबरी क्षेत्र के पास पकड़ लिया गया।' अधिकारी ने बताया कि मदुग्वाना 2015 से दिल्ली में रह रहा है और इससे पहले वह मुंबई में एनडीपीएस (स्वापक औषधि और मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम) के मामले में संलिप्त था और वह गिरफ्तार भी हुआ था। पुलिस उपायुक्त ने कहा, 'आरोपी ने खुलासा किया कि उसने यह मादक पदार्थ पालम फ्लाईओवर के पास एक अफ्रीकी नागरिक से खरीदा था, और वह इसे द्वारका के पास डाबरी इलाके में नाइजीरिया के एक अन्य नागरिक को देने जा रहा था।

कुवैत दूतावास का सफाई कर्मचारी गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के चाणक्यपुरी में स्थित कुवैत दूतावास में कार्यरत एक कर्मचारी को एक सफाई कर्मी के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान अबू बकर (70) के रूप में की गई है। पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) में वीरवार को फोन आया। कॉल करने वाले ने कथित घटना की सूचना देते हुए दावा किया कि वह 20 वर्षीय पीड़िता का पति है। पिछले दो वर्ष से दूतावास में कार्यरत अबू बकर ने काम के दौरान उसकी प ी का यौन उत्पीड़न किया है।

उत्तर प्रदेश में करंट से युवक की मौत, पांच झुलसे

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में बुधवार को मुहर्रम के जुलूस के दौरान करंट लगने की दो अलग-अलग घटनाओं में एक लड़के की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि तरबगंज थाना क्षेत्र के पकवान गांव से ताजिया का जुलूस निकाला जा रहा था। ताजिया बिजली के एक तार को छू गया, जिसकी वजह से उसमें करंट आ गया और अशरफ (12) व उसका भाई रियासत बुरी तरह से झुलस गए। चिकित्सकों ने अशरफ को मृत घोषित कर दिया जबकि, तेलियन पुरवा गांव में करंट की चपेट में आने से एक महिला समेत चार लोग झुलस गए।

असम में मुठभेड़ में तीन उग्रवादी मार गिराए

कछार (असम)। असम के कछार जिले में सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में तीन उग्रवादियों को मार गिराया। यह मुठभेड़ मंगलवार देर रात असम-मिजोरम सीमा पर स्थित भुबन पहाड़ियों में हुई। इससे पहले कछार के ढलाई गंगा नगर से हथियारों के साथ तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया था। कछार के पुलिस अधीक्षक नोमल महत्ता के नेतृत्व में एक टीम गिरफ्तार किये गये उग्रवादियों की निशानदेही के साथ भुबन पहाड़ियों तक पहुंची। पुलिस को देखते ही पहाड़ियों में छिपे उग्रवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। करीब एक घंटे तक हुई गोलीबारी में तीन उग्रवादी मारे गए। मृतकों में दो कछार और एक मणिपुर का निवासी बताया गया है। गोलीबारी में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए।

मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षाबलों की ओर से चलाए गए तलाशी अभियान में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए हैं। मणिपुर पुलिस ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान बिष्णुपुर जिले के हाओलेक

गेलजैंग से एक लाठोड़ गन, दो पोम्पी देशी बंदूक, एक कार्बाइन और एक मैगजीन, एक केनवुड हैंडहेल्ड सेट, दो एचई-36 हैंड ग्रेनेड, 15 जिंदा राउंड, एक बीपी सेट और दो कॉम्बैट ड्रेस शर्ट बरामद की गई। एक अन्य तलाशी अभियान के दौरान चूराचांदपुर जिले के कांग्पुई कब्रिस्तान से एक एसबीबीएल 12-बोर बंदूक (देशी निर्मित) बरामद किया गया।

मुंबई एयरपोर्ट पर 13.24 किलो सोना जब्त, सात धरे

मुंबई। सीमा शुल्क विभाग (कस्टम) के अधिकारियों ने मुंबई एयरपोर्ट पर 13.24 किलो सोना के अलावा 1.38 करोड़ रुपए के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और 45 लाख रुपए की विदेशी मुद्रा जब्त किया है। इस मामले

में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त सोने की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 9 करोड़ रुपये आंकी गई है। मंगलवार को कस्टम विभाग की टीम ने कुल 24 मामलों में कार्रवाई की और इनके पास से अवैध तरीके से लाया गया करीब नौ करोड़ का सोना जब्त किया गया है। इसके बाद वगैर अनुमति के लाए गए 1.38 करोड़ के इलेक्ट्रानिक्स उपकरण और 45 लाख रुपए की विदेशी मुद्रा भी जब्त की है। कस्टम विभाग के अधिकारियों ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपितों से पूछताछ कर गहन छानबीन की जा रही है।

इराक-सीरिया में 'आईएस' के हमले पिछले साल की तुलना में दोगुने

एजेंसी, बगदाद

अमेरिका की 'यूएस सेंट्रल कमांड' ने बुधवार को कहा कि आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएस) फिर से सिर उठाने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि सीरिया और इराक में हमलों की संख्या पिछले साल के मुकाबले दोगुनी होने के करीब है। 'सीईएनटीसीओएम' ने एक बयान में कहा कि इस्लामिक स्टेट ने 2024 के पहले छह महीनों में दोनों देशों में 153 हमलों की जिम्मेदारी ली है। अमेरिका के एक रक्षा अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि सीरिया और इराक में 2023 में हुए 121 हमलों के पीछे इस्लामिक स्टेट का हाथ था।

'सीईएनटीसीओएम' ने कहा, ''हमलों में वृद्धि यह दिखाती है कि इस्लामिक स्टेट कई वर्षों तक क्षमता घटने के बाद फिर से सिर उठाने की कोशिश कर रहा है।'' यह बयान इस्लामिक स्टेट के इराक और सीरिया के बड़े हिस्सों पर कब्जा करने की उसकी घोषणा के 10 साल

पूरे होने के बाद दिया गया है।

इस्लामिक स्टेट से लड़ने के लिए अमेरिका की अगुवाई में 80 से अधिक देशों का गठबंधन बनाया गया। आतंकी समूह ने 2017 में इराक और 2019 में सीरिया में अपना नियंत्रण खो दिया, हालांकि उसकी 'स्लीपर सेल' दोनों देशों तथा विदेश में सक्रिय रहीं।

इराकी अधिकारियों का कहना है कि वे अपनी सेना के साथ मिलकर इस्लामिक स्टेट के खतरे को नियंत्रण में रख सकते हैं और उन्होंने इराक में अमेरिकी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के मिशन को बंद करने के उद्देश्य से अमेरिका के साथ बातचीत की है।

मंगलवार को दो इराकी मिलीशिया के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने इराक में एन अल-असद हवाई अड्डे को निशाना बनाते हुए एक ड्रोन हमला किया। अमेरिकी अधिकारियों ने अभी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

दुबई की राजकुमारी शेखा महरा ने इंस्टाग्राम पर दिया पति को तलाक

एजेंसी, दुबई

दुबई में तलाक का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दुबई की राजकुमारी शेखा महरा बिंत मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के माध्यम से अपने पति शेख माना बिन मोहम्मद बिन राशिद बिन माना अल मकतूम से अलग होने का एलान किया है। उन्होंने अपने पोस्ट में मुस्लिम परंपरा के अनुसार डिवोर्स लिया है और अपने पति को तीन तलाक दिया है।

दुबई की राजकुमारी ने अपने पोस्ट में कहा कि डियर हसबैंड आप दूसरे साथियों के साथ बिजी हैं, जिसके कारण आपसे तलाक की घोषणा करती हूं। मैं आपको तलाक देती हूं, तलाक देती हूं और तलाक देती हूं। अपना ख्याल रखना, आपकी पूर्व पत्तनी। मालूम हो कि शेखा महरा की यह घोषणा दंपती के पहले बच्चे के जन्म के दो माह बाद आई है।

दुबई की राजकुमारी ने अपने पति से तलाक लेने के साथ-साथ उन्हें सोशल मीडिया पर भी अनफॉलो कर दिया है। निकाह के दौरान ली गई तस्वीरों को भी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम से हटा लिया है।

दुबई के प्रधानमंत्री की बेटी हैं महरा

मालूम हो कि शेखा माहरा दुबई के प्रधानमंत्री और शासक मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम की बेटी हैं। वह यूएई में महिला सशक्तिकरण के समर्थकों में से एक हैं। माहरा के पास यूके के एक विश्वविद्यालय से अंतरराष्ट्रीय संबंध विषय में डिग्री है। पिछले साल मई में इस जोड़े की शादी हुई थी और 12 महीने बाद उनकी बेटी का जन्म हुआ था।

महाराष्ट्र में 12 नक्सली ढेर

एजेंसी, कांकेर

महाराष्ट्र के नक्सली प्रभावित गढ़चिरौली में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने भीषण एनकाउंटर में 12 नक्सलियों को मार गिराया है। नक्सलियों और पुलिसवालों के बीच तकरीबन 6 घंटे तक मुठभेड़ चली।

कुछ नक्सलियों के मौके से भागने की भी सूचना है। बता दें कि छत्तीसगढ़ की सीमा से लगते गढ़चिरौली के घने और पहाड़ी क्षेत्रों में नक्सली सक्रिय रहते हैं। नक्सली अक्सर घने जंगलों का फायदा उठाकर घटना को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं।

कई बार देखा गया है कि नक्सली किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के बाद जंगल क्षेत्र होते हुए छत्तीसगढ़ की सीमा में भी प्रवेश कर जाते हैं, ऐसे में उन्हें दबोच पाना कई बार मुश्किल हो जाता है। वहीं, झारखंड के सारंडा जंगल में भी एक बार फिर नक्सलियों के साथ सुरक्षा बलों की मुठभेड़ हुई है।

सारंडा के जंगल में झारखंड पुलिस, झारखंड जगुआर और कोबरा बटालियन के जवान एंटी नक्सल ऑपरेशन चला रहे थे। इसी दौरान नक्सलियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने भी मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की। कुछ ही देर में नक्सली पस्त हो गए। सुरक्षा बलों को भारी पड़ता देख नक्सली घने जंगलों की तरफ भाग गए।

नक्सलियों के वहां से भागने के बाद पुलिस ने पूरे इलाके की सघन तलाशी ली. मुठभेड़ स्थल से सर्च ऑपरेशन के दौरान भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद हुआ है। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

सहनी हत्याकांड
पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया

पटना । बिहार पुलिस ने विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के अध्यक्ष मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की जघन्य हत्या की जांच के सिलसिले में पूछताछ के लिए चार लोगों को हिरासत में लिया है।

दरभंगा पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में पता चला कि चार लोग 15 जुलाई की रात करीब 10.30 बजे जीतन सहनी के घर में प्रवेश किए और कुछ देर भीतर रहने के बाद बाहर निकल गए।

पूर्व राज्य मंत्री मुकेश सहनी के 70 वर्षीय पिता की 16 जुलाई को दरभंगा जिले में उनके पैतृक आवास में धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई थी।

ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज मोहाली के संयोजक बने प्रीत कमल सिंह सैनी

जगदीश शर्मा, चंडीगढ़

ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज, पंजाब की एक बैठक ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज, पंजाब के अध्यक्ष लवलीन सिंह सैनी के नेतृत्व में आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज, मोहाली का संयोजक प्रीत कमल सिंह सैनी को घोषित किया गया।

इस बैठक में हिम्मत सिंह सैनी देसूमाजरा, रूपक सैनी, ट्रांसपोर्टर दविंदर सैनी, दास अश्वनी सैनी, मुख्य प्रबंधक श्री तजिंदर सिंह, जतिंदर सैनी, युवा नेता विश्वजीत सिंह सैनी, गुरमीत सिंह भांखरपुर, सुखविंदर सिंह, शेरी कुराली व अन्य मौजूद थे। इस अवसर पर ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज, मोहाली का संयोजक प्रीत कमल सिंह सैनी, जो कि अस्टिंट प्रोफेसर व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी रहे हैं और उनके नाम कई रिकॉर्ड हैं, ने कहा कि वे पूरे समर्पण व जिम्मेदारी के साथ अपने सामाजिक कार्यो को निर्वाह करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज में नशे के खिलाफ वे समय समय पर जागरूकता अभियान भी चलाएगें। उन्होंने कहा कि मोहाली में यूथ को मजबूत किया जाएगा।

पंजाब अध्यक्ष कामरेड लवलीन सिंह सैनी ने कहा कि सैनी समाज की जिला स्तरीय बैठक जल्द ही मोहाली में आयोजित की जाएगी। वह अपनी मोहाली टीम के साथ काम करने के लिए हमेशा तैयार हैं। (अनंत ज्ञान)

बांग्लादेश में प्रदर्शन; छह लोगों की मौत, स्कूल और कॉलेज किए बंद

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों में कम से कम छह लोगों के मारे जाने के मद्देनजर अधिकारियों ने स्कूल और कॉलेजों को बंद करने की घोषणा की है। अधिकारियों ने छात्रों को शाम छह बजे तक छात्रावास खाली करने के निर्देश दिए हैं।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने छात्रों की सुरक्षा के लिए सभी सार्वजनिक और निजी विश्वविद्यालयों से अगली सूचना तक कक्षाएं स्थगित करने और छात्रावास खाली कराने को कहा है।

देश के विश्वविद्यालय स्वायत्त रूप से संचालित होते हैं। सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर बांग्लादेश के प्रमुख शहरों में प्रदर्शन कर रहे लोगों और पुलिस के बीच हुई झड़प में तीन विद्यार्थियों सहित कम से कम छह लोगों की मौत हो गई थी और 100 से अधिक अन्य लोग घायल हो गए। ढाका विश्वविद्यालय और देश के अन्य स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए। परिसर में पुलिस तैनात की गई, जबकि अर्धसैनिक सीमा बल ढाका और अन्य बड़े शहरों में सड़कों पर गश्त कर रहे हैं।

चावल चोरी के मामले में भाजपा नेता मणिकांत राठौड़ गिरफ्तार

कर्नाटक। भारतीय जनता पार्टी के नेता मणिकांत राठौड़ को अन्न भाग्य योजना के लिए निर्धारित चावल की चोरी करने के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। शाहपुर पुलिस ने राठौड़ को जिला मुख्यालय कलबुर्गी स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया।

सूत्रों ने बताया कि मणिकांत को यादगीर जिले के शाहपुर में एक सरकारी गोदाम से दो करोड़ से अधिक मूल्य के 6077 क्विंटल चावल की चोरी के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। भाजपा नेता को पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन उन्होंने पूछताछ की अनदेखी की। इसके चलते पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

ट्रंप के बारे में सच बोलना नहीं करूंगा बंद : बाइडेन

एजेंसी, लास वेगास

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक बार फिर राजनीतिक बयानबाजी में कड़वाहट कम करने का आह्वान किया। हालांकि, उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि कि ऐसा करने का यह मतलब नहीं है कि हम सच बोलना बंद कर दें।

लास वेगास में एनएएसीपी सम्मेलन को संबोधित करते हुए बाइडेन ने कहा कि देश में राजनीतिक हिंसा से निपटने का मतलब हर तरह के खूनखराबे पर लगाम लगाना, पुलिस की क्रूरता का बेहतर मुकाबला करना और ट्रंप पर बीते सप्ताहांत हुए हमले में इस्तेमाल एआर-स्टाइल राइफल जैसे हथियारों पर प्रतिबंध लगाना होना चाहिए।

देश में एक महत्वपूर्ण चर्चा का समय आ गया है। हमारा राजनीतिक परिदृश्य बहुत गरमा गया है। 'और चार साल' के नारों के बीच उन्होंने कहा कि सिर्फ इसलिए कि हमें अपनी राजनीतिक बयानबाजी में कड़वाहट कम करनी चाहिए, क्योंकि यह हिंसा से संबंधित है, इसका मतलब यह नहीं है कि हमें सच बोलना बंद कर देना चाहिए।

बिहार के सारण जिले में प्रेम संबंध के कारण ट्रिपल मर्डर

एजेंसी, छपरा

बिहार के सारण जिले के रसूलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत धानाडीह गांव में कथित तौर पर प्रेम संबंध के कारण तीन लोगों की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

मंगलवार रात को सूचना मिली थी कि धानाडीह गांव निवासी तारकेश्वर सिंह उर्फ झाबर सिंह सहित तीन लोगों की हत्या कर दी गई है। पुलिस तुरंत घटनास्थल पहुंची जहां तारकेश्वर और उनकी दो नाबालिग बेटियां मृत पाई गईं। वहीं तारकेश्वर की पत्नी जख्मी हालत में मिलीं। मृतक की पत्नी के बयान पर सधांशु उर्फ रौशन और अंकित कुमार को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ शुरू की।

केंद्र सरकार की अस्थिर नीतियों से कम हो रहा निवेश : रमेश

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की अस्थिर नीतियों, मित्रवादी पूंजीवाद के बोलबाले और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) एवं आयकर विभाग के 'रेड राज' के कारण पिछले 10 साल से निवेश लगातार कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत को नीतियों में छोटे-मोटे फेरबदल की नहीं, बल्कि उदारता भरे दृष्टिकोण की जरूरत है।

2014 के बाद से भारत के तेजी से वृद्धि न करने का मुख्य कारण सुस्त निवेश दर है। अस्थिर नीतियां, मित्रवादी पूंजीवाद का बोलबाला और ईडी, सीबीआई एवं आयकर विभाग का 'रेड राज', इन तीन वजहों के चलते 2014 से निवेश लगातार कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि कम निवेश मध्यम और दीर्घकालिक जीडीपी वृद्धि दर को नीचे खींचता है, जिसके परिणामस्वरूप मजदूरी और उपभोग वृद्धि में गिरावट आती है भारत में निजी घरेलू निवेश 2014 से सुस्त है। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान यह जीडीपी के 25-30 प्रतिशत के दायरे में था। स्वयंभू परमात्मा के अवतार के कार्यकाल में यह जीडीपी के 20-25 प्रतिशत के दायरे में है। 2014 से सकल एफडीआई भी कमोबेश स्थिर रहा है। हालांकि, यह कहानी का केवल एक हिस्सा भर है।

अनुमान एशियाई विकास बैंक को बेहतर मानसून अनुमानों को देखते हुए कृषि क्षेत्र में सुधार की उम्मीद

भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7% रहने का अनुमान

एजेंसी, नई दिल्ली

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का अनुमान सात प्रतिशत पर बरकरार रखा है। साथ ही कहा कि सामान्य से बेहतर मानसून अनुमानों को देखते हुए कृषि क्षेत्र में सुधार की उम्मीद है।

एडीबी का यह पूर्वानुमान ऐसे समय में आया है जब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित कर सात प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ ने अप्रैल में

इसके 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले महीने अपने वृद्धि अनुमान को सात प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया था। एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) के जुलाई संस्करण के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024-25 (31 मार्च 2025 को समाप्त) में सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। वित्त वर्ष 2025-26 में 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने की राह पर है, जैसा कि एडीओ अप्रैल 2024 में अनुमान लगाया गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की, जबकि उससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में यह सात प्रतिशत थी। रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष 2022-23 में धीमी वृद्धि के बाद सामान्य से अधिक मानसून अनुमानों को देखते हुए कृषि क्षेत्र में सुधार की उम्मीद है। ऐसा जून में मानसून की धीमी प्रगति के बावजूद है।

ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्धि की गति को बनाए रखने के लिए कृषि में सुधार महत्वपूर्ण होगा। विकासशील एशिया के विकास पूर्वानुमान के संबंध में एडीओ ने कहा कि इसे 2024 के लिए पांच प्रतिशत तक संशोधित किया गया है और 2025 के लिए 4.9 प्रतिशत पर कायम रखा गया है।

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार को बजट में सीमा शुल्क को युक्तिसंगत बनाना चाहिए : आईसीसी

नई दिल्ली। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) ने सरकार को घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए इस्पात, सौर बैटरी, एल्यूमीनियम और लिथियम सेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में सीमा शुल्क को युक्तिसंगत बनाने का सुझाव दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 23 जुलाई को पूर्ण केंद्रीय बजट पेश करेंगी। आईसीसी के अध्यक्ष अमेय प्रभु ने कहा कि इस्पात, सौर बैटरी, एल्युमीनियम और लिथियम सेल सहित अन्य क्षेत्रों में घरेलू उद्योग की वृद्धि के लिए सुरक्षात्मक उपायों की आवश्यकता है। प्रभु ने कहा कि इन विशिष्ट क्षेत्रों में समग्र रूप से सीमा शुल्क को युक्तिसंगत बनाने की आवश्यकता है। घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और भारत को विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने की अपार संभावनाएं हैं।

अमरनाथ यात्रा : श्रद्धालुओं में भारी उत्साह, अब तक 3.38 लाख से अधिक भक्तों ने किए भोले बाबा के दर्शन

एजेंसी, जम्मू

अमरनाथ यात्रा जारी है और श्रद्धालुओं में यात्रा को लेकर उत्साह भी बरकरार है। अब तक 3.38 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। वहीं, बुधवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए 3,700

3,700 तीर्थयात्रियों का 20वां जत्था जम्मू से रवाना

तीर्थयात्रियों का नया जत्था जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से कश्मीर घाटी की ओर रवाना हुआ।

सीआरपीएफ की सुरक्षा में 127 वाहनों में सवार होकर तीर्थयात्रियों का 20वां जत्था सुबह 3:05 बजे रवाना हुआ। इस जत्थे में 2,734 पुरुष, 952 महिलाएं और नौ बच्चे शामिल हैं। 2,305 तीर्थयात्रियों ने पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम मार्ग को चुना, जबकि 1,435 ने छोटे लेकिन अधिक कठिन 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग को चुना।

पेरिस ओलंपिक में 117 भारतीयों पर देश की उम्मीदें

सहयोगी स्टाफ के 140 सदस्यों की सूची जारी, आभा खटुआ बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली

26 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाले पेरिस ओलंपिक में भारत के 117 खिलाड़ी भाग लेंगे। खेल मंत्रालय ने इसके अलावा सहयोगी स्टाफ के 140 सदस्यों को भी मंजूरी दी है, जिसमें खेल अधिकारी भी शामिल हैं। सहयोगी स्टाफ के 72 सदस्यों को सरकार के खर्चे पर मंजूरी मिली है। ओलंपिक के लिए जिन खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया था उनमें से केवल गोला फेंक की एथलीट आभा खटुआ का नाम सूची में नहीं है। विश्व रैंकिंग के जरिए कोटा हासिल करने वाली आभा खटुआ का नाम हटाने को लेकर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। कुछ दिन पहले विश्व एथलेटिक्स की ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची से उनका नाम हटा दिया गया था।

पेरिस ओलंपिक 8 दिन शेष

एथलीट	निशानेबाजी	हॉकी	टेबल टेनिस	बैडमिंटन	कुश्ती	तीरंदाजी	मुक्केबाजी
29	21	19	08	07	06	06	06

ब्रेक डांस पहली बार शामिल

इसे पहली बार ओलंपिक में शामिल किया जा रहा है। यह डांस साल 1970 में फ्रांस के शहर ब्रॉन्क्स में शुरू हुआ था। इतने बरसों में यह खेल प्रतियोगिता बन चुका है। इसके कई इंटरनेशनल इवेंट होते हैं जहां विजेता का फैसला करने के लिए बाकायदा जज बैठते हैं।

पेरिस ओलंपिक के शुभंकर

ओलंपिक के लिए आधिकारिक शुभंकर के रूप में 'फ्रीज' नामक फ्रीजियन टोपी को चुना गया है। फ्रांसीसी क्रांतिकारियों द्वारा पहनी जाने वाली इस ऐतिहासिक टोपी को स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में और फ्रांसीसी गणराज्य के प्रतीकात्मक आंकड़ों का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया था।

टोक्यो में उतरा था 119 खिलाड़ियों का दल

टोक्यो ओलंपिक में भारत के 119 खिलाड़ियों ने भाग लिया था जिन्होंने सात पदक जीते थे। इनमें नीरज चोपड़ा का भाला फेंक में जीता गया ऐतिहासिक स्वर्ण पदक भी शामिल है। चोपड़ा पेरिस में अपने खिताब का बचाव करने के लिए उतरेंगे।

न्यूज ब्रीफ

शौर्य को विश्व जूनियर स्क्वाश में कांस्य

नई दिल्ली। भारत के शौर्य बावा ने ह्यूस्टन में चल रही विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप के लड़कों के एकल सेमीफाइनल में मिस्र के शीर्ष वरीयता प्राप्त मोहम्मद जकारिया से 0-3 से हारने के बाद कांस्य पदक हासिल किया। शौर्य बावा पिछले साल के उपविजेता जकारिया से 41 मिनट तक चले रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में 5-11, 5-11, 9-11 से हार गए। कुश कुमार (2014 में) के बाद बावा विश्व जूनियर सेमीफाइनल में पहुंचने वाले केवल दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं। लड़कियों के वर्ग में अनाहत सिंह क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई थी। भारत की 16 वर्ष की राष्ट्रीय चैम्पियन को मिस्र की नादियां इल्हामामी ने 11-8, 11-9, 5-11, 10-12, 13-11 से हराया था।

दूसरा टेस्ट : वुड इंग्लैंड की टीम में शामिल

नॉटिंघम। इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए एक बदलाव करते हुए संन्यास ले चुके जेम्स एंडरसन की जगह तेज गेंदबाज मार्क वुड को टीम में शामिल किया है। तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मैच गुरुवार को ट्रेंटब्रिज में शुरू होगा। इंग्लैंड ने पहला मैच पारी और 114 रन से जीता था। एंडरसन ने पहला मैच खेलने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था लेकिन वह तेज गेंदबाजों के मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में टीम से जुड़े रहेंगे। **इंग्लैंड की टीम।** जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ, क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, मार्क वुड, शोएब बशीर।

केन्याई मैराथन धावकों पर लगा प्रतिबंध

नैरोबी। केन्या की महिला मैराथन धावक जूडिथ जेरुबेट, जिन्होंने 2024 वुहान मैराथन में कांस्य पदक जीता था, पर डोपिंग के लिए दो साल का प्रतिबंध लगाया गया है। एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने उक्त घोषणा की। वहीं, विश्व एथलेटिक्स डोपिंग निरोधक संस्था के अनुसार, 2024 लीमा मैराथन पुरुष रजत पदक विजेता डेनियल मुइंडी को डोपिंग के लिए तीन साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। 35 वर्षीय जेरुबेट को प्रतिबंधित पदार्थ ट्रायमिसिनोलोन एसीटोनाइड की मौजूदगी के कारण प्रतिबंधित किया गया है, जो आमतौर पर त्वचा की देखभाल में इस्तेमाल किया जाने वाला कॉर्टिकोस्टेरॉइड है।

दीपा दक्षिण एशिया के लिए प्रतिनिधि नियुक्त

नई दिल्ली। भारत की पहली महिला पैरालंपिक पदक विजेता दीपा मलिक को एशियाई पैरालंपिक समिति (एपीसी) ने दक्षिण एशिया के लिए उपक्षेत्रीय प्रतिनिधि नियुक्त किया है। एपीसी की 34वीं कार्यकारी बोर्ड बैठक के दौरान इस नियुक्ति की पुष्टि की गई। यह नियुक्ति पैरा खेलों में लैंगिक विविधता और खिलाड़ियों के नेतृत्व के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। दीपा मलिक तुरंत पद की जिम्मेदारी संभालेंगी। भारत की पूर्व पैरालंपिक समिति प्रमुख की नियुक्ति से कार्यकारी बोर्ड में महिला प्रतिनिधियों की संख्या पांच हो गई है जो एपीसी के इतिहास में बोर्ड में महिलाओं का सबसे अधिक प्रतिनिधित्व है। दीपा की भूमिका में दक्षिण एशियाई देशों का प्रतिनिधित्व करना और इस क्षेत्र में पैरा खेलों के विकास और इन्हें प्रोमोट करने की वकालत करना होगा। दीपा ने कहा, ''दक्षिण एशिया का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है और मेरे लिए शानदार मौका है। भारत लंबे समय से 'वसुधैव कुटुम्बकम' का नेतृत्वकर्ता रहा है और अब इस बड़े परिवार में योगदान देने के लिए आगे बढ़ने का सही समय है।''

यूएस ओपन के मुख्य ड्रॉ में शामिल हुए चार बार के चैंपियन नदाल

एजेंसी, नई दिल्ली

चार बार के चैंपियन राफेल नदाल को 2024 अमेरिकी ओपन (यूएस ओपन) के लिए मुख्य ड्रॉ में शामिल किया गया है। वे पिछले चार वर्षों में तीन बार इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाए थे। 38 वर्षीय स्पेनिश बाएं हाथ के खिलाड़ी के पास 9वीं रैंकिंग है, जो 26 अगस्त से शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन के लिए खुद को मैदान में उतारने के लिए है।

नदाल ने 2019 में अपना चौथा न्यूयॉर्क हार्डकोर्ट क्राउन जीतने के बाद से 2022 में केवल एक बार यूएस ओपन खेला है। वह 14 खिलाड़ियों में से एक थे, जिन्होंने संरक्षित रैंकिंग के साथ मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई।

नदाल ने 2010 में यूएस ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया और 2013, 2017 और 2019 में यूएस ओपन खिताब भी अपने नाम किए। वह 2022 में चौथे दौर में पहुंचे, लेकिन तब से उन्होंने केवल दो स्लैम खेले हैं और कभी दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए।

इस साल के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन इटली के विश्व नंबर एक जननिक सिनर और जून में लगातार तीसरा फ्रेंच ओपन खिताब जीतने वाली शीर्ष रैंकिंग वाली इगा स्विएटेक पुरुष और महिला वर्ग में आगे हैं। डिफेंडिंग चैंपियन और दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और कोको गॉफ भी लाइनअप में हैं। स्पेन के कार्लोस अल्काराज, 2022 यूएस ओपन चैंपियन, फ्रेंच ओपन और विंबलडन खिताब जीत चुके हैं और 2010 में नदाल के बाद एक ही साल में ये ट्रॉफी और यूएस ओपन जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन सकते हैं।

ओलंपिक की तैयारी में लगे नदाल की आसान जीत

ओलंपिक की तैयारी में लगे राफेल नदाल ने क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे नॉर्डिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट के एकल के पहले दौर में स्वीडन के दिग्गज खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग के 21 वर्षीय बेटे लियो बोर्ग को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराया।

नदाल ने मैच के बाद अपने 21 वर्षीय प्रतिद्वंद्वी के बारे में कहा, ''हमारे खेल के इतिहास के सबसे दिग्गज खिलाड़ी में से एक के बेटे के खिलाफ खेलना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मुझे लगता है कि उसने अच्छा प्रदर्शन किया। उसके सामने अभी लंबा करियर है और मैं उसे शुभकामनाएं देता हूं।'' नदाल ने यहां 2005 में 19 वर्ष की उम्र में खिताब जीता था। उसके बाद वह इस टूर्नामेंट में पहली बार भाग ले रहे हैं।

पेरिस की मेयर ने सफाई दिखाने के लिए सीन नदी में डुबकी लगाई

एजेंसी, पेरिस

पेरिस की मेयर ऐनी हिडाल्गो ने महीनों पहले किए गए अपने वादे को पूरा करते हुए 8 दिन बाद शुरू होने वाले 2024 ओलंपिक के दौरान तैराकी स्पर्धाओं की मेजबानी के मद्देनजर सीन नदी की स्वच्छता दिखाने के लिए इसमें डुबकी लगाई।

'वेटसूट' पहनकर हिडाल्गो ने अपने कार्यालय सिटी हॉल और नोट्रे डेम कैथेड्रल के पास नदी में छलांग लगाई। पेरिस 2024 के प्रमुख टोनी एस्टांगुएट और पेरिस क्षेत्र के शीर्ष सरकारी अधिकारी मार्क गिलियूम भी उनके साथ शामिल थे। हिडाल्गो ने नदी से बाहर निकलते हुए कहा, ''पानी बहुत अच्छा है। थोड़ा ठंडा है, लेकिन इतना खराब नहीं है।''

यह 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों से पहले नदी की स्वच्छता दिखाने का प्रयास है, जिसमें सीन नदी पर नावों पर खिलाड़ियों की परेड भी शामिल है। जून के शुरू में जल गुणवत्ता जांच में ई कोलाई बैक्टीरिया का असुरक्षित स्तर मिला था जिसके बाद हाल ही में सुधार हुआ। नदी की स्वच्छता के लिए डेढ़ अरब डॉलर का खर्चा किया गया है।

पदक विजेता वेदांश का ढोल नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत

वाईके भारद्वाज, भरेड़ी

उपमंडल भोरंज के रूढ़ान गांव का वेदांश कोलंबो में चल रही अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में अपना जौहर दिखा कर बांग्लादेश, श्रीलंका व मालदीप को हराकर इंडिया चैंपियन बना है। यह प्रतियोगिता 10 से 13 जुलाई को आयोजित हुई थी।

भोरंज उपमंडल के कैहरवीं पंचायत के रूढ़ान में पैतृक गांव में पहुंचने पर परिवार सहित इलाकावासियों तथा बास्केटबॉल एसोशियेशन हमीरपुर व तीन पंचायत के प्रधानों और लोगों ने वेदांश का ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया। वेदांश ने अपने दादा स्व. मथुरा दास रनौत की मनोकामना भी पूरी की है। बास्केटबॉल संघ के अध्यक्ष सुरिंदर शर्मा व अन्य सदस्य संजीव ठाकुर, संजय ठाकुर, प्रीतम, सुरिंदर, बबली, सोनू डोगरा, केशव, राजेश गर्गी, वेदांश के चाचा संजय कुमार, विनोद संख्यान, भाग सिंह रनौत, ध्यान चंद रनौत, प्रधान समी कुमार, राज कुमार, गौरव शर्मा, सोनू डोगरा ने वेदांश को बधाई दी। (अनंत ज्ञान)

श्रीजा-मनिका सर्वोच्च वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली

श्रीजा अकुला (16वीं) और मनिका बत्रा (18वीं) 27 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस 2024 ओलंपिक टेबल टेनिस टूर्नामेंट में सर्वोच्च वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी हैं। अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) ने वरीयता का खुलासा किया। पुरुष और महिला एकल प्रतियोगिताओं में कुल 67 खिलाड़ियों को वरीयता दी गई है, जबकि दोनों टीम स्पर्धाओं के लिए 16-16 टीमों को वरीयता दी गई है।

पिछले महीने, श्रीजा अकुला विश्व टेबल टेनिस रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ 24वीं रैंकिंग पर पहुंच गईं और उन्होंने भारत की शीर्ष महिला एकल खिलाड़ी के रूप में मनिका बत्रा को हटा दिया। इस बीच, दुनिया की 28वें नंबर की खिलाड़ी मनिका बत्रा को पेरिस 2024 ओलंपिक में अपनी हमवतन से केवल दो स्थान नीचे वरीयता दी गई है।

मनिका ने मई में सऊदी स्मैश महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी, जिससे वह डब्ल्यूटीटी ग्रैंड स्मैश इवेंट के अंतिम आठ में पहुंचने वाली पहली भारतीय एकल टेबल टेनिस खिलाड़ी बन गईं।

अपने घरेलू सत्र में इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान से खेलेगा न्यूजीलैंड

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने घरेलू सत्र की घोषणा की। न्यूजीलैंड पुरुष क्रिकेट टीम 2024-25 के घरेलू सत्र में इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान की मेजबानी करेगी। अब तय कार्यक्रम के अनुसार पुरुष टीम घरेलू सत्र के दौरान तीन टेस्ट, छह वनडे और आठ टी-20 मैच खेलेगी।

जैसा कि पहले बताया गया था, गर्मियों की शुरुआत 28 नवंबर को क्राइस्टचर्च में इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की पहली सीरीज से होगी। यह सीरीज, जिसमें वेलिंगटन और हैमिल्टन में भी मैच खेले जाएंगे।

छह देश आईसीसी डेवलपमेंट पुरस्कार के लिए चयनित

नई दिल्ली। आईसीसी ने आईसीसी डेवलपमेंट पुरस्कार 2023 के वैश्विक विजेताओं की घोषणा जिसमें छह उभरते हुए देश मेक्सिको, ओमान, नीदरलैंड, यूएई, नेपाल और स्कॉटलैंड शामिल हैं। पिछले कैलेंडर वर्ष के दौरान शानदार प्रदर्शन के अलावा महत्वपूर्ण पहल के लिए 21 उभरते हुए देशों में से छह को पुरस्कारों के लिए चुना गया और इनका चयन एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा किया गया। इस साल विजेताओं का चयन अप्रैल में घोषित क्षेत्रीय पुरस्कार विजेताओं की सूची से किया गया जिसे आईसीसी के पूर्ण सदस्य अधिकारियों, पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों और आईसीसी वैश्विक भागीदारों के एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा चुना गया

उत्साह मैराथन पैदल चाल मिश्रित रिले में लेंगे भाग, ओलंपिक खेलों में पहली बार किया गया शामिल

ओलंपिक में पदार्पण के लिए तैयार सूरज पंवार

एजेंसी, नई दिल्ली

बचपन से ही विपरीत परिस्थितियों का सामना करने वाले पैदल चाल के एथलीट सूरज पंवार मिश्रित स्पर्धा के लिए जोड़ीदार नहीं होने के भी बावजूद अपने पहले ओलंपिक खेलों में भाग लेने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

पंवार को बचपन से ही उतार-चढ़ाव वाली जिंदगी जीने का अनुभव है। यह 23 वर्षीय एथलीट जब शिशु था तब उनके फॉरेस्ट गार्ड पिता उदय सिंह पंवार पेड़ों की अवैध कटाई को रोकने की कोशिश करते हुए ड्यूटी के दौरान मारे गए थे। उनकी मां पूनम ने उन्हें अकेले ही पाला, जो देहरादून के पास एक गांव में वन विभाग की नर्सरी में काम करती थीं और अपने बेटे को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती थी। पंवार ने कहा,''मैंने इससे पहले कभी मैराथन पैदल चाल मिश्रित रिले में भाग नहीं लिया है और यह पहला अवसर होगा जब इसमें भाग लूंगा। इसलिए मैंने किसी समय को अपना लक्ष्य भी नहीं बनाया है, लेकिन यह अपने देश का प्रतिनिधित्व करने से जुड़ा है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा।'' इस स्पर्धा को पहली बार अप्रैल में तुर्की के अंताल्या में विश्व एथलेटिक्स पैदल चाल टीम चैंपियनशिप में शामिल किया गया था। इसे ओलंपिक में पहली बार शामिल किया गया है। पंवार के लिए उनकी मां शुरू से ही प्रेरणास्रोत रही है जो आज भी उन्हें अपने खेल पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करती हैं।

प्रियंका गोस्वामी के साथ जोड़ी बनाकर 42.195 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे

सूरज पंवार 20 किलोमीटर पैदल चाल के खिलाड़ी हैं और वह ओलंपिक में प्रियंका गोस्वामी के साथ जोड़ी बनाएंगे। इस नई स्पर्धा में दोनों एथलीट मैराथन की 42.195 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। पहले पुरुष एथलीट 12.195 किमी की दूरी तय करेगा इसके बाद उसकी महिला जोड़ीदार अगले 10 किमी तक जिम्मा संभालेगी। इसके बाद पुरुष एथलीट अगले 10 किमी और फिर महिला एथलीट बाकी बचे 10 किमी की दूरी तय करेगी। पंवार ने कहा,'' मैं 20 किमी से थोड़ा ज्यादा (दो चरणों में कुल 22.195 किमी) की दूरी तय करूंगा, लेकिन (20 किमी की पैदल चाल से) अंतर यह है कि मैं 12.195 किमी पूरी करने के बाद बीच में ब्रेक लेकर दौड़ूंगा।''

सुमित नागल और ड्रेजेविक की जोड़ी नॉर्डिया ओपन से बाहर

एजेंसी, बस्ताड (स्वीडन)

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल और पोलैंड के उनके जोड़ीदार करोल ड्रेजेविक को यहां नॉर्डिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल में सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा।

नागल और ड्रेजेविक की जोड़ी 59 मिनट तक चले मुकाबले में एलेक्जेंडर मुलर और लुका वान असचे की फ्रांसीसी जोड़ी से 3-6, 4-6 से हार गई।

भारत के 26 वर्षीय खिलाड़ी ने हालांकि एकल वर्ग में अपनी चुनौती बरकरार रखी है। विश्व रैंकिंग में 68वें स्थान पर काबिज नागल का अगला मुकाबला अर्जेंटीना के दुनिया के 36वें नंबर के खिलाड़ी मारियानो नवोन से होगा। इस बीच रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी का जर्मनी में हैम्बर्ग ओपन में जैकब श्नाटर और मार्क वॉलनर की जर्मन जोड़ी के खिलाफ पुरुष युगल के पहले दौर का मैच गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

बोपन्ना और बालाजी पेरिस ओलंपिक के लिए भी जोड़ी बनाएंगे। हैम्बर्ग ओपन में भाग ले रही एक अन्य भारतीय जोड़ी जीवन नेदुनचेझियान और विजय सुंदर प्रशांत ने दूसरे दौर का क्वालीफाइंग मैच जीतकर मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई।

इस भारतीय जोड़ी ने स्पेन के सर्जियो मार्टोस गोर्नेस और जैम मुनार की जोड़ी को 4-6, 6-2, 10-8 से हराया। अब उनका मुकाबला टिम पुट्ज और केविन क्राविएट्ज की दूसरी वरीयता प्राप्त स्थानीय जोड़ी से होगा।